राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 पुलवामा वाला गुस्सा अब क्यों नहीं दिख रहे पीएम मोदी: ओवैसी..... हिमाचल में आपदा प्रभावितों को मुत में मिलेगा एलपीजी गैस कनेशन और..... 12

वर्ष : 14 | अंक : 128 | नई दिल्ली, सोमवार, 18 सितम्बर, 2023 | विक्रम संवत् 2080 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

रूस-यूक्रेन युद्ध से सबक लेकर भारतीय सेना और बढ़ाएगी अपने हथियारों का भंडार

नई दिल्ली, एजेसी

रूस-यूक्रेन युद्ध से सबक लेकर भारत की सेना ने मौजूदा हथियार भंडार से ज्यादा होवित्जर, रॉकेट और मिसाइलों की जरूरत जताई है। इसके लिए विरोधियों के खिलाफ सटीक हमले की क्षमता रखने वाले हथियारों को अपने बेड़े में शामिल करने के लिए सेना ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। भारत आने वाले दिनों में और अधिक हॉवित्जर, मिसाइलों और रॉकेटों के साथ-साथ युद्ध सामग्री, झुंड ड्रोन को शामिल करने जा रहा है। रूस के साथ यूक्रेन युद्ध में उच्च मात्रा में विनाशकारी गोलाबारी को निर्णायक युद्ध जीतने वाला कारक माना गया है। इसीलिए भारतीय सेना की तोपखाने रेजिमेंटों के लिए लगभग 300 स्वदेशी उन्नत टोड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) और 155 मिमी/52-कैलिबर बंदूकों के 300 माउंटेड गन सिस्टम (एमजीएस) की खरीद के लिए पहले ही अनुरोध पत्र (आरएफपी) जारी किये जा चुके हैं। अब सेना एलएंडटी और दक्षिण कोरियाई हनवा डिफेंस के संयुक्त उद्यम के माध्यम से 100 के-9 वज्र स्वचालित ट्रैक वाली बंदूकें हासिल करने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है, जिनकी मारक क्षमता 28-38 किमी. है। पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ जारी सैन्य टकराव के कारण पहले ही 4,366 करोड़ रुपये में शामिल की गई 100 ऐसी तोपों में से के-9 वज्र रेजिमेंट को 'विंटराइजेशन किट' के साथ वहां तैनात किया जा रहा है। सेना ने 3,488 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर नए एम-777 अल्ट्रा-लाइट होवित्जर तोपों के साथ-साथ पुरानी बोफोर्स तोप, गन धनुष और सारंग तोपों को भी तैनात किया है। रूसी-यूक्रेन युद्ध से सबक लेकर संशोधित तोपखाना आधुनिकीकरण योजना के तहत भारत अधिक घुड़सवार और स्वचालित बंदूकों को हासिल कर रहा है। डीआरडीओ में विकसित एटीएजीएस के लिए अनुबंध किया जाना है, जिसकी अधिकतम मारक क्षमता 48 किलोमीटर है। इसी तरह सेना ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की अधिक रेजिमेंटों को शामिल करने की योजना बना रही है, जिनकी मारक क्षमता 290 किलोमीटर से बढ़ाकर 450 किलोमीटर कर दिया गया है। ब्रह्मोस का 800 किलोमीटर वाला संस्करण भी विकसित किया जा रहा है। सेना के लिए 150 से 500 किलोमीटर की दूरी तक मारक क्षमता वाली परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल 'प्रलय' के शुरूआती 100 ऑर्डर को अंतिम रूप दिया जा चुका है, जो जल्द ही सेना को मिल सकती हैं। इसके अलावा आर्टिलरी रेजिमेंटों को बंदूकों, मिसाइलों और रॉकेटों की आवश्यकता है। नतीजतन, सेना जल्द ही स्वदेशी पिनाका मल्टी-लॉन्च आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम की कम से कम छह और रेजिमेंटों को धीरे-धीरे शामिल करना शुरू कर देगी। स्वदेशी पिनाका मल्टी-लॉन्च आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम की चार रेजिमेंट को एलएसी पर तैनात किया गया है। पिनाका रॉकेट की स्ट्राइक रेंज को भी मूल 38 किमी. से 75 किमी. तक बढ़ा दिया गया है। डीआरडीओ अब इनकी मारक क्षमता को 120 से 300 किमी. तक बढ़ाने की भी संभावना तलाश रहा है। इसके अलावा आपातकालीन खरीद के तहत स्ट्राइक लोइटरिंग मूनिशन की भी खरीद प्रक्रिया शुरू की गई है। तोपखाना इकाइयों के चल रहे पुनर्गठन में सामरिक दूर से संचालित विमान, लोइटर हथियार सिस्टम, झुंड ड्रोन, नवीनतम हथियार-पता लगाने वाले रडार शामिल होंगे।

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	30%
नहीं	50%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	60,355
चांदी	69,700
सेंसेक्स	65,280
निफ्टी	19,332

संसद के पांच दिवसीय सत्र की शुरूआत सोमवार से

नई दिल्ली, एजेसी

संसद के पांच दिवसीय सत्र की शुरूआत सोमवार से होगी। नये सत्र के शुरू होने से पहले इस बात को लेकर चर्चा जोरों पर है कि क्या सरकार इस दौरान कुछ चौंकाने वाली चीजें पेश करेगी। सत्र में संसद के 75 साल के सफर पर चर्चा और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति समेत चार विधेयकों पर विचार किया जाना प्रस्तावित है। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने रविवार सुबह नये संसद भवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस घटनाक्रम को सत्र के दौरान संसद के नये भवन में स्थानांतरित होने के पूर्व संकेत के रूप में देखा जा रहा है। सत्र से पहले सदन में विभिन्न दलों के नेताओं को प्रस्तावित कामकाज की जानकारी देने और उनसे विचार-विमर्श करने के लिए सरकार ने रविवार शाम सर्वदलीय बैठक भी बुलाई है। सोमवार से शुरू हो रहे सत्र को बुलाए जाने के असामान्य समय ने सभी को हैरत में डाला है। हालांकि, सत्र के लिए सूचीबद्ध एजेंडे का एक मुख्य विषय संविधान सभा से शुरू हुई संसद की 75 वर्ष की यात्रा पर विशेष चर्चा है। सरकार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के प्रावधानों वाले विधेयक को भी सत्र में चर्चा एवं पारित कराने के लिए सूचीबद्ध किया है। यह विधेयक पिछले मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में पेश किया गया था। सरकार को संसद में कुछ नये कानून या अन्य विषय पेश करने का विशेषाधिकार प्राप्त है, जो जरूरी नहीं है कि सूचीबद्ध एजेंडे का हिस्सा हो। किसी संभावित नये कानून पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन लोकसभा और राज्य विधानसभाओं जैसी निर्वाचित विधायिकाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने वाले विधेयक के बारे में चर्चा जोरों पर है। सत्र को लेकर लगाए जा रहे कयास के बीच संसद को नये भवन में स्थानांतरित किए जाने की प्रबल संभावना है, जिसका उद्घाटन 28 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। संसद के विभिन्न विभागों के कर्मचारी भी नई वर्दी में दिखाई पड़ सकते हैं। भारत की अध्यक्षता में राष्ट्रीय राजधानी में जी20 शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन ने मोदी की लोकप्रियता को और बढ़ा दिया है और सत्र में चर्चा के दौरान सत्ता पक्ष द्वारा इस तथ्य की तरफ प्रमुखता से ध्यान आकर्षित किया जा सकता है। संसद के कर्मचारियों के एक वर्ग के लिए फूल की आकृति वाले नये ड्रेस कोड ने पहले ही एक राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। कांग्रेस ने इसे सत्तारूढ़ पार्टी के चुनाव चिह्न कमल के फूल को प्रचारित करने की एक सस्ती रणनीति करार दिया है। सत्र की घोषणा करते हुए संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इसे विशेष सत्र बताया था, लेकिन सरकार ने बाद में स्पष्ट कर दिया था कि यह एक नियमित सत्र यानी मौजूदा लोकसभा का 13वां और राज्यसभा का 261वां सत्र है। आमतौर पर हर साल संसद का बजट, मानसून और शीतकालीन सत्र आयोजित किया जाता है। मानसून सत्र जुलाई-अगस्त में आयोजित किया गया था, जबकि शीतकालीन सत्र नवंबर-दिसंबर में होने वाला है। बजट सत्र हर वर्ष जनवरी के अंत से शुरू होता है। दो सत्र के बीच छह महीने से ज्यादा का अंतर नहीं हो सकता। फिलहाल, सरकार ने सत्र के पहले दिन संविधान सभा से लेकर संसद बनने की 75 साल की यात्रा पर विशेष चर्चा की योजना बनाई है। सत्र के दौरान संविधान सभा से शुरू होने वाली 75 वर्ष की संसदीय यात्रा-उपलब्धियां, अनुभव, यादें और सीख पर चर्चा के अलावा, लोकसभा के लिए अन्य सूचीबद्ध कार्यों में अधिवक्ता (संशोधन) विधेयक 2023, प्रेस और पत्र-पत्रिका पंजीकरण विधेयक 2023 शामिल हैं, जो तीन अगस्त 2023 को राज्यसभा में पहले ही पारित हो चुका है। एक आधिकारिक बुलेटिन के अनुसार, डाकघर विधेयक 2023 को भी लोकसभा की कार्यवाही में सूचीबद्ध किया गया है। यह विधेयक 10 अगस्त 2023 को राज्यसभा में पेश किया गया था। कार्य सूची अस्थाई है और इसमें अधिक विषय जोड़े जा सकते हैं। जोशी ने 31 अगस्त को 18 सितंबर से शुरू हो रहे संसद के पांच दिन के विशेष सत्र की घोषणा करते हुए इसके लिए कोई विशिष्ट एजेंडा नहीं बताया था। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया था, अमृत काल के बीच संसद में सार्थक चर्चा और बहस की उम्मीद है। एक्स पर संसद के विशेष सत्र के एजेंडे को साझा करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा था, जो एजेंडा सामने आया है, उसमें कुछ भी नहीं है। इन सबके लिए नवंबर में शीतकालीन सत्र तक प्रतीक्षा की जा सकती है। रमेश ने कहा था, मुझे यकीन है कि विधायी हथगोले हमेशा की तरह आखिरी क्षण में फूटने के लिए तैयार हैं। परदे के पीछे कुछ और है।

एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के विस्तार का उद्घाटन, प्रधानमंत्री ने किया मेट्रो से सफर

नई दिल्ली, एजेसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को दिल्ली मेट्रो में सफर किया और दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन पर द्वारका सेक्टर-21 से सेक्टर-25 स्थित नये मेट्रो स्टेशन यशोभूमि तक के विस्तार का उद्घाटन किया। अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, प्रधानमंत्री धौलाकुआं मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो में सवार हुए और यशोभूमि मेट्रो स्टेशन तक की यात्रा की। इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री को यात्रियों से संवाद करते भी देखा गया। कुछ यात्री प्रधानमंत्री के साथ सेल्फी लेते भी नजर आए। इस दौरान एक युवती ने प्रधानमंत्री को संस्कृत में जन्मदिन की बधाई दी। आज प्रधानमंत्री का जन्मदिन भी है। एयरपोर्ट मेट्रो विस्तार के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री ने मेट्रो कर्मचारियों से भी संवाद किया। नये मेट्रो स्टेशन यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 के उद्घाटन के साथ यशोभूमि दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन से भी जुड़ गया। नये मेट्रो स्टेशन में तीन सब-वे होंगे। स्टेशन को प्रदर्शनी हॉल, कन्वेंशन सेंटर और सेंट्रल एरिना से जोड़ने वाला 735 मीटर लंबा सब-वे और द्वारका एक्सप्रेसवे में प्रवेश व निकास को जोड़ने वाला दूसरा सब-वे होगा, जबकि तीसरा सब-वे मेट्रो स्टेशन को ह्ययशोभूमिह्व के भविष्य के प्रदर्शनी हॉल के फोयर से जोड़ता है। दिल्ली मेट्रो एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर मेट्रो ट्रेन की प्रचालन गति को भी 90 से बढ़ाकर 120 किमी प्रति घंटा करेगी, जिससे यात्रा का समय कम हो जाएगा। नई दिल्ली से यशोभूमि द्वारका सेक्टर 25 तक की कुल यात्रा में लगभग 21 मिनट लगेंगे। प्रधानमंत्री ने बाद में इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर के पहले चरण को राष्ट्र को समर्पित किया। इस केंद्र का नाम यशोभूमि रखा गया है

संक्षिप्त खबरें

भारत खुद को कांफ्रेंस टूरिज्म के लिए तैयार कर रहा: मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वोकल फॉर लोकल यानी स्थानीय उत्पादों पर जोर देने की जोरदार वकालत करते हुए रविवार को सम्मेलन आधारित पर्यटन (कांफ्रेंस टूरिज्म) के महत्व को रेखांकित किया और कहा कि भारत मंडपम और यशोभूमि भारत के आतिथ्य, श्रेष्ठता और उसकी भव्यता के प्रतीक बनेंगे, क्योंकि दोनों में ही भारतीय संस्कृति और अत्याधुनिक सुविधाओं का संगम है। प्रधानमंत्री ने इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर के पहले चरण को राष्ट्र को समर्पित करने और पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरुआत करने के बाद यह बात कही। एक्सपो केंद्र का नाम यशोभूमि रखा गया है। भारत मंडपम में हाल ही में जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन किया गया था। मोदी ने कहा, बदलते हुए समय के साथ विकास और रोजगार के नये-नये क्षेत्र भी बनते हैं। आज से 50-60 साल पहले इतनी बड़ी प्रौद्योगिकी उद्योग के बारे में कोई सोच भी नहीं सकता था।

'पीएम विश्वकर्मा' योजना एक चुनावी जुमला : कांग्रेस

हैदराबाद, एजेसी

कांग्रेस ने केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई पीएम विश्वकर्मा योजना को चुनावी जुमला करार देते हुए रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनावों को देखते हुए ऐसे कदम उठा रहे हैं, लेकिन जातिगत जनगणना पर कुछ नहीं बोल रहे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि जनता दोबारा बेवकूफ नहीं बनेगी और प्रधानमंत्री की रिटायरमेंट का समय आ गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर पीएम विश्वकर्मा योजना की शुरूआत की। इससे पहले उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर यशोभूमि के पहले चरण को राष्ट्र को समर्पित किया और दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन पर द्वारका सेक्टर 21 से सेक्टर 25 तक के विस्तार का भी उद्घाटन किया। पीएम विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य न केवल देशभर के ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्रों के कारीगरों और शिल्पकारों को आर्थिक रूप से समर्थन देना है, बल्कि स्थानीय उत्पादों, कला और शिल्प के माध्यम से सदियों पुरानी परंपरा, संस्कृति तथा विविध विरासत को जीवित और समृद्ध रखना भी है। पीएम विश्वकर्मा योजना में 18 पारंपरिक शिल्पक-कलाओं को शामिल किया गया है। रमेश ने एक्स पर पोस्ट किया, नोटबंदी, गलत जीएसटी और उसके बाद कोविड-19 के दौरान अचानक लगाया गया लॉकडाउन भारत में सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए सबसे ज्यादा विनाशकारी रहा है। इनमें से अधिकांश छोटे व्यवसाय उन लोगों द्वारा चलाए जाते हैं जो अपने हाथों से काम करते हैं। इनमें कपड़ा, चमड़ा, धातु, एवं लकड़ी आदि के काम शामिल हैं। उन्होंने कहा, मोदी सरकार की नीतियों से प्रभावित बहुत से लोगों ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी से मुलाकात की थी। राहुल गांधी यात्रा के बाद भी उनसे जुड़े रहे हैं। वह उनकी पीड़ा और परेशानियों को लगातार सुन रहे हैं। कांग्रेस नेता ने दावा किया, प्रधानमंत्री ने उन सभी की आजीविका को तहस-नहस कर दिया है। उनको बर्बाद करने के बाद प्रधानमंत्री को काफी देर के बाद उनकी नाराजगी का पता चला है। उनके असंतोष को देखकर वह विश्वकर्मा योजना के रूप में एक और चुनावी जुमला पेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, वह जातिगत जनगणना के मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रहे हैं। न ही वह अपने करीबी मित्र अडानी के मुंबई स्थित धारावी की एक अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था के पूर्ण और संपूर्ण अधिग्रहण पर ब्रेक लगाएंगे – यहां के लोग भारत के हर कोने से हैं। जनता दोबारा मूर्ख नहीं बनेगी। यह प्रधानमंत्री की रिटायरमेंट का समय है।

वोट बैंक की राजनीति के कारण तेलंगाना मुक्ति दिवस मनाने से झिझकते हैं दल : अमित शाह

हैदराबाद, एजेसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद भी राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के कारण तेलंगाना मुक्ति दिवस मनाने से झिझकते हैं। शाह ने 17 सितंबर 1978 को पूर्ववर्ती निजाम शासन से क्षेत्र की आजादी और हैदराबाद राज्य के भारतीय संघ में विलय की याद में हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने के लिए आयोजित केंद्र के आधिकारिक कार्यक्रम में यह टिप्पणी की। गृह मंत्री ने कहा कि वोट बैंक की राजनीति के कारण राजनीतिक दल मुक्ति दिवस मनाने से झिझकते हैं, जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि देश के लोग उन लोगों से मुंह मोड़ लेंगे, जो अपने देश के इतिहास से मुंह मोड़ते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले 75 साल में किसी सरकार ने ऐतिहासिक हैदराबाद मुक्ति दिवस नहीं मनाया। शाह ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति के कारण पूर्ववर्ती सरकारें हमेशा डरती रहीं और उन्होंने इसे नहीं मनाया, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हैदराबाद मुक्ति दिवस मनाने का फैसला किया। गृह मंत्री ने हैदराबाद की मुक्ति का श्रेय देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को दिया और कहा कि उनके प्रयासों के कारण निजाम के रजाकारों (निजाम शासन के सशस्त्र समर्थकों) ने आत्मसमर्पण कर दिया। केंद्रीय पर्यटन मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष जी किशन रेड्डी ने भी इस कार्यक्रम में लोगों को संबोधित किया। निजाम शासन के अधीन रहे हैदराबाद को ऑपरेशन पोलो नामक एक पुलिस अभियान के बाद भारतीय संघ में मिला लिया गया था। ऑपरेशन पोलो 17 सितंबर, 1948 को समाप्त हुआ था।

आराम से बैठने का समय नहीं, दिन-रात करनी होगी मेहनत : खड़गे

हैदराबाद, एजेसी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को कहा कि यह समय हमारे लिए आराम से बैठने का नहीं बल्कि दिन-रात मेहनत करने का है। कांग्रेस को जनता के बीच रहना है। उनकी समस्याओं को सुनना है और निदान के लिए सतत सक्रिय रहना है। खड़गे ने रविवार को हैदराबाद में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस बैठक के संदेश का देश इंतजार कर रहा है। आज का हमारा मुद्दा राज्यों के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी है। भविष्य की चुनौतियों से हम लोग अवगत हैं। ये चुनौतियां असल में भारतीय लोकतंत्र की चुनौतियां हैं। देश के संविधान को बचाने की चुनौती है। एससी/एसटी/ओबीसी महिलाओं, गरीबों, अल्पसंख्यकों के अधिकारों को बचाने की चुनौती है। खड़गे ने कहा कि कांग्रेस के अपने 138 वर्षों के गौरवशाली इतिहास में एक से एक बड़ी चुनौतियों पर विजय हासिल की। अगले 2-3 महीनों में 5 राज्यों के चुनाव तय हैं। लोकसभा चुनाव महज 6 महीने दूर है। जम्मू-कश्मीर में भी विधानसभा चुनाव हो सकते हैं, हमें ये भी ध्यान रखना होगा। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में हमारी राज्य सरकारों ने सामाजिक न्याय का नया मॉडल बनाया है। इसके बारे में हमें पूरे देश को बताना है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा कि पार्टी ने चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। पिछले 2 महीनों में 20 राज्यों के पदाधिकारियों और प्रमुख नेताओं के साथ विस्तार से बैठक कर वहां की रणनीति बनाई है। हमें वोटर के साथ लगातार संपर्क में रहना है। उनके सवालों का जवाब देना है। विरोधियों द्वारा फैलाई जा रही झूठी बातों की हमें तुरंत काट करनी है। मुद्दों और तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखनी है

चुनावों विधानसभा चुनावों की रणनीति पर चर्चा.....

कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की बैठक में लोकसभा

हैदराबाद,, एजेसी

कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने लगातार दूसरे दिन रविवार को पार्टी की कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में अगले लोकसभा और तेलंगाना समेत पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों की रणनीति, संगठन को मजबूत बनाने तथा कुछ अन्य विषयों पर चर्चा की। पार्टी की पुनर्गठित कार्य समिति की पहली बैठक शनिवार को हुई थी और रविवार को विस्तारित कार्य समिति की बैठक हो रही है। विस्तारित कार्य समिति में कार्य समिति के सदस्यों, विशेष आमंत्रित सदस्यों, स्थाई आमंत्रित सदस्यों के अलावा पार्टी की प्रदेश इकाइयों के अध्यक्ष, विधायक दल के नेता, संसदीय दल के पदाधिकारी तथा केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य शामिल होते हैं। विस्तारित कार्य समिति की रविवार की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, कांग्रेस की प्रदेश इकाइयों के अध्यक्ष तथा पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता हिस्सा ले रहे हैं। इससे पहले, शनिवार को हुई कार्य समिति की बैठक में कांग्रेस ने विपक्षी गठबंधन ह्यइंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंसह्व (इंडिया) की पहल को वैचारिक एवं चुनावी सफलता दिलाने का संकल्प लिया था। पार्टी ने कहा था कि वह यह सुनिश्चित करना चाहती है कि देश विभाजनकारी और ध्रुवीकरण की राजनीति से मुक्त हो तथा लोगों को एक पारदर्शी, जवाबदेह एवं जिम्मेदार केंद्र सरकार मिले। पार्टी ने सर्वोच्च नीति निर्धारण इकाई कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में इंडिया गठबंधन के पक्ष में प्रस्ताव पारित करने के साथ ही केंद्र सरकार से आग्रह किया था कि 18 सितंबर से आरंभ हो रहे संसद के पांच दिवसीय विशेष सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पारित किया जाए। कार्य समिति में पारित प्रस्ताव में जातिगत जनगणना की मांग भी उठाई गई है और कहा गया है कि अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए आरक्षण की मौजूदा अधिकतम सीमा बढ़ाई जाए। हैदराबाद के एक पंच सितारा होटल में शनिवार को सीडब्ल्यूसी की कई घंटे तक हुई बैठक के बाद 14 सूत्री प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें महंगाई, बेरोजगारी, अर्थव्यवस्था की स्थिति, किसानों की समस्याओं, चीन के साथ सीमा विवाद, अडाणी समूह से जुड़े मामले तथा कई अन्य मुद्दों का उल्लेख किया गया। इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने मणिपुर हिंसा, हरियाणा और कुछ अन्य राज्यों में सांप्रदायिक तनाव की हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए आरोप लगाया था कि देश गंभीर आंतरिक चुनौतियों से घिरा हुआ है और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आग में घी डालने का काम कर रही है। कांग्रेस की विस्तारित कार्य समिति की रविवार की बैठक के बाद शाम के समय में हैदराबाद के पास एक जनसभा आयोजित की जाएगी, जिसे खरगे, सोनिया, राहुल और कई अन्य नेता संबोधित कर सकते हैं। कांग्रेस ने 20 अगस्त को अपनी कार्य समिति का पुनर्गठन किया था, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और राहुल गांधी समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं। कार्य समिति में 39 सदस्य, 32 स्थायी आमंत्रित सदस्य और 13 विशेष आमंत्रित सदस्य शामिल किए गए हैं। इस कार्य समिति में सचिन पायलट और शशि थरूर जैसे नेताओं को पहली बार जगह मिली है।

संक्षिप्त समाचार

युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अतिक्रमण हटाने की मांग की

हरिद्वार, एजेंसी। महानगर युवा इंटक के कार्यकर्ताओं ने महानगर अध्यक्ष मोनिक धवन के नेतृत्व में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा और शहर में लग रहे जाम के बारे मे अवगत कराया। कार्यकर्ताओ ने कहा कि शहर से अतिक्रमण नहीं हटाये जाने के चलते आए दिन जाम लग रहा है। महानगर अध्यक्ष मोनिक धवन ने कहा कि हरिद्वार में भीड़भाड़ वाला चौराहा और मुख्य चौराहे पर ठेले खोमचों से जाम लग रहा है। उन्होंने प्रत्येक वीकेंड पर शहर के पैक होने की समस्या और गली कूचों में लगने वाले जाम से आम नागरिक को त्रस्त बताया। कहा कि यदि अतिक्रमण की जड़ चौक और चौराहों पर फास्ट फूड और चाट आदि के ठेले कहीं व्यवस्थित कर दिए जाएं तो जाम की समस्या कुछ हद तक दूर हो सकती है। ज्ञापन सौंपने वालों में वीरेंद्र भारद्वाज, जगदीश, एडवोकेट मंजू रानी, अशोक पाठक, पूजा अरोरा, एडवोकेट लक्ष्मी मिश्रा, राव फरमान, फैयाज अली, नितीन तेश्वर, आकाश, अरमान, महेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

रात में बारिश दिन में हवा चलने से धान की फसल गिरी

पथरी, एजेंसी। शुक्रवार को बारिश के साथ तेज हवा से खेतों में धान की फसल गिर गई है। इससे फसल का दाना खराब होने अंदेशा बना हुआ है। पिछले माह बाढ़ के पानी से खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई थीं। किसानों ने अगेती किस्म के धान की फसल लगाई जब वह पकने को तैयार होने लगी तो हवा के झोंके और बारिश के चलते नुकसान हो गया। क्षेत्र के शाहपुर, बादशाहपुर, शेरपुर, भट्टीपुर, भोवापुर, नसीरपुर कलां, धारीवाला, हरसीवाला, टिकौला, रानीमाजरा, चांदपुर, शिवगढ़, फूलगढ़, गोविंदगढ़, दुर्गागढ़, पदार्था, धनपुरा, नई कुंडी, घिस्सूपुरा आदि क्षेत्र में बारिश के साथ तेज हवा से खेतों में धान की फसल भूमि पर गिर गई है। किसान सुशील कुमार, राधेलाल, सुरवीर, सोनू कुमार, सुनील धीमान, शकील अहमद आदि का कहना है कि पिछले माह बाढ़ के पानी से खेतों में फसलें बर्बाद हो गई थीं। अभी तक उसका मुआवजा नहीं मिला है। इधर धान की फसल के नुकसान से उन्हें इस वर्ष आर्थिक तौर पर भी परेशानी उठानी पड़ेगी।

पीएम विश्वकर्मा सम्मान योजना का नाम परिवर्तित करने की मांग

पथरी, एजेंसी। अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष पुष्पराज धीमान ने पीएम को पत्र लिखकर भेजा है। इसमें उन्होंने पीएम विश्वकर्मा सम्मान योजना के नाम में संशोधन करने की मांग की है। पत्र में अवगत कराया है कि विश्वकर्मा के पांच पुत्र थे, जो आज अपने नाम के सामने उन सभी नामों का उल्लेख कर रहे हैं। इससे उनकी समाज में पहचान बनी हुई है। इस योजना में आधा दर्जन से भी अधिक अन्य जातियों को जोड़ दिया गया है। इससे विश्वकर्मा समाज को सम्मान नहीं, बल्कि उसकी पहचान समाप्त होने के रूप में देखा जा रहा है। योजना का नाम शिल्पकार सम्मान रखा जाना चाहिए। पुष्पराज धीमान का कहना है कि यदि विश्वकर्मा समाज को सम्मान देना है तो किसी राष्ट्रीय राजमार्ग को विश्वकर्मा मार्ग अथवा किसी ट्रेन को विश्वकर्मा ट्रेन का नाम देकर भी समाज को सम्मान दिया जा सकता है।

रामलीला मंचन को लेकर गांव-गांव चल रही तैयारी

पथरी, एजेंसी। क्षेत्र में कई स्थानों पर रामलीला के मंचन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। हरिद्वार लक्सर राष्ट्रीय मार्ग पर पड़ने वाले गांव बादशाहपुर में पिछले 80 साल से रामलीला का मंचन होता आ रहा है। गांव बादशाहपुर में रामलीला के मंचन को लेकर कमेटी के पदाधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी है। रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों की बैठक में मंचन को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इसमें सभी के दायित्व भी बांटे गए। 10 अक्टूबर से शुरू होने वाले रामलीला मंचन में इस बार उत्तर प्रदेश के जिला सहारनपुर से कलाकार बुलाए गए हैं। बैठक में बादशाहपुर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष मदन सिंह, सुनील धीमान, सुशील चौहान, जगदीश राठौर, विनोद सैनी, अजीत चौहान आदि पदाधिकारी शामिल रहे है। इसके अलावा क्षेत्र में मिस्सरपुर, जियापोता, बहादरपुर जट, शाहपुर, शिवगढ़ आदि स्थानों पर रामलीला के मंचन को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है।

महिला ने दूसरे पति पर लगाया बेटी से छेड़खानी का आरोप

रूड़की, एजेंसी। एक महिला ने अपने दूसरे पति पर नाबालिग बेटी से छेड़खानी करने का आरोप लगाया है। महिला ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र निवासी महिला ने पुलिस को बताया कि कुछ साल पहले उसका मंगलौर निवासी पहले पति से तलाक हो गया था। पहले पति से उसे एक बेटी और बेटा है। इस बीच महिला ने रुड़की निवासी एक व्यक्ति से भी कुछ साल पहले शादी की थी। उसके पहली पत्नी से सात बच्चे हैं। आरोप है कि कुछ दिन पहले दूसरे पति ने उसकी नाबालिग बेटी के साथ छेड़खानी कर दी। विरोध करने पर बेटी और उसके साथ मारपीट की गई। साथ ही घर से बाहर निकाल दिया। आरोप है कि अब वो जान से मारने की धमकी दे रहा है। महिला ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी मनोज मैनवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच कराई जा रही है।

युवती की स्कूटी में बाइक सवार ने मारी टक्कर

रूड़की, एजेंसी। स्कूटी से जा रही एक युवती को बाइक सवार ने टक्कर मार दी। विरोध करने पर युवक ने अभद्रता कर दी जिससे मौके पर हंगामा हो गया। शोर मचाने पर युवक मौके से बाइक लेकर फरार हो गए। युवती ने पुलिस को तहरीर दी है। रुड़की के गणेशपुर निवासी एक युवती बृहस्पतिवार सुबह किसी काम से नगर निगम के पास आई थी। यहां से वह स्कूटी से घर जा रही थी। इस बीच बाइक सवार युवक ने पीछे आकर साइड मार दी। इससे युवती सड़क पर गिरने से बाल-बाल बच गई। युवती ने विरोध किया तो युवक ने अभद्रता कर दी। युवती ने हंगामा करते हुए शोर मचा दिया। लोगों को आता देख युवक मौके से बाइक लेकर फरार हो गया।

काशीपुर में आरओबी चार साल में भी नहीं बन पाया, अब आया नया अपडेट

काशीपुर, एजेंसी।
बाजपुर रोड पर आरओबी निर्माण कार्य की राह में आ रहे रोड़े कम होने के नाम नहीं ले रहे हैं। अब बीते दिनों रेलवे क्रॉसिंग पर बने स्ट्रक्चर से गार्डर हटाने के दौरान हाइड्रा के पलटने से रेलवे की विद्युत लाइन टूटने से निर्माण कार्य में देरी हो रही है। करीब तीन महीने से क्रॉसिंग के ऊपर के हिस्से का निर्माण रेलवे विभाग की तकनीकी टीम का निरीक्षण नहीं होने से रुका था। 30 अगस्त को पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर से आई टीम ने ब्रिज के वेल्डिंग स्ट्रक्चर का निरीक्षण कर रिपोर्ट अनुसंधान अभिकल्प एवं मानक संगठन (आरडीएसओ) को भेजी है। टीम ने उम्मीद जताई थी कि अक्तूबर तक आरओबी पर यातायात शुरू हो सकता है। इसी बीच 13 सितंबर को रेलवे क्रॉसिंग के ऊपर बने स्ट्रक्चर के गार्डर को हटाने के दौरान हाइड्रा पलट गया और इससे रेलवे की विद्युत लाइन टूट गई। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ठेकेदार बिना अनुमति के गार्डर हटा रहा था। उन्होंने मामले में आरपीएफ में केस

भी दर्ज कराया। आरओबी निर्माण के चलते लगभग साढ़े पांच साल से रोडवेज डिपो में बसों का आना-जाना प्रभावित हो गया है। डिपो के स्टेशन प्रभारी हरेंद्र नितवाल ने बताया आरओबी निर्माण से पहले डिपो में विभिन्न डिपो की 80-90 बस आती थीं, जो अब घट कर 10-15 ही रह गई हैं। इसके चलते डिपो की आय पर भी असर पड़ रहा है। डायवर्ट रूट होने के कारण लोग निजी बस या डग्गामार वाहनों से अपने गंतव्य को आ-जा रहे हैं। बाजपुर रोड पर लगभग 56 करोड़ की लागत से नवंबर 2017 में आरओबी निर्माण कार्य शुरू हुआ था। इसे नवंबर 2019 तक पूरा होना था लेकिन कार्यदायी कंपनी की लेटलतीफी से कम कछुआ गति से चलता रहा। इस कारण दो साल में पूरा नहीं हो पाया। मार्च 2020 से 2021 तक कोरोना काल का रहा। इस दौरान मजदूरों के घर चले जाने से काम बंद हो गया। इसके बाद कार्यदायी कंपनी ने वर्ष 2022 में दो बार तारीख देकर काम पूरा करने का भरोसा दिया, लेकिन काम पूरा नहीं हुआ। फरवरी 2023 में ठेकेदार कंपनी ने 105 दिन का समय मांगा।

गुड़ बनाने वाले कोल्हू के लिए सरकार की नई नीति, यह लाभ मिलने जा रहा

रुद्रपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की तर्ज पर गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग उत्तराखंड ने भी राज्य में खांडसारी लाइसेंसिंग नीति लागू कर दी है। गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग की ओर से लंबे समय से शासन से खांडसारी लाइसेंसिंग नीति लागू करने की मांग की जा रही थी। नीति लागू होने के बाद पहले चरण में विभाग को ऊधम सिंह नगर, देहरादून और हरिद्वार जिलों में कोल्हू के लाइसेंस के लिए 60 आवेदन प्राप्त हुए थे, इनमें से 57 लाइसेंस जारी कर दिए गए हैं। संवाद

कोल्हू का लाइसेंस प्राप्त करने के बाद कोल्हू संचालकों को एमएसएमई (सूक्ष्य लघु व मध्यम उद्यम) के तहत लाभ दिए जाएंगे। पांच करोड़ रुपये से कम सालाना टर्न ओवर वाले कोल्हू संचालकों को सब्सिडी का लाभ भी मिलेगा।

तिनका तिनका कर दशकों में जोड़े आशियाने खुद किए जमींदोज

नैनीताल, एजेंसी।
बीडी पांडे अस्पताल की भूमि पर अतिक्रमण की जद में आए घरों को लोगों ने खुद ही खंडहर बना दिया। लोग तिनका तिनका कर दशकों में जोड़े आशियाने खुद जमींदोज कर रहे हैं। शनिवार को जिला प्रशासन की ओर से दी गई दो दिन की समयावधि समाप्त होने के बाद भी प्रशासन की ओर से ध्वस्तीकरण नहीं किया गया। प्रशासन की ओर से पूर्व में चिह्नित किए गए छह और अतिक्रमण को सूची में शामिल कर लिया गया है। अब कुल आवासों की संख्या 42 हो गई है। हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद जिला प्रशासन की ओर से बीडी पांडे अस्पताल की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। दो दिन तक प्रभावितों को खुद अतिक्रमण हटाने की मोहलत देते हुए शनिवार को प्रशासन की ओर से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जानी थी। लेकिन स्वयं लोगों की पहल देख प्रशासन और पुलिस टीम अतिक्रमण तोड़ने नहीं पहुंची। सुबह एसडीएम प्रमोद कुमार ने कुछ कर्मियों के साथ निरीक्षण किया। दिन भर यहां कोई भी प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस कर्मी नजर नहीं आया। एसडीएम ने बताया कि लोकसभा चुनाव को लेकर हुए कार्यक्रम के चलते अधिकांश अधिकारी व्यस्त रहे। लेकिन मौके की अपडेट ली जा रही थी। चिह्नीकरण में कई भवनों का आधा हिस्सा ध्वस्त हो चुका है। दो दिन से प्रभावित स्वयं अतिक्रमण तोड़ रहे हैं।

विज्ञान प्रदर्शनी में बाल वैज्ञानिकों ने दिखाई प्रतिभा

रानीखेत (अल्मोड़ा), एजेंसी।
ताड़ीखेत के जीआईसी जैना में विद्यालय स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में 12 वीं कक्षा के पंकज बेलवाल के मॉडल को प्रथम, 11 वीं के योगेश बिष्ट के मॉडल को द्वितीय और 12 वीं कक्षा के करन डोर्बी के मॉडल को तृतीय स्थान मिला।

शुक्रवार को विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं दूरसंचार, जल संरक्षण, विज्ञान एवं टेक्नॉलॉजी, प्रकाश संश्लेषण, मानव शरीर के विभिन्न अंगतंत्र, श्री अन्न, कबाड़ से जुगाड़ विषयों पर मॉडल तैयार कर प्रदर्शनी लगाई। संयुक्त मजिस्ट्रेट जय किशन ने मॉडल का अवलोकन करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच पैदा होती है।

प्रदर्शनी के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। यहां बीईओ एसएस चौहान, प्रधानाचार्य कुलवंत सिंह, प्रवक्ता चारू चंद्र पांडे, राजकीय शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष शिवराज बिष्ट, प्रधानाचार्य लोधियाखान प्रवीण तिवारी, विज्ञान समन्वयक डॉ. बलवंत सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

अल्मोड़ा में महिला कांग्रेस का धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

अल्मोड़ा/रानीखेत, एजेंसी।
जिला मुख्यालय पर महिला कांग्रेस का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान महिला कार्यकर्ताओं ने ध्वजारोहण कर महिलाओं से संगठन से जुड़ने की अपील की। शुक्रवार को स्थापना दिवस पर महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट ने पार्टी का ध्वज फहराया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के कल्याण की पक्षधर रही है। यहां संगठन की प्रदेश सचिव लता तिवारी, प्रदेश सचिव रजनी टम्टा, जिला महामंत्री लीला जोशी, तारा तिवारी, पुष्पा पाण्डेय, धीरा तिवारी, किरण आर्या, राधा तिवारी, कमला पाण्डेय आदि मौजूद रहीं। वहीं रानीखेत में कांग्रेस की महिला जिलाध्यक्ष गीता पवार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने उज्जवल भारत की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन नगर अध्यक्ष नेहा साह मेहरा ने किया। यहां नगर उपाध्यक्ष बसंती डोरियाल, ब्लॉक अध्यक्ष गीता सजवाण, गीता माहरा, हिमानी माहरा, दीप बिष्ट आदि मौजूद रहीं।

बिजरानी व गर्जिया जोन 15 अक्तूबर से खुलेगा

रामनगर, एजेंसी।
कॉर्बेट के बिजरानी व गर्जिया जोन 15 अक्तूबर से खुल जाएंगे। वहीं कॉर्बेट पार्क में अतिवृष्टि से पर्यटन मार्ग बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए है और अभी बारिश का दौर चल रहा है। फिलहाल कॉर्बेट में पर्यटन मार्गों को सही करने का काम चल रहा है।

हर साल मानसून को देखते हुए 15 जून को कॉर्बेट में पर्यटन गतिविधियां बंद कर दी जाती हैं। ढेला और झिरना जोन को सालभर खोला जाता है। पार्क अधिकारियों के अनुसार ढेला, झिरना, बिजरानी, गर्जिया, पाखरो, दुर्गा देवी आदि जोन में पर्यटक भ्रमण करते हैं। ढिकाला, बिजरानी, ढेला आदि जोन में डे विजिट के साथ ही रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी की जाती है। कॉर्बेट निदेशक डॉ. धीरज पांडेय ने बताया कि बिजरानी जोन 15 अक्तूबर से खुल जाएगा। बारिश से सफारी वाले मार्ग क्षतिग्रस्त हो गए हैं। ऐसे में नया पर्यटन सीजन शुरू होने से पहले मार्गों की मरम्मत आदि कराई जा रही है। पार्क के अंदर अतिवृष्टि से सड़कें बह गई है, ऐसे में मार्ग को सही करने में समय लग रहा है। संवाद

प्रशिक्षण प्राप्त महिला जिप्सी चालकों को कॉर्बेट अब तक जिप्सी उपलब्ध नहीं करा पाया है। इस संबंध में महिला जिप्सी चालकों ने कॉर्बेट निदेशक से वार्ता की। कॉर्बेट निदेशक ने जल्द ही जिप्सी दिलाने

का आश्वासन दिया।

शनिवार को महिला जिप्सी चालक कॉर्बेट निदेशक डॉ. धीरज पाण्डेय से मिली और नए पर्यटन सत्र में जिप्सी दिलाने की मांग की। कॉर्बेट निदेशक ने महिला जिप्सी चालकों को भरोसा दिलाया कि जल्द ही वह महिलाओं को जिप्सी दिलवाएंगे। मालूम हो कि महिलाओं द्वारा पर्यटकों को जिप्सी में घुमाने की महत्काकांक्षी योजना है। कॉर्बेट ने इसके लिए महिला जिप्सी चालकों को देहरादून में प्रशिक्षण भी दिया है। पिछले साल कॉर्बेट प्रशासन ने महिला जिप्सी चालकों से कॉर्बेट के ढेला, झिरना, बिजरानी, गर्जिया, ढिकाला जोन में एक माह तक अभ्यास के तौर पर जिप्सी चलवाई।

कॉर्बेट निदेशक डॉ. धीरज पाण्डेय ने बताया कि महिलाओं को जिप्सी दिलाने के लिए वाहनों का ट्रायल कराया गया था जिसमें मारुति की जिमनी पास हो गई है। मारुति कंपनी को जिमनी को मोडिफाइड करने और पर्यटकों के मुताबिक करने को कहा गया है। जैसे ही जिप्सी बनकर आती है, वैसे ही महिला जिप्सी चालकों को जिप्सी उपलब्ध कराई जाएगी।

ऐसा क्या हुआ कि सरकारी विभागों को पुलिस महकमे से है नाराजगी

रुद्रपुर, एजेंसी।
सरकारी विभागों से मिलने वाली शिकायतों को दर्ज करने में पुलिस लापरवाही बरत रही है। आलम यह है कि डीडीए के नाम पर व्यापारी को फर्जी नोटिस भेजने के शिकायती पत्र पर 25 दिन बाद भी केस दर्ज नहीं हो सका है। इधर सितारगंज की कैलाश नदी में अवैध खनन के मामले में खनन उपनिदेशक के पत्र पर भी पुलिस की कार्रवाई नहीं हो सकी है। इसे विभागों के बीच तालमेल की कमी माना जा रहा है। एक साल के भीतर सरकारी विभाग से जुड़े चार ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया। मेडिकल कॉलेज के निर्माणाधीन हॉस्टल से सरिया चोरी का मामला भी जांच में ही उलझ गया है।

13 सितंबर 2022 को मेडिकल कॉलेज के निर्माणाधीन छात्रावास से गैस कटर की मदद से आरसीसी पिलर से काटकर सरिया चोरी किया गया था। मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य ने सिडकुल चौकी में तहरीर दी थी। नैनीताल पुलिस भी मामले की जांच नहीं कर सकी। इसलिए मुख्यालय ने जांच एसटीएफ को सौंप दी है।

12 जून को जिला सूचना अधिकारी कार्यालय के सरकारी वाहन चालक गायब हो गया था। विभाग की ओर से पंतनगर थाने में तहरीर दी गई थी। दो दिन चक्कर लगाने के बाद मामला दर्ज नहीं किया गया था। हालांकि बाद में एक गांव में वाहन मिल गया था।

सितारगंज की कैलाश नदी में चीकाघाट पुल के पास बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया गया था। डीएम ने उपनिदेशक खनन को मौके पर भेजकर जांच कराई थी तो आरोप की पुष्टि हुई थी। खनन का वीडियो भी वायरल हुआ था। छह सितंबर को उपनिदेशक खनन ने सितारगंज कोतवाली को रजिस्ट्री से पत्र भेजकर अवैध खनन में प्रयुक्त मशीन और वाहनों की जांच संबंधी कानूनी कार्रवाई कर डीएम कार्यालय कार्यालय में आख्या देने के लिए कहा था। एसएसपी की ईमेल भेजने के बावजूद केस दर्ज नहीं हो सका।

बीते 27 जुलाई को शहर के व्यापारी को डीडीए के नाम से फर्जी नोटिस भेजा गया था। इसमें व्यापारी को दुकान के निर्माण को अवैध बताकर एक हफ्ते में प्राधिकरण कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया था। सहायक सचिव के नाम पर भेजा नोटिस लेकर व्यापारी प्राधिकरण पहुंचा तो फर्जी होने का पता चला। 19 अगस्त को प्राधिकरण सचिव ने प्रभारी निरीक्षक रुद्रपुर को फर्जी नोटिस की कॉपी के साथ पत्र भेजकर एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा था। इसके साथ ही डीएम और एसएसपी कार्यालय पर भी पत्र को रिसीव कराकर सूचना दी गई थी।

युवक पर फायरिंग के आरोप में चार गिरफ्तार

रुद्रपुर, एजेंसी।
पुलिस ने रंपुरा में एक युवक पर हुई फायरिंग के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, धर्मेंद्र ने तहरीर सौंपकर बताया था उसके भाई किशनपाल के साथ नौ सितंबर की रात रंपुरा निवासी शिवम चंद्रा और उसके साथियों विवेक गुप्ता, अरुण गुप्ता और गगन दिवाकर ने मारपीट की। इसके बाद शिवम ने पिस्टल से किशनपाल पर दो बार फायर भी झोंका। बृहस्पतिवार को पुलिस टीम ने शिवम को पिस्टल, एक कारतूस के साथ पकड़ा। उसके साथियों विवेक, अरुण और गगन को भी टाइल्स मार्केट के पास से गिरफ्तार कर लिया। चारों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। मोहल्ला जगतपुरा निवासी अनीता ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनके घर के पास मोबाइल फोन की दुकान है। आरोप है कि दुकानदार अमन प्रजापति अपने घर और अपनी दुकान का कूडा उनके घर के आगे फेंकता है। इसका विरोध करने पर वह अभद्रता करता है। इसी कारण 14 सितंबर को उसने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। पड़ोस के लोगों ने बीचबचाव किया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डीडी चौक पर शुक्रवार रात शराब के ठेके के पास स्कूटी हटाने के लिए कहने पर नशे में धुत एक युवक सीपीयू कर्मियों से भिड़ गया।
गाली गलौज करने पर सीपीयू उसे बाजार पुलिस चौकी ले गई। वहां भी वह पुलिस कर्मियों के साथ अभद्रता करता रहा। इस घटना का वीडियो भी वायरल हो गया। पुलिस ने उससे सख्ती के साथ पूछताछ की। युवक ने बताया कि उसके पिता आर्मी में हैं। देर रात उसके परिजन भी पुलिस चौकी पहुंच गए। परिजनों के माफी मांगकर उसे छोड़ने की प्रार्थना की लेकिन समाचार लिखे जाने तक युवक पुलिस की हिरासत में ही था।

घर में घुसकर परिवार पर धारदार हथियार से हमला

रूड़की, एजेंसी। एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के घर में घुसकर परिवार पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया। इसमें महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने पांच नामजद और अन्य अज्ञात पर केस दर्ज कर लिया है। गंगनहर कोतवाली क्षेत्र स्थित तेलीवाला निवासी मोहम्मद तौकीर ने पुलिस को बताया कि उनकी गांव के ही कुछ लोगों से पुरानी रंजिश चली आ रही है। आरोप है कि रविवार रात उक्त लोग हाथों में लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर घर में घुस आए। उन्होंने परिवार पर हमला बोल दिया। इसमें वह, उनकी पत्नी जैनब और भाई तोहिद घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां उनका तभी से उपचार चल रहा था। अब पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी मनीष उपाध्याय ने बताया कि तहरीर के आधार पर शमीम, सरफराज, रहीशा, शौकीन, अर्सलान निवासी मलानपुरा, मंगलौर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

दूसरे दिन भी ठप रही एक्स-रे और रक्त जांच

रानीखेत, एजेंसी।
रानीखेत उप जिला चिकित्सालय में शनिवार को दूसरे दिन भी एक्स-रे और रक्त जांच ठप रही, इससे मरीजों को मायूस लौटना पड़ा। बिजली गिरने से फुंके उपकरणों की खराबी दूर नहीं हो सकी और मरीजों को जांच के लिए अन्य अस्पतालों का रुख करना पड़ा।

दरअसल रानीखेत उप जिला चिकित्सालय में बीते बृहस्पतिवार रात बिजली गिरने से बिजली उपकरण फुंक गए थे और एक्स-रे, लैब की मशीनों में खराबी आ गई। ऐसे में एक्स-रे और रक्त जांच ठप हो गई। बीते शुक्रवार भी जांच ठप होने से मरीज को अन्य अस्पतालों की दौड़ लगानी पड़ी। दूसरे दिन शनिवार को भी खराबी को दूर नहीं किया जा सका और सभी जांच ठप रहीं। मरीज उपचार और जांच के लिए अस्पताल तो पहुंचे, लेकिन उन्हें फिर से मायूसी झेलनी पड़ी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. संदीप दीक्षित ने कहा कि तकनीशियन खराबी को दूर करने में जुटे हैं। जल्द व्यवस्था पटरी पर आ जाएगी।

शनिवार को नगर में स्थित बीएसएनएल कार्यालय के पास एक पेड़ गिरने से 11 केवीए लाइन टूट गई, इससे नगर और चिनियानौला पालिका क्षेत्र की बिजली गुल रही। यूपीसीएल की टीम ने तीन घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर 12 बजे के करीब लाइन ठीक कर बिजली आपूर्ति बहाल की। मुख्य बाजार की आपूर्ति तो सुचारू हुई, लेकिन देर शाम तक इससे सटे क्षेत्रों में आपूर्ति ठप रही। यूपीसीएल के अवर अभियंता महिपाल सिंह रौतेला ने बताया कि बारिश के कारण लाइन ठीक करने में दिक्कत आई।

प्लॉटिंग में साझेदारी के नाम पर एक करोड़ की धोखाधड़ी

रूड़की, एजेंसी। प्रॉपर्टी डीलर पर कुछ लोगों ने प्लॉटिंग में साझेदारी का झांसा देकर एक करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। साथ ही पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। सिविल लाइंस क्षेत्र स्थित प्रदीप विहार निवासी विशाल शर्मा ने शुक्रवार को पुलिस को तहरीर देकर बताया कि क्षेत्र निवासी एक प्रॉपर्टी डीलर ने बेलड़ा गांव के पास प्लॉटिंग शुरू की थी। उसने प्लॉटिंग में उन्हें साझेदार बनाने की बात कही थी। उसकी बातों में आकर उन्होंने उसे 50 लाख रुपये दिए थे। आरोप है कि काफी समय बीत जाने के बाद भी उसने प्लॉटिंग में हुए मुनाफे में से हिस्सा तक नहीं दिया। इस पर उन्होंने अपनी रकम वापस करने की बात कही लेकिन वह रकम वापस करने के लिए बहानेबाजी करने लगा। इस बीच उन्हें जानकारी मिली कि उक्त व्यक्ति ने प्लॉटिंग में साझेदारी के नाम पर मोहनपुरा निवासी अमित से तीन लाख, सिविल लाइंस निवासी गुरदीप से 40 लाख और अनिल निवासी बीएसएम चौक रुड़की से छह लाख रुपये की ठगी कर रखी है। इन लोगों ने भी कोतवाली पहुंचकर ठगी होने की जानकारी पुलिस को दी। साथ ही पुलिस से अपनी रकम वापस दिलाने की मांग है। कोतवाली प्रभारी मनोज मैनवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर जांच कराई जा रही है। उक्त व्यक्ति को बुलाकर पूरे मामले की जानकारी ली जाएगी। इसके बाद मामले में कार्रवाई की जाएगी।

गर्भवती पर डंडे से किया हमला, हालत गंभीर

रूड़की, एजेंसी। विवाद में जेठानी ने गर्भवती देवरानी से मारपीट कर दी। आरोप है कि जेठानी ने डंडे से भी हमला किया। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को तहरीर दे दी गई है। सिविल लाइंस कोतवाली क्षेत्र स्थित भंगेड़ी गांव निवासी एक युवक ने बताया कि उसकी पत्नी गर्भवती है। बृहस्पतिवार सुबह पत्नी का जेठानी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद में जेठानी ने पीटकर उसे जमीन पर गिरा दिया। साथ ही डंडे से कई वार करके घायल कर दिया। शोर मचाने पर आसपास के लोगों ने किसी तरह बचाया। महिला को गंभीर हालत में एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कोतवाली प्रभारी मनोज मैनवाल ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच कराई जा रही है।

मलबा और बोल्डर गिरने से छह सड़कें बंद

अल्मोड़ा, एजेंसी।
जिले में बारिश के बाद मलबा और बोल्डर गिरने से छह सड़कें बंद रहीं। शनिवार को पीपना मनहैत-डंगूला, सदर-सकनाणा बसर, देघाट-लालनगढी, चमकना रणकुना, पेटशाल- डूंगरी, शेराघाट-कुंजकिमौला सड़कों पर आवाजाही ठप रही, इससे 30 से अधिक गांवों का सड़क संपर्क कटा रहा।

सुबह के समय सड़कें बंद होने से लोगों को खासी दिक्कत झेलनी पड़ी। उन्हें किसी तरह मलबा और बोल्डरों के बीच बाजार सहित अन्य स्थानों पर आवाजाही करने के लिए मजबूर होना पड़ा। सूचना पर जेसीबी भेजी गईं। दोपहर बाद सभी सड़कों पर आवाजाही शुरू होने से लोगों ने

राहत की सांस ली। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल ने कहा कि जगह-जगह जेसीबी तैनात की गई हैं। सड़कों को तत्परता से खोला जा रहा है।

आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार शनिवार को बारिश के दौरान बालीघाट-दोफाड़, विजयपुर-भाटगाड़ और झटक्काली सड़क मलबा और बोल्डर गिरने से बंद हो गई। झटक्काली सड़क पर यातायात बहाल हो गया है। जबकि जिले में काफलीकमेड़ा, कठपुड़ियाछीना-सेराघाट, शामा-रामगंगा पुल और गागरीगोल-तिलसारी सड़क काफी समय से बंद पड़ी है। छह सड़कों पर यातायात बाधित होने से दस हजार से अधिक आबादी को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इधर, गरुड़ में डंगोली सैलानी मोटर मार्ग में पग पग में गड्ढे होने से दुर्घटना का खतरा बना है। लाहुर घाटी के आक्रोशित ग्रामीणों ने ऐलान किया है कि मोटर मार्ग को शीघ्र दुरुस्त नहीं किया गया तो ग्रामीण आंदोलन शुरु करने को मजबूर होंगे।

आकाशीय बिजली से इंसुलेटर फटे और ट्रांसफार्मर फुंके

ऋषिकेश, एजेंसी। बृहस्पतिवार की रात तेज आकाशीय बिजली कड़कने से लोग घरों से बाहर निकल आए। बिजली कड़कने ही क्षेत्र की बिजली गुल हो गई। कई स्थानों पर विद्युत लाइनों के इंसुलेटर फट गए। सात गांवों में लगे ट्रांसफार्मर भी खराब हो गए। इससे क्षेत्र में करीब पांच घंटे तक विद्युत आपूर्ति ठप रही।

स्थानीय निवासी आलोक चंदेल ने कहा कि रात में बिजली कड़कने से परिवार के लोग दशहत में आ गए। अचानक नींद खुली तो ऐसा लगा कि घर के आसपास कहीं बिजली गिर गई है। दहशत में घर से बाहर निकले तो आसपास के घरों के लोग भी बाहर निकले थे।

संक्षिप्त खबरें

हेल्थ मेला एवं दिव्यांगों को सामान वितरण समारोह

नई दिल्ली। लव कुश रामलीला कमेटी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर एक मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन लाल किला मैदान दिल्ली में किया गया। कमेटी के अध्यक्ष अर्जुन कुमार ने बताया कि हम नर सेवा नारायण सेवा के सिद्धांत को मानते हैं। इस हेल्थ मेले से सैकड़ो दिव्यांगजन, बुजुर्गो, महिलाओंए बच्चे लाभान्वित हुए। मुख्य अतिथि प्रियांक कानूनगो अध्यक्षए राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग और अर्जुन कुमार ने दिव्यांग जनों को ट्राई साइकिल, बैसाखी, वॉकर, व्हीलचेयर आदि सामान वितरित किया। मेगा हेल्थ कैंप में एलप्स द्वारा निशुल्क कानों की मशीन बाटी गई। हेल्थियनस, सहगल न्यू हॉस्पिटल के डॉक्टरों एवं विशेषज्ञ द्वारा स्वास्थ्य जांच। तारा संस्थान के डॉक्टरों द्वारा आंखों की जांच, मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु चयन, आंखों के चश्मा निशुल्क वितरित किए गए।सा माजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांग सशक्तिकरण विभाग द्वारा व्हीलचेयरए ट्राई साइकिल, बैसाखी, वॉकर आदि उपलब्ध कराए गए। लव कुश रामलीला कमेटी के महासचिव सुभाष गोयलए सत्य भूषण जैन, राजन चोपड़ाए राजकुमार गुप्ता, कपिल रस्तोगी, मदन अग्रवाल आदि ने स्कूली बच्चों को स्कूल बैगए महिलाओं को साड़ी वितरण किया तथा इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ।

ओबीसी मोर्चे ने दिखाया लाईव कार्यक्रम रू हरिओम विश्वकर्मा

नई दिल्ली। भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला नवीन शाहदरा के नेतृत्व में नत्थू कॉलोनी चौक पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का शुभारंभ कियाए उसको सब कार्यकताओं को एलईडी लगाकर के लाइव दिखाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जे पी तोमरए प्रभारी भाजपा ओबीसी मोर्चा दिल्ली प्रदेश व क्षेत्रीय विधायक जितेंद्र महाजन उपस्थित हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष हरिओम विश्वकर्मा ने की। कार्यक्रम में ओबीसी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सोनू वाचालए अमर सिंह भाटीए जिला प्रभारी सत्येंद्र तोमरए अनीश सराफ मंत्री व धरमवीर नगरए ओम चौधरीए राजेश सिंहए विनय चौधरी साहित काफी संख्या में कार्यकर्ता व उपस्थित हुए।

एनडीएमसी ने भारतीय स्वच्छता लीग के तहत विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ;एनडीएमसीद्ध ने रविवार को स्वच्छता पर जोर देनेए एकल.उपयोग प्लास्टिक की हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक करने और अच्छी स्वच्छ आदतों को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता ही सेवा पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारतीय स्वच्छता लीग में भाग लिया है। इसमें एनडीएमसी ने आज नई दिल्ली के नेहरू पार्क में स्रोत पर कचरे को अलग करने और एकल उपयोग प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन भी किया। एनडीएमसी के वरिष्ठ अधिकारी ने वहां उपस्थित अधिकारियोंए कर्मचारियों और सार्वजनिक स्वास्थ्य, नागरिक और बागवानी विभाग के सभी स्वच्छता योद्धाओं को स्वच्छता शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में लगभग 350 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारीयो, स्वच्छता योद्धाओं स्वयंसेवकों के साथ साथ सुबह की सैर करने वाले लोगों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का समापन पार्क में स्वच्छता योद्धाओं द्वारा प्लॉगिंग अभियान के साथ किया गया।

सड़कों की मरम्मत की कोई योजना ही नहीं बना पा रही केजरीवाल सरकार रू बिधूड़ी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा है कि केजरीवाल सरकार दिल्ली की सड़कों को लंदन और पेरिस जैसी सड़कें बनाने का दावा तो करती रही लेकिन उससे सड़कों की मरम्मत के लिए करीब 9 सालों में एक योजना तक नहीं बन पाई। सरकार कागजों पर योजनाएं तो बना रही है लेकिन धरातल पर उतारने में पूरी तरह नाकाम रही है। बिधूड़ी ने कहा कि राजधानी की 60 मीटर से चौड़ी करीब 1400 किमीए सड़कों के पुनर्विकास और मरम्मत का काम पीडब्ल्यूडी के जिम्मे है लेकिन इन सड़कों की सालों से कोई सुध नहीं ली गई। जी.20 के दौरान केंद्र सरकार ने बड़ी सड़कों की कायाकल्प की लेकिन बाकी सड़कों की दिल्ली सरकार मरम्मत ही नहीं करा पाई। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट तक को कहना पड़ा कि दिल्ली की सड़कों की उड़ती धूल के कारण राजधानी में प्रदूषण जानलेवा स्तर तक पहुंच गया है। सड़कें टूटी होने के कारण न सिर्फ जाम की स्थिति पैदा होती है बल्कि वाहनों को भी भारी नुकसान पहुंचता है। इसके अलावा दुर्घटनाओं का खतरा भी हमेशा बना रहता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी सरकार की एक बड़ी योजना की घोषणा बड़े जोर.शोर से की थी। कहा गया था कि अब सड़कों के साथ.साथ फुटपाथए हरियालीए उनमें पड़ने वाले गड्ढों और उनके पुनर्विकास का काम एक ही एजेंसी करेगी।

सुकन्या योजना के लिए बैंक खाते खोलने के एनडीएमसी चलाएगा विशेष अभियान : कुलजीत चहल

स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं के अभिभावकों को किया जाएगा जागरुकए स्कूलों में लगाए जाएंगे विशेष कैंप

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन को नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के सदस्य कुलजीत चहल ने अनोखे ढंग से मनाया। एक ओर वह दिल्ली के मशहूर व पुराने हनुमान अखाड़े में पहुंचे। जहां पर पीएम मोदी के जन्मदिन पर पहलवानों को मिठाई खिलाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। साथ ही देश की सेवा करने का संकल्प दोहराया। इसके साथ ही पीएम मोदी के जन्मदिन को सेवा दिवस पर मनाने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद ;एनडीएमसीद्ध ने सुकन्या योजना के तहत विशेष कैंप लगाने और एनडीएमसी स्कूलों में पढ़ने वाली छात्राओं के खाते खोलने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है।

एनडीएमसी के सदस्य कुलजीत चहल ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपना पूरा जीवन समाज और देश की सेवा में लगा दिया है। उनके द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजना लोगों के जीवन स्तर में सुधार लाने का कार्य करती हैं। ऐसी ही एक योजना सुकन्या समद्धि अकाउंट स्कीम की है। इसमें 10 लाख तक की बच्ची के अभिभावक खाता खुलवाकर न्यूनतम 250 रुपये और अधिकतम डेढ़ लाख रुपये की राशि एक साल तक जमा कर सकते हैं। इस राशि का उपयोग बच्ची की उच्च शिक्षा से लेकर बालिग होने पर उसकी शादी के लिए किया जा सकता है।

श्री चहल ने बताया कि एनडीएमसी ने निर्देश दिया है कि सभी अटल आदर्श विद्यालय के साथ ही नवयुग स्कूल इन खातों को खोलने के लिए प्रति अभिभावकों की जागरुकता के लिए अभियान चलाए। साथ ही इनके खाते खोलने के लिए इंतजाम भी करें। स्कूल प्रिंसीपल को निर्देश दिए गए हैं कि वह पीटीएम से लेकर सुबह प्रार्थना सभा के दौरान बच्चों को इसके प्रति जागरुक करें। साथ ही अभिभावकों को पत्र भेजकर इस योजना के प्रति जागरुक करें। इसके लिए बैंकों और पोस्ट आफिस को इसके लिए जागरुक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पांच हजार एनडीएमसी के विभिन्न स्कूलों में पढ़ने वाली बच्ची हैं जो इस योजना का लाभ ले सकती है।

हिंदी की बिंदी को घर घर पहुंचाने में वो कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे : ओ. पी गुप्ता

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में शांति मुकुन्द अस्पताल तथा हिन्दी की गूंज साहित्यिक संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एक विचार एवं कविगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वन्दना के साथ हुआ। अस्पताल कर्मी पूजा ने भावभंगिमा पूर्ण नृत्य द्वारा सभागार में उपस्थित विद्वतजनों को भाव विभोर कर दिया। तदुपरांत गणमान्य अतिथियों का स्वागत और सत्कार पुष्प गुच्छ और फूल मालाओं से किया गया। सम्पूर्ण चिकत्सालय में हिंदीमय वातावरण थाए हिंदी में श्री नरेंद्र सिंह नीहार रचित तथा रूपायन द्वारा प्रकाशित शिक्षामय कविता पोस्टर सभागार को भव्यता प्रदान कर रहे थे। सभी दिशा.निर्देश हिंदी एवं अंग्रेजी द्विभाषी थे।

अस्पताल के सभी प्रपत्र द्विभाषी हैं। स्थान. स्थान पर लगाई गई पट्टिकाओं में दशार्या गया था कि रोगी या उन के तीमारदार यदि हिंदी में बात करेंगे तो हमें प्रसन्नता होगी। इससे यह प्रतीत होता है कि हिंदी ऋषि श्रध्देय ओ पी गुप्ता किस तरह से हिंदी के प्रचार.प्रसार और विकास में दिलों जान से जुटे हुए हैं। ओ पी गुप्ता अपने सम्बोधन में कहा कि हिंदी है तो हिंद है। उन्होंने कहा कि हिंदी की बिंदी को घर घर पहुंचाने में वो कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। विचार गोष्ठी में शशि प्रकाशए रामकुमार पांडेयए संजय मिश्रए अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉण्सुनील कुमार सग्गड़ और अस्पताल के मैनेजिंग ट्रस्टी ओ पी गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त किये।

हिन्दी की गूंज संस्था के राष्ट्रीय संयोजक नरेन्द्र सिंह नीहार ने संस्था की विकास यात्रा और उसकी चुनौतियां बतायीं तो ओ पी गुप्ता विश्व पटल और अस्पताल परिसर में हिन्दी के बढ़ते प्रयोग पर अपने विचार रखे। सोनम और दीपा ने विचार गोष्ठी का सरस एवं सफल संचालन किया। इस अवसर पर हिन्दी की गूंज संस्था के सहसंयोजक रमेश कुमार गंगेले अनंत को हिन्दी गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी क्रम में ओ पी गुप्ता को हिन्दी ऋषि की उपाधि दी गई और अंगवस्त्र एवं पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दूसरे भाग में काव्यगोष्ठी का आयोजन हुआ। डाण्संदीप मित्तलए अनिल कुमार मिश्रए विमला रस्तोगीए भावना अरोड़ा मिलनए तरुणा पुंडीर तरुनिलए रमेश कुमार गंगेले अनंत और नरेन्द्र सिंह नीहार ने अपनी कविताओं से रसविभोर कर दिया। जाने.पहचाने संचालक खेमेन्द्र सिंह चन्द्रावत के सरस संचालन ने खूब तालियां बटोरी।

कार्यक्रम के सूत्रधार डॉण्सुनील कुमार सग्गड़ ने बीच.बीच में अपनी काव्य फुहारों की रिमझिम से श्रोता समाज को रससिक्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओ पी गुप्ता ने की और नरेन्द्र सिंह नीहार बतौर मुख्य अतिथि कार्यक्रम में उपस्थित रहे। तीन घंटे चले इस रंगारंग कार्यक्रम के अंत में सुरेखा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। राष्ट्रीय गान और सूक्ष्म जलपान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। सभी ने हिन्दी को आगे ले जाने और अपना कार्य हिन्दी में करने का संकल्प दोहराया। इस अस्पताल की एक और विशेषता ष्मन की शांतिष नामक पुस्तक ट्राली है। जिसमें बहुत सी प्रेरणादायक पुस्तकें रखी होती हैंए कोई भी मरीज या उसका तिमारदार उनको लेकर पढ़ सकता है। यह सेवा पूर्णतः निशुल्क है। कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वश्री एल डी कंसिलए राकेश चोपड़ाए एस के कोछड़ए शरद जैनए पूनम जैनए राकेश जाखेटियाए चिकत्सक गणए प्रशासनिक अधिकारीए नर्सिंग कर्मीए एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का विशेष योगदान रहा।

आदर्श रामलीला का भूमि पूजन संपन्न प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर प्रदर्शनी

प्रात : किरण

नई दिल्ली। आदर्श रामलीला कमेटी अशोक विहार फेस 2 का भूमि पूजन वैदिक रीति रिवाज के बीच मंत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। रामलीला के पदाधिकारियों ने मंचन से जुड़े कलाकारों को कलावा बांध कर अनुबंधित किया। रामलीला से जुड़े पात्रों ने अपने सुक्ष्म अभिनय से सभी को मंत्र.मुग्ध कर दिया। लक्ष्मण.परशुराम के रोचक संवाद के बीच शीलए क्रोधए संयम और वीरता का बखान होता दिखा। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्मदिन के उपलक्ष में प्रदर्शनी लगाकर भारत सरकार की प्रमुख कार्यों को प्रदर्शित किया गया।

रामलीला का भूमि पूजन मुख्य संरक्षक सुरेंद्र पाल गुप्ता ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में हर्ष मल्होत्रा महामंत्री भाजपा दिल्ली प्रदेश, सतीश गर्ग कोषाध्यक्ष भाजपा दिल्ली प्रदेशए राजेश गुप्ता विधायकए रेखा गुप्ताए वीरेंद्र गोयल जिला अध्यक्षए राजकुमार भाटिया समेत अनेक सामाजिक संस्थाओं के अध्यक्ष समारोह में उपस्थित हुए। इस अवसर पर हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि श्री राम का चरित्रए कर्तव्यनिष्ठए कर्म प्रधानए आदर्शों एवं मयार्दाओं से युक्त अति विनम्र व प्रेम प्रधान है। सतीश गर्ग ने अपने संबोधन में कहा कि श्री राम के चरित्र का वर्णन शब्दों में तो हो ही नहीं सकता प्रभु श्रीराम अत्यंत शक्तिशाली थे किंतु उन्होंने कभी अपनी शक्तियों का दुरुपयोग नहीं किया तथा युद्ध में भी उन्होंने सदा मयार्दाओं का ही पालन किया। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। रामलीला के प्रत्येक भाग में हमें जीवन उपयोगी कुछ न कुछ सीखने को मिलता है। रामलीला के अध्यक्ष अशोक गर्ग व महामंत्री अनिल यादव ने जानकारी दी कि हम इस वर्ष भी रामलीला प्रारंभ की पूर्व संध्या पर डांडिया नृत्य व रावण दहन के पश्चात महा कवि सम्मेलन का आयोजन करेंगे। रामलीला के निदेशक नितिन बत्रा ने कलाकारों के परिचय व लीला की भव्यता पर प्रकाश डाला। रामलीला के चेयरमैन अरुण बंसल व मुख्य संरक्षक सुरेंद्र पाल गुप्ता ने सभी को शुभकामनाएं दी। भूमि पूजन अध्यक्ष रवी गर्ग ने समारोह के सारगर्भित व योजनानुरूप सफल होने पर सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर रामलीला के मेला अध्यक्ष चंदन शर्मा, कोषाध्यक्ष प्रदीप गोयल, व्यवस्था अध्यक्ष संदीप गुप्ता, सुरक्षा अध्यक्ष विजय बंसलए स्वागताध्यक्ष देवराजए प्रचार अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, राकेश गुप्ता, राजेंद्र खंडेलवाल, बीण्पी गर्गए उषा गोयल, घनश्याम गुप्ता समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित किए गए दयानंद वत्स

प्रात : किरण

नई दिल्ली, एजेंसी। आल इंडिया अचीवर्स कांफ्रेंस के तत्वावधान में आज कौटिल्य मार्गए नई दिल्ली स्थित सम्राट होटल के सभागार में कांफ्रेंस के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर एवं सेकेट्री जनरल वरिष्ठ पत्रकार अभिषेक बच्चन की अध्यक्षता में सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मालवीय नगर से आम आदमी पार्टी के विधायक एवं सुप्रीम कोर्ट के वकील तथा दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष सोमनाथ भारती ने हिंदी पत्रकारिता के क्षेत्र में 47वर्षों से सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार एवं नेशनल मीडिया नेटवर्क के संस्थापक प्रधान संपादक दयानंद वत्स को उनकी पत्रकारिता के क्षेत्र में की गयी सराहनीय सेवाओं और उल्लेखनीय योगदान देने के लिए राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान 2023 से सम्मानित किया। सम्मान स्वरूप शालए स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। ज्ञातव्य है कि दयानंद वत्स अखिल भारतीय स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक संघ नई दिल्ली के राष्ट्रीय महामंत्री भी हैं। डॉ ण्दयानंद वत्स दिल्ली विश्वविद्यालय के हंसराज कॉलेज से हिंदी में एमण्ए और आईण्आईण्एमण्सी भारतीय जन.संचार संस्थान के शुरूआती दिनों में 1981 बैच के हिंदी पत्रकारिता के छात्र रहे हैं। दयानंद वत्स भारतीय जन.संचार संस्थान के भारतीय भाषा पत्रकारिता विभाग के तत्कालीन पाठ्यक्रम निदेशक प्रोण्;डॉण्द्ध रामजीलाल जांगिड़ के शिष्य हैं जिन्होंने विश्व के 160 देशों के पत्रकार तैयार किए। वत्स ने यह सम्मान अपने गुरु जी डाण्जांगिड को समर्पित किया है। अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री सोमनाथ भारती ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा खंबा है। मुझे खुशी है कि भारतीय पत्रकार निर्भीकता से अपने दायित्व को निभा रहे हैं। इस अवसर पर मोंटेनीग्रो की भारत में आनरेरी काउंसल जनरल जेनिस दरबारीए केएल गंजूए राजू बख्तियानीए ज्योतिषाचार्य जयप्रकाश शर्मा लाल धागे वाले भी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि माननीय सोमनाथ भारती ने इस मौके पर कई अन्य गणमान्य विशिष्ट विभूतियों को भी सम्मानित किया। आयोजक अभिषेक बच्चन ने बताया कि आज उनका यह 101वां सम्मान समारोह है। जिसमें राष्ट्रीय पत्रकारिता सम्मान एवं इंटरनेशनल हाल आफ फेम सम्मान प्रदान किए गये।

लहराएगा एनएसयूआई का परचम : संजय गौड़

प्रात : किरण

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ साथ विभिन्न कॉलेजों के छात्रसंघ चुनावों में इस बार फिर से एनएसयूआई का परचम लहराएगा। यह कहना है पूर्व छात्र नेता बाबरपुर ब्लाक कांग्रेस के अध्यक्ष अधिवक्ता संजय गौड़ का। संजय गौड़ ने उक्त विचार दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविन्द्र सिंह लवली के निर्देश पर आयोजित छात्रों की एक बैठक में व्यक्त किये। बैठक में जिला कांग्रेस के अध्यक्ष जुबेर अहमद, पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज, जय करन चौधरी, कमलकांत शर्मा भी मौजूद थे। संजय गौड़ ने कहा मीटिंग में डूसू के उम्मीदवारों को जिताने के लिए अनिल भारद्वाज पूर्व विधायक ने छात्रों से आह्वान किया। प्रदेश उपाध्यक्ष दीपांशु सागर ने मीटिंग में श्याम लाल कॉलेज के अध्यक्ष पद पर निखिलए उपाध्यक्ष अमित यादवए सचिव देवरिश भाटीए सहसचिव आस्था सिन्हाए कोषाध्यक्ष हर्षए केंद्रीय पार्षद लोकेश शर्मा और निकी यादव को बुला कर स्वागत किया। मीटिंग में जय करण चौधरी, संजीव किसान, डी. के अरोड़ा अब्दुल आलमए मुकेश गौड़ए रवि अरोड़ाए बॉबी भाई, संजीव कुमारए हेमंत मलिक व अन्य बहुत कांग्रेस नेता मौजूद थे। संजय गौड़ ने कहा एनएसयूआई के कार्यकर्ता साल भर छात्र हित में कार्य करते हैं जबकि विधार्थी परिषद के कार्यकर्ता केवल चुनाव के समय दिखते है।

एआईपीसीएम ने जंतर मंतर पर किया धन्यवाद प्रदर्शन का आयोजन

प्रात : किरण

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईपीसीएमए द्वारा रविवार को जंतर.मंतर पर एनएमसी और स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा नए नियम जारी करने हेतु धन्यवाद प्रदर्शन का आयोजन किया गया। इस धन्यवाद प्रदर्शन में देश भर के 16 राज्यों व 4 केंद्र शासित प्रदेशों से आए हुए 100 से अधिक चिकित्सकों ने भाग लिया। इसमें यूजीएमएसआर ;अंडर ग्रेजुएट मिनिमम स्टेंडर्ड रिक्वायरमेंटद्ध 2023 और सीबीएमई रेगुलेशन्स 2023 जारी करने को लेकर आभार व्यक्त किया गया। साथ ही एआईपीसीएमए द्वारा यह भी मांग की गई कि आने वाले समय में इन नियमो में तीन विषयों में नॉन मेडिकल अभ्यर्थियों की नियुक्ति में छूट के 15 फीसदी के प्रावधान को भी समाप्त किया जाए। क्योंकि मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकीय प्रशिक्षण के लिए केवल चिकित्सक ही शिक्षक होने चाहिए। एनएमसी द्वारा जारी नए सीबीएमई पाठ्यक्रम जिसमे कॉलेज में प्रवेश के दिन से ही क्लीनिकल अध्ययन प्रारम्भ हो जाता हैए चिकित्सक ही उस पाठ्यक्रम को पढा सकते हैं। एआईपीसीएमए ;ऑल इंडिया प्री एंड पारा क्लिनिकल मेडिकोस एसोसिएशनद्ध के अध्यक्ष डॉ अभिनव पुरोहित व उपाध्यक्ष डॉ. सीएम कमाल ने बताया कि अन्य प्रोफेशनल संस्थानों की डिग्री जैसे.एलएलबीए बी टेकए आयुवेर्दाए होमियोपैथीए वेटरनरीए यहाँ तक कि नर्सिंग और फामेर्सी संस्थानों की ही भांति मेडिकल कॉलेज में शिक्षक बनने के लिए भी मान्यता प्राप्त एवं पंजीकृत डिग्री ;एमबीबीएसद्ध आवश्यक होने के नियम कड़ाई से लागू होने चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि हमारा उद्देश्य चिकित्सक शिक्षको की योग्यता निर्धारण नियमों पर प्रकाश डालना हैए और नॉन मेडिकल शिक्षकों की भर्ती को पूर्णतः बंद करने की मांग करना है। उपलब्धता में कमी को गुणवत्ता से समझौता करके पूरा नहीं किया जा सकता। एआईपीसीएमए एनएमसी द्वारा नॉन मेडिकल शिक्षकों की भर्ती में छूट के प्रतिशत को घटाने के लिए एनएमसी का आभार व्यक्त करती है और इसे एक सकारात्मक दिशा में किया गया प्रयास मानती है। इस मौके पर एआईपीसीएमए के अध्यक्ष डॉ अभिनव पुरोहित समेत उपाध्यक्ष डॉ सी एम कमालए डॉण रजनीश कनोजियाए व डॉण विनोद छीपा समेत देश भर के सैकड़ों चिकित्सक शिक्षक मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भूमिका भगवान विश्वकर्मा से प्रेरित : मनोज तिवारी

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने रविवार को द्वारका के यशोभूमि एवं विश्वकर्मा योजना के शुभारंभ पर आयोजित कार्यक्रम को अपने संसदीय क्षेत्र के उत्तर पूर्व जिला के कार्यकताओं के साथ भजनपुरा के अंबिका पैलेस में आयोजित एक कार्यक्रम में एलईडी स्क्रीन पर लाइव देखा। कार्यक्रम का आयोजन ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष तिलक राज द्वारा किया गया। इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा के प्रदेश सह प्रभारी चौधरी महक सिंहए जिलाध्यक्ष पूनम चौहानए उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदीए महामंत्री गुलाब सिंह राठौरए डॉण यूण्के चौधरीए संजय त्यागी सहित बड़ी संख्या में शिल्पकार मजदूर एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस अवसर पर मनोज तिवारी ने कहा कि जिस तरह त्रेता युग में या फिर द्वापर में जब किसी अच्छे नगर या देश का निर्माण करना होता था तो देवताओं के राजा इंद्र भगवान विश्वकर्मा को यह काम सौंपते थे क्योंकि उन्हें उनकी शिल्पिकारी पर भरोसा था और उनके भरोसे पर खरा उतर कर भगवान विश्वकर्मा ने स्वर्णिम लंका का निर्माण किया तो भगवान कृष्ण के लिए द्वारका नगरी का भी निर्माण भगवान विश्वकर्मा के दिशा निर्देशन में ही हुआ ऐसा वेदों और ग्रंथों में वर्णन किया गया हैए लेकिन आजादी के बाद अगर सभी सरकारों की कार्यशैली पर नजर डालें तो मोदी सरकार का योग जनता के विश्वास और सहयोग से आधुनिक भारत के निर्माण में कई सराहनीय योजनाएं साकार की गई है। मनोज तिवारी ने कहा कि यह संयोग नहीं कुछ दैवीय कृपा है कि भगवान विश्वकर्मा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन एक ही है और इस अवसर पर यह कहना अनुचित नहीं होगा कि भगवान विश्वकर्मा से प्रेरित होकर ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक के बाद एक ऐसी योजनाएं जनता को समर्पित कर रहे हैं जो भव्य भारत के निर्माण में मील का पत्थर साबित हो रही है भगवान विश्वकर्मा को कुछ अच्छा करने के लिए देवताओं और उनके राजा इंद्र से निर्देश दिया जाता था और भव्य भारत के निर्माण का जनादेश लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता जनार्दन के अनुसार आधुनिक भारत का निर्माण कर रहे हैं जो विश्व गुरु बनने के लक्ष्य पथ पर बड़ी तेजी से अग्रसर है उन्होंने भगवान से कामना की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दीघार्यु हो और उनके यसस्वी जीवन का हर पल देश के 140 करोड़ लोगों को विकसित भारत का वरदान दे।

अखिल भारतीय स्वयंसेवी संस्था सोशल ऐंड मोटिवेशनल ट्रस्ट द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर डिजिटल काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय स्वयंसेवी संस्था सोशल ऐंड मोटिवेशनल ट्रस्ट द्वारा हिन्दी दिवस के अवसर पर डिजिटल काव्य गोष्ठी का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आरंभ संस्था की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता सिंह के द्वारा द्वीप प्रज्वलन एवं झारखंड राज्य अध्यक्ष ममता झा के सरस्वती वंदना स्तुति के द्वारा किया गया। ममता झा ने कार्यक्रम के प्रारंभ में सरस्वती स्तुति प्रस्तुत कई। इस कार्यक्रम में दिल्ली एवं आसपास के साथ. साथ देश के अन्य राज्य इकाइयों के कवि कवयित्री शामिल होकर अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी।

संस्था की अन्य राज्य इकाइयों द्वारा भी हिन्दी सप्ताह के अवसर पर पुरे सप्ताह काव्य गोष्ठियों एवं हिन्दी के विकास पर आधारित परिचचाओं का आयोजन निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में शामिल रचनाकारों के नाम मुख्य रुप से निम्न प्रकार से है. मंजू विश्नोई गुप्ताए कमल धमीजा, आर डी शर्माए अनिल मासूम, रचना मिश्राए आरती झा, प्रीति राही तितलीए इन्द्राणी सिन्हा, डॉ. सरिता गर्ग, विनीता सिंहए अंजू भारतीए पूनम देवी, अनीता निधि, सविता सिंह मीराए विंध्यवासिनीए मीना परिहार मान्याए गीताए संजय कुमार ओझाए पी के श्रीवास्तवए सलाहकार रथिन्द्र नाथ झा। संस्था के संस्थापक रवींद्रनाथ सिंह ने अतिथियों के धन्यवाद ज्ञापन के दौरान हिन्दी भाषा के महत्व और इसकी वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हिन्दी के प्रचार प्रसार के लिए ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन बहुत आवश्यक है। सोशल ऐंड मोटिवेशनल ट्रस्ट साहित्यए कलाए संस्कृति एवं समाज सेवा के लिए समर्पित संस्था है और ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन कर नवोदित और स्थापित दोनों तरह के रचनाकारों को मंच प्रदान कर रही है।

स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी ऑस्ट्रेलिया यात्रा पर

प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। वर्षो से ऑस्ट्रेलिया में बसने के बावजूद रग रग में सनातनी संस्कारों के लिए साधुवाद दिया स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज ने ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न के वुलर्ट में गुर शरण वर्मा जी द्वारा संचालित श्री राधा कृष्ण संकीर्तन मंडल द्वारा आयोजित भव्य सत्संग में। स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा सनातन संस्कृति के प्रसार हेतु मेलबर्न ऑस्ट्रेलिया की यात्रा के दौरान वुलर्ट में गुर शरण वर्मा जी द्वारा आयोजित भव्य सत्संग में ष्हरी व्याप्त सर्वत्र समानाष्विषय पर सत्संग करते हुए कहा कि चाहे संसार में शांति और परमात्मा की प्राप्ति हेतु केवल प्रेम से बढ़कर कोई मार्ग नहीं है।स्वामी जी द्वारा गाए गए भजनों पर भारतीय मूल के ऑस्ट्रेलियन नागरिक झूमते दिखाई दिए।दूसरी तरफ क्लाइड नॉर्थ में स्वामी श्री शिवराज जी द्वारा गीता अनुसंधान संस्थान में गीता पर सत्संग करते हुए स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि गीता जीवन में गीतए संगीत का समावेश कर देती है।गीता का मूल ज्ञान कर्ता भाव समाप्त करके निमित्त भाव रखने से ही मनुष्य का कल्याण संभव हो सकता है

श्री राधा कृष्ण संकीर्तन मंडल के सदस्यों द्वारा स्वामी जी एवम गुरु माता जी को भारतीय शैली से भाल पर तिलक लगाकरए चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया गया।युवाओं द्वारा प्रस्तुत भजनोंए कीर्तन को सुनकर स्वामी जी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए कहा कि आपको साधुवाद है कि वर्षो पाश्चात्य संस्कृति में रहने के बावजूद आपने भविष्य की पीढ़ी में कुटकुटकर भारतीय संस्कृति से परिपूर्ण किया हुआ है।सत्संग की समाप्ति पर भंडारे की सुंदर व्यवस्था की गई।ऑस्ट्रेलिया यात्रा में खुशाल स्याल द्वारा विशेष सहयोग दिया गया।

2025 में नई दिल्ली दुनिया भर के पेशेवरों का पहला गंतव्य होगा : वीरेन्द्र सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि आज मुझे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा येशोभूमि कन्वेंशन सेंटर और एक मेट्रो स्टेशन के उद्घाटन और पीएम विश्वकर्मा योजना के शुभारंभ का गवाह बनकर गर्व महसूस हुआ। उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को रविवार को उनके जन्मदिवस पर बधाई दी और कहा की दिल्ली भाजपा उनके सबका साथए सबका

संक्षिप्त खबरें

रोडरेज में दिल्ली पुलिस के हेडकांस्टेबल को पीटा

नई दिल्ली। ख्याला इलाके में हुई रोडरेज की वारदात में दो युवकों ने अपनी मां के साथ मिलकर दिल्ली पुलिस में तैनात एक हेडकांस्टेबल को जमकर पीटा। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गए। सड़क पर खून से लथपथ हालत में पड़ा देखकर लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी और घायल पुलिसकर्मी को अस्पताल में भर्ती किया। ख्याला थाना पुलिस ने घायल के बयान पर हत्या के प्रयास की धाराओं में केस दर्ज मामले की जांच शुरू कर दी है।पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायल 50 वर्षीय एमजी राजेश अपने परिवार के साथ तिलक नगर स्थित पुलिस स्टाफ क्वाट्र्स में रहता है। वह एसीपी ऑफिस में तैनात हैं। पुलिस को दिए बयान में एमजी राजेश ने बताया कि 15 सितंबर की रात को वह ड्यूटी खत्म कर अपनी गाड़ी से घर लौट रहा था। इसी दौरान घोड़ा वाला मंदिर से पहले बनी झुग्गियों के पास उनकी गाड़ी की दूसरी गाड़ी से टक्कर हो गई। पीड़ित ने दूसरी कार में सवार मां और उसके दो बेटों को ध्यान से चलाने की बात कही और वहां से चला दिया। मगर कुछ दूरी पर आरोपियों ने पीड़ित को रोक लिया। आरोपियों ने ईंट से पीड़ित की गाड़ी के शीशे तोड़ दिए और उन पर लोहे की रॉड से हमला बोल दिया। आरोपियों की पिटाई से पीड़ित बेसुध हो गया तो आरोपी मौके से फरार हो गए। मौके पर जमा भीड़ ने पीड़ित को अस्पताल पहुंचाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। ख्याला थाना पुलिस ने पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

दंपती को बंधक बनाकर चालीस लाख लूटने वाले पकड़े

नई दिल्ली। जगतपुरी में दंपती को बंधक बनाकर 40 लाख रुपये और 35-40 तोले सोना लूटने के मामले में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। मुख्य साजिशकर्ता महिला है, जो पीड़िता की चचेरी बहन है। उसी ने पूरे अपराध की साजिश रची। आरोपियों से 24 लाख रुपये और 210 ग्राम सोने के गहने बरामद किए हैं। डीसीपी शाहदरा रोहित मीणा के मुताबिक जगतपुरी इलाके में 11 अगस्त की सुबह करीब सवा आठ बजे तीन बदमाशों ने पीड़ित को गन प्वाइंट पर लिया। पीडित और उनकी पत्नी को बंधक बनाकर रुपये और सोने के गहने लेकर आरोपी फरार हो गए। जांच के बाद पुलिस ने गाजियाबाद के भोपुरा से राजेंद्र कुमार उर्फ बिट्टू को पकड़ा। इसके बाद तीन और आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपियों की पहचान राजेंद्र कुमार, बाबरपुर निवासी रचना, वसुंधरा निवासी मुकेश कुमार और वसुंधरा निवासी दीपा के रूप में हुई है। दीपक और आशु बालियान अभीफरार हैं। जांच में पता लगा कि एसएमएस सोना गिरवी रखने वाली फाइनेंस कंपनी से मिले थे। इसके बाद दीपा पत्न ी मुकेश कुमार की पहचान की गई, जिसने फाइनेंस कंपनी में सोना जमा किया था। उनके वसुंधरा स्थित आवास पर छापेमारी की गई। उसके घर से 210 ग्राम सोने के गहने मिल गए। इसके बाद आशु बालियान के पिता मुकेश कुमार को पकड़ा गया। उसके पास ढाई लाख रुपये बरामद हुए।

फैक्टरी मालिक की कार और नकदी लेकर चालक फरार

नई दिल्ली। इंद्रलोक इलाके में शनिवार को फैक्टरी मालिक की कार और 8.50 लाख रुपये लेकर चालक फरार हो गया। सराय रोहिल्ला पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। सोनीपत निवासी 61 वर्षीय प्रियशरण बंसल की इंद्रलोक इलाके में प्लास्टिक दाने की फैक्टरी है। पीड़ित ने बताया कि उनके पास सिंधु निवासी सुनील कुमार बतौर चालक कार्यरत है। वह प्रत्येक दिन सुबह इलाके में कबूतरों को दाना खिलाते हैं। शनिवार को वह कार से इंद्रलोक पहुंचे। चालक सुनील कार में बैठा था और प्रियशरण कबूतरों को दाना खिला रहे थे। इसी दौरान सुनील कार और उसमें रखे 8.50 लाख रुपये लेकर फरार हो गया। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। फिलहाल पुलिस आरोपी चालक के रिश्तेदारों और दोस्तों के ठिकाने पर छापेमारी कर रही है।

दिल्ली के आरएमएल अस्पताल में ट्रांसजेंडर्स के लिए शुरू हुई ओपीडी सेवा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के मौके पर दिल्ली के राम मनोहर लोहिया अस्पताल में एक पहल नई शुरू की गई है। अब यहां किन्नरों का इलाज सही तरीके से हो सकेगा। अक्सर अस्पतालों में महिलाओं और पुरुषों का इलाज किया जाता है, लेकिन किन्नरों का इलाज सही तरीके से नहीं हो पाता है। क्योंकि किन्नरों यह समझ में नहीं आता कि उन्हें किस डॉक्टर के पास जाना चाहिए। इसी बात को ध्यान में रखकर आरएमएल अस्पताल की तरफ से यह पहल की गई है। आरएमएल अस्पताल के एमएस अजय शुकला ने कहा कि आने वाले समय में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए ओपीडी भी अलग से उपलब्ध कराई जाएगी। अभी शुरूआत है और आगे गाइडलाइंन बनाई जाएगी। फिलहाल, ओपीडी सेवा हर शुक्रवार को अपराह्न दो बजे से शाम चार बजे तक ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए उपलब्ध होगी।

कर्पूरी के सपनों को पूरा कर रहे नीतीश कुमारः मनोरमा

प्रात : किरण संवाददाता

गया। जनता दल यूनाइट का प्रदेश भर में चल रहे कपूर्री चर्चा कार्यक्रम का आयोजन अतरी विधानसभा के टेटूआ स्थित व्यापार मंडल भवन में आयोजित किया गया, सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा कपूर्री ठाकुर जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया उसके बाद कपूर्री जी के अविस्मरणीय कार्यों को याद करते हुए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किए जा रहे हैं कपूर्री जी के सपनों के अनुरूप कृत एवं संकल्पित कार्यों से लोगों को अवगत कराया गया सभा को संबोधित करते हुए जदयू की पूर्व विधान पार्षद सह अतरी विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी मनोरमा देवी ने कहा की आज बिहार के मुख्यमंत्री जननायक कपूर्री ठाकुर के अधूरे सपनों को पूरा करने में प्रयत्नशील है एवं ऐसे कई कार्य माननीय मुख्यमंत्री ने किया है जिन्हें कपूर्री जी अधूरा छोड़ कर गए थे,जब जननायक कपूर्री मुख्यमंत्री थे तो उस समय मनुवादी विचारधारा के लोग जाति सूचक नारा देकर उनके मनोबल को तोड़ने का काम करते थे उसके बावजूद भी उन्होंने डटकर बिहार के हित के लिए काम किया है और आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार के गांव गरीब पिछड़ा दलित,अल्पसंख्यक,शोषित,वंचितएवं तमाम तब के के सबसे अंतिम पंक्ति तक के लोगों के हित के लिए योजनाओं का निर्माण कर बिहार के लोगों तक लाभ पहुंचाने का काम कर रहे हैं तो इस मानसिकता के लोग आज फिर ओछी राजनीति कर विकास में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं जिसका प्रमाण बिहार सरकार द्वारा किया जा रहा जातिगत जनगणना के विरोध में भाजपा द्वारा कई तरह के हथकंडे अपना कर जनगणना को रोकने की साजिश की गई लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के चट्टानी निश्चय के सामने सब फेल हो गए, तो आने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में हम सभी को मिलकर भाजपा के राजनीतिक साजिश को नाकाम करते हुए उन्हें सत्ता से बेदखल कर देना है। इसके साथ हीं जहानाबाद सांसद ने कहा की श्रीनिधि कुमार ने अतिपिछड़ों को सम्मान देने का काम किया है हम सभी आने वाले 2024 के चुनाव में वोट देकर नीतीश कुमार के हाथों को मजबूत करना है।इस दौरान जदयू के विधान पार्षद गुलाम गौस, विधान परिषद कुमुद वर्मा, खाद आयोग के अध्यक्ष विद्यानंद बिकल,पूर्व विधायक कृष्णानंद यादव, जदयू की प्रदेश सचिव प्रमिला प्रजापति, विधानसभा प्रभारी राजू शर्मा, अति पिछड़ा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष विनोद कुमार इत्यादि लोग उपस्थित थे!

नयागांव में भारतीय सूढी,उत्थान संगठन की साप्ताहिक बैठक हुआ सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। भारतीय सूढी,उत्थान संगठन पटना बिहार की बैठक नयागांव संतोष कमेटी हॉल में रखी गई । इस बैठक की अध्यक्षता पूर्व शिक्षक मोहन जी ने लोगों को कहा शिक्षा एक अनमोल खजाना है। इस पूरे समाज के दिशा को बदल देता है और समाज का मान सम्मान को बढ़ावा देता है । अध्यक्ष विनोद शौण्डिक ने सूढी समाज को अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करना मुख्य उद्देश्य है। हमारे समाज अग्रणी समाज होते हुए भी अपेक्षित पिछड़ा वर्ग का लाभ नहीं मिल पा रहा है। हमारा समाज अब जाग चुका है एक सूत्र में बंध कर पूरे बिहार में शक्ति प्रदर्शन करना होगा। युवा संगठन को जोड़ना होगा ताकि हमारा समाज हर लड़ाई के लिए तैयार है। मध्य प्रदेश सरकार वास्तविक में सूढी समाज को अति पिछड़ा वर्ग में लाकर सुरक्षा प्रदान के प्रति सजग है । हमारे बिहार सरकार ने सूढी के लिए समाज को कोई जगह नहीं दिया गया और जनगणना में 122 नंबर कडगहरी में कई जाति को मिलकर हमारे समाज के साथ भेदभाव किया। एक विद्यार्थी ही समझ सकता है अपार मेहनत करने के बाद जब आरक्षण नहीं होने के कारण असफलता हाथ लगती है तो उनके दिल पर क्या बिकता है। संरक्षक डॉ अविनाश प्रसाद ने समाज के नए दिशा एकजुट का मंत्र ताकि हमारे समाज में युवा शक्ति ही एक अनमोल खजाना है इसे बढ़ावा देना हमारे समाज को आगे की ओर ले जाना तभी हमारा समाज नई दिशा की ओर दिखेगा समाज के प्रति इन्होंने मदद करने को तैयार है । बैठक में आए हुए समाज के अभय नारायण भोला प्रसाद मनीष कुमार यदुनंदन प्रसाद मोहित अनिल कुमार दिवाकर बैजनाथ प्रसाद नरेश कुमार दीपक शौण्डिक अजीत कुमार विपिन कुमार सूढी समाज कई गण मन व्यक्ति इस सभा को संबोधित की।

मध्यस्थता कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन

चंदन कुमार मिश्रा, शेरघाटी

शेरघाटी।शहर के रंगलाल इंटर स्कूल में प्रांगण में बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, पटना के निदेर्शानुसार, जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, गया के आदेशानुसार व अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति श्री दीपक कुमार के दिशानिर्देश पर रविवार को आपदा पीड़ितों को विधिक जागरूकता और मध्यस्थता सम्बन्धी विषय पर कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पैनल एडवोकेट ओमप्रकाश ने ग्रामीणों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा दी जा रही मुफ्त कानूनी सहायता व अन्य स्कीमों के बारे में विस्तार से जानकारी दिया।

उन्होंने बच्चों को कानूनी जानकारी देते हुए बताया कि कोई भी व्यक्ति जो किसी प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदा से पीड़ित है, वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है। जिसमे पीड़ित व्यक्ति को जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की ओर से डीएलएसए एक्ट-1987 के तहत मुफ्त कानूनी सहायता उपलब्ध करवाने का प्रावधान है। अनुमंडलीय विधिक सेवा समिति कर्मचारी मनीष प्रकाश ने बताया कि भूकंप, आगजनी, सूखाग्रस्त, बाढ़ अन्य किसी भी प्राकृति या मानव निर्मित आपदा से मृत्यु हो जाना, बेघर या सम्पत्ति का नुकसान होना पीड़ित की श्रेणी में आता है।

इसके अलावा जातिय अत्याचार का शिकार व्यक्ति भी पीड़ित की श्रेणी में ही आता है, जो जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण से मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का हकदार है। उन्होंने बताया कि ऐसे पीड़ित व्यक्ति को सरकारी विभागों द्वारा सहायता प्रदान करने का प्रावधान है, इसलिए ऐसे व्यक्ति मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने के साथ-साथ संबंधित विभागों से आर्थिक सहायता भी ले सकते हैं।

साथ ही मध्यस्थता की महत्ता पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर शिक्षक अशोक सिंह, पैरा लीगल वालियंटर दीपक कुमार एवम सरपंच एवम जनप्रतिनिधि के अलावे सैकड़ो के तादाद में शहरवासि एवम ग्रामीण उपस्थित थे।

1.5 लाख वोटर तय करेंगे डूसू चुनाव में किसका बजेगा डंका

प्रात : किरण

नई दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) में छात्र संघ चुनाव को लेकर एबीवीपी, एनएसयूआई, आइसा और एसएफआई प्रचार में जुट गई है। जैसे-जैसे वोटिंग का दिन नजदीक आ रहा है। सभी संगठनों ने प्रचार तेज कर दिया है। एबीवीपी के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार तुषार डेढ़ा सहित अन्य उम्मीदवार डीयू के कॉलेज में पहुंचकर वोट मांग रहे हैं। वहीं, एनएसयूआई के उम्मीदवार भी कॉलेज पहुंचकर अपने समर्थन में वोट मांग रहे हैं। आइसा और एसएफआई सोशल मीडिया के साथ ऑफलाइन मोड में प्रचार कर रहे हैं। तीन साल बाद होने वाले छात्र संघ चुनाव में वोटिंग 22 सितंबर को होगी। इसके बाद परिणाम जारी किया जाएगा।

1।5 लाख वोटर तय करेंगे किस्मत: दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव में 52 कॉलेज हिस्सा लेंगे। इस बार 1।5 लाख वोटर चुनाव में वोट देंगे। इन वोटर के कीमती वोट से तय होगा कि डूसू चुनाव में किस छात्र संगठन का डंका बजेगा। इसी के साथ ही साथ इस चुनाव में यह दूसरी बार हो रहा है जब 90 फीसदी वोटर फर्स्ट टाइम वोट करेंगे। वोटिंग कॉलेज में दो पाली सुबह और शाम कराई जाएगी। 2019 में एबीवीपी को मिला 85 हजार वोटः पिछले चुनाव यानी 2019 में एबीवीपी ने डूसू चुनाव में तीन सीट जीती थी। अक्षित दहिया अध्यक्ष बने थे। अक्षित ने बताया कि एबीवीपी की लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि 2019 में चारों पोस्ट पर 85 हजार से ज्यादा वोट एबीवीपी को मिले थे। यह सबसे बड़ा मैंडेट था। इससे पहले किसी छात्र संघ को इतना ज्यादा मैंडेट नहीं मिला था।

वोट करने के लिए आईडी कार्ड जरूरी: डूसू मुख्य चुनाव अधिकारी प्रो। चन्द्रशेखर ने बताया है कि डूसू चुनाव 2023-24 की चुनाव समिति के विचार-विमर्श के अनुसार, यह कहा जाना चाहिए कि भाग लेने वाले कॉलेजों/संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी पात्र छात्रों को पहचान पत्र जारी किया जाए। वे सभी पात्र छात्र, जिन्हें पहचान पत्र जारी नहीं किए गए हैं, उन्हें मतदान करने की अनुमति दी जाएगी। यदि वे निम्नलिखित आईडी में से किसी एक के साथ विधिवत सत्यापित शुल्क रसीद प्रस्तुत करते हैं। जैसे मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस। चुनाव के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ से संबद्ध कॉलेजों/विभागों/संस्थानों में अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले सभी छात्र शामिल होंगे।

डीयू में गुर्जर वर्सेज जाट: दिल्ली यूनिवर्सिटी में एबीवीपी ने अध्यक्ष पद के लिए गुर्जर बिरादरी से तुषार डेढ़ा को अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया है। वहीं एनएसयूआई ने जाट बिरादरी से हितेश गुलिया को अपना उम्मीदवार बनाया है। दोनों छात्र संगठन ने यह दांव इसलिए भी खेला है क्योंकि गत कुछ वर्षों में जाट और गुर्जर समाज से डूसू में अध्यक्ष बने हैं।

कहा जाता है कि छात्र यहां कथित तौर पर जाति देखकर वोट करते हैं। हालांकि, वोट प्रतिशत 50 फीसदी के बीच ही रहता है। इसके साथ ही साथ एबीवीपी, एनएसयूआई, आइसा और एसएफआई ने सचिव पद के लिए अपना उम्मीदवार महिला को बनाया है।

फ्रांस की तर्ज पर विकसित होंगे राजघाट के पास मौजूद पार्क, इन विकास कार्यों से मिलेगा नया रूप

नई दिल्ली। राजधाट जो कि हराभरा क्षेत्र हैं लेकिन इसके सामने लाल किले के पीछे तक चार पार्क बने हुए हैं वह खस्ताहाल हैं। अब इन पार्कों का सुंदरीकरण और विकास अलग-अलग थीम के आधार पर किया जाएगा। लाल किला के सामने मौजूद पार्कों को फ्रांस के वर्सेल्स गार्डन के तर्ज पर विकसित किया जाएगा। उपराज्यपाल ने जी 20 शिखर सम्मेलन से हुए दिल्ली में सुंदरीकरण के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए यह कार्य करने के निर्देश दिए है। इसके लिए स्वयं उपराज्यपाल वीके सक्सेना इन पार्कों का निरीक्षण कर कार्यों की समीक्षा की।

21 करोड़ की लागत से होंगे यह कार्य: इन पार्कों में संगमरमर और अन्य पत्थर की मूर्तियों और कलाकृतियों, जलाश्य, फव्वारों, आकर्षक पौधों, चेरी ब्लासम, चीनार आदि जैसे पेड़ों, फूलों से नया रूप मिलेगा। घटा मस्जिद, उर्दू अकादमी और सद्भावना पार्कों के चारों तरफ की मध्यकालीन दीवार की मरम्मत की जाएगी और उसके पिछले गौरव को बहाल किया जाएगा। राजनिवास के अनुसार परियोजना जो योजना के अंतिम चरण में है। 21 करोड़ की लागत से यह कार्य होंगे। सक्सेना ने कार्य शुरू करने की समय सीमा अक्टूबर का पहला सप्ताह तय की है। इन पार्कों को नया रूप मिलने से दरियागंज, चांदनी चौक, आसफ अली रोड, सीताराम बाजार, मटिया महल और बल्लीमारान के निवासियों के लिए खुले मनोरंजन स्थलों के रूप में होंगे।

ओपन एयर जिम जैसी होगी सुविधाएं: घटा मस्जिद और उर्दू अकादमी पार्क के विस्तार पर फव्वारे, संगमरमर की मूर्तियों, मनोरंजन और खेल के लिए समर्पित हिस्से और ओपन एयर जिम जैसी सुविधाओं होगी। साथ ही कैफेटरिया और आंगुतकों के लिए पार्किंग व सार्वजनिक सुविधाएं भी होगी। पार्कों में आगंतुकों की सुविधा के लिए मौसम के अनुकूल पत्थर की बेंच और साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। जबकि दिल्ली चलो पार्क में, लाल किले से प्रेरित छतरियों और लालटेन जैसी संरचनाओं को शामिल किया जाएगा। इसी तरह सद्भावना पार्क में, सफेद संगमरमर का उपयोग मार्गों और जल सुविधाओं में प्राथमिक सामग्री के लिए किया जाएगा। बैठने के लिए ऊंची जगह बनाई जाएंगी। इसके चारों तरफ फूलों की क्यारियां बनाई जाएंगी। विभिन्न आकृतियों की छतरियां और बड़ी कलाकृतियां भी लगाई जाएंगी।

केंद्रीय मंत्री ने किया हस्तक्षेप तो डीडीए को मिले पार्क: राजनिवास के अनुसार छह मई को पहली बार लाल किला के पीछे दरियागंज और अंसारी रोड के इस ऐतिहासिक हिस्से का दौरा किया था। इस दौरान समाधि परिसर के सामने स्थित दिल्ली चलो पार्क, घटा मस्जिद पार्क, उर्दू अकादमी पार्क और सद्भावना पार्क का फिर से पुनर्विकास करने का बीड़ा उठाया था। इसी दौरान यह सामने आया कि इन पार्कों का स्वामित्व लैंड एंड डेवलपमेंट आफिस के पास था जबकि कब्जा सीपीडब्ल्यूडी के पास था। एलएंडडीओ, एमओएचयूए, भारत सरकार के स्वामित्व में थी और सीपीडब्ल्यूडी के कब्जे में थी।

अपातकालीन चिकित्सा को बेहतर बनाने के लिए तीन दिवसीय मेगा इवेंट प्रशिक्षण का हुआ समापन

प्रात : किरण संवाददाता

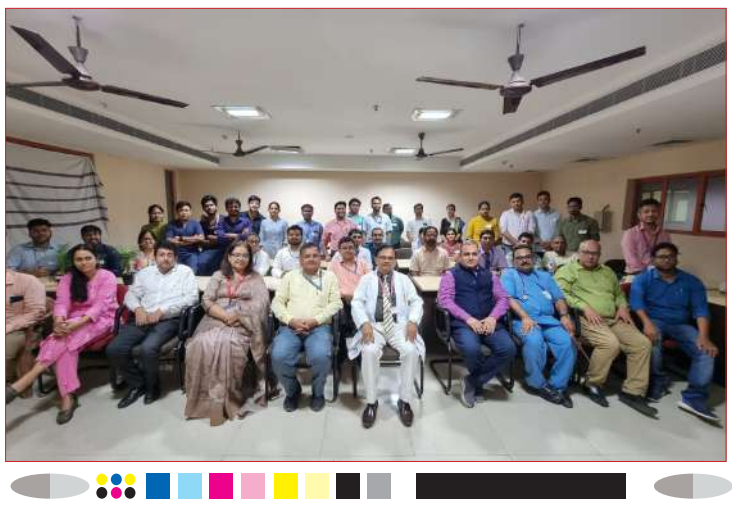

पटना। एम्स पटना के आपातकालीन चिकित्सा विभाग ने तीन दिवसीय एएचए मान्यता प्राप्त बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम का आयोजन रविवार को हुआ समापन। इस पाठ्यक्रम से अस्पताल में काम करने वाले सभी डॉक्टरों और कर्मचारियों को रोगी को बेहतर बनाने के लिए उच्च गुणवत्ता

और दिशानिर्देश आधारित प्रबंधन प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित करने की उम्मीद है। कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. जीके पाल, कार्यकारी निदेशक, एम्स पटना द्वारा किया गया और डॉ. सीएम सिंह, चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. प्रेम कुमार, डीन (अनुसंधान), डॉ. संजीव कुमार, सीटीवीएस विभाग के प्रमुख और डॉ. दिवेन्दु भूषण, आपातकालीन चिकित्सा विभाग के प्रमुख उपस्थित थे। प्रशिक्षकों के पैनल में मैक्स हेल्थकेयर के संकाय सदस्य थे, जिनमें डॉ. वनिता मित्तल (पाठ्यक्रम निदेशक), गौरव (कार्यक्रम प्रबंधक), आईजीआईएमएस से प्रशिक्षक के रूप में डॉ. स्वाति और डॉ. आलोक, मेदांता अस्पताल से प्रशिक्षक के रूप में डॉ. किशोर शामिल थे।

इस 3 दिवसीय मेगा इवेंट के दौरान 36 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। आयोजन सचिव, संकाय एवं प्रशिक्षक डॉ. विशाल वैभव ने कहा कि एम्स पटना के आपातकालीन चिकित्सा विभाग के प्रत्येक स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता को प्रशिक्षित करने के लिए निकट भविष्य में इस तरह के जीवन रक्षक कौशल का आयोजन बार-बार किया जाएगा।

पांच दिवसीय हेल्थ कांक्लेव के अंतर्गत हृदय रोग पर हुआ चर्चा

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। पांच दिवसीय हेल्थ कांक्लेव के अंतर्गत हेल्थ कांक्लेव के मौके पर पटना के एक निजी होटल में हृदय रोग पर चर्चा हुई रुबान मेमोरियल हॉस्पिटल,एसजी आई हॉस्पिटल एवं नेक्स्ट चैन इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से पूरे कार्यक्रम को कराया जा रहा है सोनी तिवारी के अध्यक्षता में कार्यक्रम कराया गया उनका कहना है कि इस कार्यक्रम के मुख्य संयोजक सस्था हल्दी इवेंट्स के ओर से पांच दिवसीय प्रोग्राम चल रहा है जैसे मैराथन, हेल्थ कॉन्फ्रेंस,सोसाइटी सेशन,कॉलेज कैंपियन, स्कूल प्रोग्राम ' मुख्य अतिथि के रूप में मंत्री बिहार सरकार जितेंद्र कुमार राय, डॉ सत्यजीत सिंह, सुमित सिंह,राजू जी,डॉक्टर विपिन कुमार, रविकांत सिंह,उपस्थित रहे।

मंत्री का कहना है कि इस प्रकार के आयोजन को हमेशा कराया जाना चाहिए ताकि लोग ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक हो सके वहां उपस्थित सभी डॉक्टरस एवं बिजनेस मैन का उन्होंने सम्मान किया। मौके पर उपस्थित मनीष सिन्हा, मुकेश सिन्हा, विशाल सिंह, पिंकू मिश्रा, राकेश राज, प्रतिमा कुमारी, मंजू बाला, शिप्रा कुमारी, रीमा बासु मौजूद रही इन संस्थाओं का भी रहा सहयोग उत्कर्ष स्माल फाइनेंस बैंक,शांतिलाल, ब्लूमेडिक्स, सुख गार्डन, वाइट टाइगर होम्स, नेक्सजन इंफ्रा,रबन,ऐ एस जी ऑय हॉस्पिटल।

लोजपा (रा) के संगठन विस्तार मे रविन्द्र कनौजिया जिला प्रवक्ता वं नीतीश जिला सचिव के पद पर मनोनीत

प्रात : किरण संवाददाता

अरवल :आगामी लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के पक्ष में बिहार में 40 लोकसभा में से 40 सो लोकसभा जितने एवं 2025 में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चिराग पासवान के मुख्यमंत्री बनाने के संकल्प के साथ अरवल जिला लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन ने संगठन को विस्तार करते हुए लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के नेता रविन्द्र कनौजिया को जिला प्रवक्ता एवं नीतीश कुमार को जिला सचिव के पद पर मनोनीत किया गया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं को नई जिम्मेवारी देने से लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के संगठन को मजबूती प्रदान करने में ताकत मिलेगी ।संगठन विस्तार के अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के वरिष्ठ नेता सह पालीगंज विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुनील यादव , जिला संगठन मंत्री रमेश रजक , अरवल प्रखंड अध्यक्ष सुनील कुमार , राजेन्द्र यादव , अमित कुमार मुख्य रूप से शामिल रहे ।

एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के एक्सटेंशन उद्घाटन में सीएम केजरीवाल को नहीं बुलाने पर छलका आप का दर्द

प्रात : किरण

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर-21 से यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 तक दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस लाइन के विस्तार का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को किया। उद्घाटन कार्यक्रम में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को आमंत्रित नहीं किया गया था। इस पर दिल्ली की सत्ता पर काबिज आम आदमी पार्टी भड़क गई। मंत्री आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके आलोचना की। वहीं, सांसद संजय सिंह और विधायक दुर्गेश पाठक ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर अपनी बातें कही। आतिशी ने कहा कि दो किलोमीटर की मेट्रो लाइन के उद्घाटन में सीएम अरविंद केजरीवाल को नहीं बुलाना। छोटी मानसिकता का उदाहरण है। दिल्ली मेट्रो में 50 फीसदी पैसा राज्य सरकार का लगता है। वहीं, सांसद संजय सिंह ने लिखा है, 'मोदी जी आपने राजनीति की न्यूनतम मयार्दा भी समाप्त कर दी है जिस दिल्ली मेट्रो में 50 फीसदी पैसा दिल्ली की सरकार ने लगाया है उसके उद्घाटन समारोह में सीएम को आमंत्रित न करना आपकी दुर्भावना भरी सोच को उजागर करता है।' दुर्गेश ने अपने अकाउंट पर लिखा है कि "आज प्रधानमंत्री जी दिल्ली मेट्रो एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के एक्सटेंशन का उद्घाटन कर रहे हैं। पूरी दुनिया को पता है कि दिल्ली मेट्रो में 50 फीसदी हिस्सेदारी दिल्ली सरकार की होती है और 50 फीसदी हिस्सेदारी केन्द्र सरकार की होती है। लेकिन मोदी जी माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के काम की राजनीति से इतना घबराए हुए हैं कि उन्होंने केजरीवाल जी को उद्घाटन में बुलाया तक नहीं"। उन्होंने आगे लिखा है कि "मोदी जी देश क्या इस तरह से आगे बढ़ेगा ?"।

दिल्ली मेट्रो रेल कॉपोरेशन का कहना है कि इस लाइन पर सामान्य यात्री दोपहर तीन बजे से यात्रा कर सकेंगे। इस लाइन पर मेट्रो परिचालन शुरू होने से नयी दिल्ली से यशोभूमि द्वारका सेक्टर-25 तक एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन की कुल लंबाई 24।9 किलोमीटर हो गई। अधिकारियों ने कहा कि नया स्टेशन द्वारका में शहरी संपर्क बढ़ाएगा और केंद्रीय दिल्ली से आईआईसीसी तक यात्रा की सुविधा प्रदान करेगा।

पीएम मोदी के जन्मदिवस पर यूथ कांग्रेस ने मनाया राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस

नई दिल्ली। देश भर में पीएम मोदी के जन्मदिन पर खुशियां मनाई जा रही है। भाजपा के तमाम कार्यकर्ता एवं नेता पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के अंदर कराए गए कार्यों का जगह-जगह गुणगान करते नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर भारतीय यूथ कांग्रेस की तरफ से रायसिना रोड स्थित भारतीय यूथ कांग्रेस कार्यालय में राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस मनाया गया। यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ता और नेता अपने कार्यालय में पकौड़ी, समोसे, ब्रेड इत्यादि बेचते हुए नजर आए। कांग्रेस कार्यकताओं का कहना है कि देश भर में बेरोजगारी और महंगाई अपने चरम पर है, इसके लिए भाजपा सरकार और पीएम मोदी जिम्मेवार है। इसलिए आज उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय बेरोजगार दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। कार्यकताओं ने कहा बड़ी हैरानी होती है कि देश में बेतहाशा महंगाई और बेरोजगारी बढ़ रही है। लोगों के पास काम धंधा नहीं है।

सम्पादकीय

हितों का मेल है

बाइडेन और मोदी ने जून में वॉशिंगटन में दोनों के बीच हुए समझौतों के अमल पर प्रगति की समीक्षा की। सिर्फ ढाई महीनों के अंदर उन समझौतों पर अमल किस तेजी से आगे बढ़ा है, वह सचमुच ध्यान खींचने वाला है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई मुलाकात ने इस बात की पुष्टि की कि भारत और अमेरिका में आपसी हितों का मेल पुख्ता शक्ल ले चुका है। जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आए बाइडेन और मोदी ने जून में वॉशिंगटन में दोनों के बीच हुए समझौतों के अमल पर प्रगति की समीक्षा की। सिर्फ ढाई महीनों के अंदर उन समझौतों पर अमल किस तेजी से आगे बढ़ा है, वह सचमुच ध्यान खींचने वाला है। ड्रोन सौदे से लेकर अमेरिकी नौसेना के जहाजों को भारतीय बंदरगाहों पर मरम्मत की सेवा देने के लिए हुए समझौते अमली जामा पहन चुके हैं। इस रूप में कहा जा सकता है कि भारत अब अमेरिका की इंडो-पैसिफिक रणनीति में सक्रिय भूमिका निभाने की दिशा में काफी आगे बढ़ चुका है। यह खबर भी गौरतलब है कि अमेरिका के भारत से यह पूछने के बाद कि ताइवान पर चीनी हमला होने पर वह उस युद्ध में कैसी भूमिका निभाएगा, भारतीय सेना ने अपनी संभावित भूमिका की पड़ताल के लिए एक समिति का गठन किया है।जब भारत ने भू-राजनीतिक मामलों ने यह भूमिका अपनाई है, तो इस बात को समझा जा सकता है कि बाइडेन प्रशासन क्यों भारत- खासकर प्रधानमंत्री मोदी को खुश रखने के लिए उतावला है। उतावलापन इस हद तक है कि अपने राष्ट्रपति की विदेशी नेताओं से होने वाली वार्ता के बाद प्रश्न पूछने की अमेरिकी पत्रकारों की परंपरा को ताक पर रखने के लिए उसने तमाम तर्क ढूंढे। उधर अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने पत्रकारों से कहा कि वे यहां किसी देश में नागरिक स्वतंत्रता की स्थिति का स्कोर कार्ड दिखाने नहीं आए हैं। निहितार्थ यह कि अपने भू-राजनीतिक हितों को आगे बढ़ाने की जुगत में अमेरिका ने खुद ही यह जग-जाहिर कर दिया है कि लोकतंत्र एवं मानव अधिकार जैसे मुद्दे उसके लिए रणनीतिक हथियार हैं, यह कोई निष्ठा की बात नहीं है। उधर अमेरिका की मौजूदा जरूरत को मोदी ने बेहतर ढंग से भांप रखा है और घरेलू राजनीति में अपना हित साधने के लिए उसका खूब इस्तेमाल कर रहे हैं।

जी-20 का डंका बजता रहेगा

अजीत द्विवेदी

जी-20 का शिखर सम्मेलन समाप्त हो गया है लेकिन उसका डंका बजना अभी जारी रहेगा। अभी तक भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलने और उसके आयोजन की तैयारियों को लेकर जय-जयकार हो रही थी लेकिन अब सफल आयोजन का डंका बजेगा। दुनिया भर के देशों के नेता दिल्ली से लौटते लौटते भारत के आयोजन की तारीफ करके गए हैं। जी-20 के नए अध्यक्ष ब्राजील के राष्ट्रपति इनासियो लूला डी सिल्वा ने तो यहां तक कहा कि उनका देश भारत की तरह ही आयोजन करने की भरपूर कोशिश करेगा। आयोजन की भव्यता के साथ साथ इसकी सफलता को लेकर भी बहुत चर्चा हुई है। नई दिल्ली घोषणापत्र पर सौ फीसदी सहमति की तारीफ अलग अलग तरह से सभी देशों ने की। इस घोषणापत्र को रूस ने अपनी जीत बताया तो फ्रांस के राष्ट्रपति ने यूरोप की जीत बताया। भारतीय मीडिया में इस बात का भरपूर प्रचार हुआ कि भारत ने 37 पन्नों और 83 पैराग्राफ के नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनवाई। यह भारत की कूटनीतिक जीत है कि इसकी तारीफ रूस भी कर रहा है और यूरोप भी। सारी दुनिया भारत के नेतृत्व यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की तारीफ कर रही है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने यह कह कर भारत का मान और बढ़ा दिया कि सही समय पर सही देश को जी-20 का नेतृत्व मिला। इस तरह जी-20 की कूटनीति के बाद अब इसके राजनीतिक इस्तेमाल के लिए मैदान सज गया है।ऐसा नहीं है कि पहले इसका राजनीतिक इस्तेमाल नहीं हो रहा था। जब से भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिली तभी से इसका इस्तेमाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्वगुरू की छवि बनाने के लिए किया जाने लगा था। उसके बाद एक सच्चे और बड़े इवेंट के आयोजक की तरह प्रधानमंत्री ने इसका विस्तार बहुत व्यापक कर दिया। पिछले साल दिसंबर में भारत को इसकी अध्यक्षता मिली थी उसके बाद नौ महीने में देश के 60 शहरों में जी-20 से जुड़ी 220 से ज्यादा बैठकें हुईं। इन बैठकों में दुनिया के अलग अलग देशों के 25 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल हुए। ब्राजील में सिर्फ पांच शहरों में बैठकें होंगी। भारत में पर्यटन से लेकर खाद्य सुरक्षा और लघु व छोटे उद्योगों से लेकर स्वास्थ्य तक हर क्षेत्र के बारे में विचार किया गया और उसका रोडमैप तैयार किया गया। अफ्रीकी संघ के 55 देशों की इसमें बड़ी भागीदारी रही और जी-20 शिखर सम्मेलन के पहले दिन अफ्रीकी संघ को जी-20 का हिस्सा बनाने का ऐलान हुआ। भारत को इसका श्रेय मिला कि उसने वसुधैव कुटुम्बम और अपने समावेशी विकास के सिद्धांत पर चलते हुए अफ्रीका को इस विकसित देशों के समूह का हिस्सा बनवाया।आमतौर पर वित्त और विदेश नीति से देश की आम जनता को कोई खास मतलब नहीं होता है। तभी 24 घंटे चलने वाले न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया के बावजूद बजट से लोगों को इतना ही मतलब होता है कि क्या महंगा हुआ और क्या सस्ता और कूटनीति से सिर्फ इतना सरोकार होता है कि पाकिस्तान को भारत ने ठीक कर दिया, पाकिस्तान जाकर क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं, उनके यहां आना-जाना बंद कर दिया है आदि। थोड़े पढ़े लिखे लोगों का सरोकार इतना होता है कि अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप, कनाडा आदि का वीजा मिल जाए। यह पहला मौका था, जब सरकार ने जी-20 के बहाने कूटनीति को पढ़े-लिखे, सम्भ्रांत शहरी वर्ग के ड्राइंग रूम से निकाल कर गांव-कस्बों के चौपाल और चाय की दुकान तक पहुंचा दिया। पिछले नौ महीने से हर व्यक्ति जी-20 के बारे में बात करता हुआ था। उसे इसका एजेंडा भले न मालूम हो लेकिन यह पता चल गया था कि भारत में बहुत बड़ा आयोजन हो रहा है, जिसमें दुनिया की सारी महाशक्तियों के नेता नई दिल्ली में जुट रहे हैं। सरकार, भाजपा और आरएसएस के प्रचार तंत्र से उनको यह भी पता चल गया था कि मोदी हैं तभी ऐसा हो रहा है। देश की ज्यादातर आबादी अब भी यही मान रही है कि पहली बार इस तरह का आयोजन भारत में हुआ है।बची खुची कसर आयोजन के तीन दिन यानी आठ और दस सितंबर की कवरेज ने पूरी कर दी। दुनिया के महाबली देशों के विमानों का हवाईअड्डे पर उतरना, नेताओं का भारत मंडपम में पहुंचना, मोदी का उन्हें गले लगाना, दुनिया की महाशक्तियों के बीच बैठे मोदी का गैवल यानी हथौड़ा पीटना और राजघाट पर एक साथ 20 से ज्यादा नेताओं और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों का नेतृत्व करते हुए उन्हें महात्मा गांधी की समाधि पर ले जाना, इन सबसे बेहद पावरफुल तस्वीर बनी। भूख, बेरोजगारी, गरीबी अपनी जगह है और गर्व अपनी जगह है। राष्ट्र का सम्मान, तिरंगे का गौरव आदि ऐसी भावनाएं हैं, जो नागरिकों को अपने जीवन की तमाम असुविधाओं और परेशानी से आगे ले जाती हैं। इस आयोजन के बाद यह कहते हुए बहुत से लोग मिल जाएंगे कि कुछ भी हो मोदी ने कमाल कर दिया। यह धारणा अपने आप भाजपा और नरेंद्र मोदी का चुनावी स्टॉक ऊंचा करने वाली है। इसके बाद जो प्रचार होगा उससे रही सही कसर और पूरी हो जाएगी।प्रचार की शुरूआत भी हो गई है। शिखर सम्मेलन समाप्त होने के तुरंत बाद सरकार के मंत्रियों और भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की ओर से प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कमान संभाली। दोनों ने शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए मोदी को बधाई दी। इस आयोजन के लिए भारत के शेरपा रहे अमिताभ कांत और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहले ही दिन ऐलान कर दिया कि भारत का नेतृत्व दुनिया में घोषित हो गया। अखबारों में यह लिखा जाने लगा कि जी-20 का सफल आयोजन भारत के लिए वही लम्हा है, जो 2008 में बीजिंग ओलंपिक का आयोजन चीन के लिए था। यानी जिस तरह से बीजिंग ओलंपिक के आयोजन के बाद चीन महाशक्ति बनने की ओर तेजी से बढ़ा उसी तरह भारत जी-20 के आयोजन के बाद बढ़ेगा। इस आयोजन के बाद दो और आयोजन की घोषणा हो चुकी है। पहले 18 से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जय-जयकार होगी, उनका अभिनंदन होगा। फिर मोदी ने नवंबर में जी-20 के एक वर्चुअल सम्मेलन का प्रस्ताव रखा है, जिसमें नई दिल्ली घोषणापत्र के प्रस्तावों पर अमल की समीक्षा होगी। प्रधानमंत्री मोदी चाहेंगे कि दिल्ली सम्मेलन की चर्चा होती रहे। इस बीच यह समय युद्ध का नहीं है के अपने जुमले के लिए मोदी नोबल पुरस्कार के लिए नामित होते हैं तो उसकी अलग चर्चा होगी।अगर जी-20 के एजेंडे को देखें और इसके प्रस्ताव पर नजर डालें तब भी सब कुछ अच्छा अच्छा दिखेगा। इसमें बार बार वसुधैव कुटुम्बकम की बात है, समावेशी विकास की बात है, लैंगिक समानता व सभी महिलाओं को सशक्त बनाने की चर्चा है, भविष्य के लिए हरित विकास की बात है, टिकाऊ विकास और डिजिटल डिवाइड को दूर करने की बात है, बहुपक्षीय संस्थानों के निर्माण पर जोर है और दुनिया के देशों के बीच एकता बनाने की बात है। वन अर्थ, वन फैमिल, वन फ्यूचर का संदेश है।

मोदी-शाह की जोड़ी एक साथ कई मुद्दे उछाल कर विपक्ष को कन्फ्यूज कर देती है

भारत शब्द हमारी खाटी संस्कृति, देशी रीति-रिवाजों और पुरानी परंपराओं की आत्मा है, तभी उसे भारत माता कहके पुकारते आए हैं। गुजरा वक्त इसी शब्द से गुलजार रहा था। लेकिन जब अंग्रेजों की घुसपैठ हुई, तो उन्होंने अपने मुफादित नया नाम ह्यइंडियाह्न गढ़ दिया जिसे भारतीयों को ना चाहते हुए भी अपनाना पड़ा। 200 सालों तक देश उनका बंधक रहा, इस बीच ये नाम भी प्रचलित होता गया। आजादी से लेकर आजतक यानी 275 वर्षों से भारत की जगह इंडिया शब्द ही बोला और लिखा जाता रहा। समूचा संसार भी इंडिया से ही जानता-पहचानता और पुकारता है। ये सच्चाई वैसे हम सभी जानते हैं कि भारत का अंग्रेजी नाम इंडिया अंग्रेजों की देन है। क्योंकि इंडिया की उत्पत्ति इंडस यानी सिंधु शब्द से है जो यूनानियों द्वारा चौथी सदी ईसा पूर्व से प्रचलन में रही। इंडिया नाम पुरानी अंग्रेजी में 9वीं सदी में और आधुनिक अंग्रेजी में 17वीं सदी से मिलता है। चाहे प्राचीन भारत की बात हो, या आधुनिक समय की, दोनों के परिसंगम में हमारी परंपराओं और घरेलू संस्कृतियों में इंडिया शब्द का कोई वास्ता नहीं? पर, शायद अब भारत के माथे पर जबरन गोदा गया इंडिया नाम सदैव के लिए लुप्त होने की कगार पर है जिसकी अधिकृत शुरूआत देश की महामहिम द्वारा उस समय हुई, जब उनके कार्यालय से जी-20 कार्यक्रम को लेकर नामचीन हस्तियों को निमंत्रण भेजे गए।

डॉ. रमेश ठाकुर
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

चाहे प्राचीन भारत की बात हो, या आधुनिक समय की, दोनों के परिसंगम में हमारी परंपराओं और घरेलू संस्कृतियों में इंडिया शब्द का कोई वास्ता नहीं? पर, शायद अब भारत के माथे पर जबरन गोदा गया इंडिया नाम सदैव के लिए लुप्त होने की कगार पर है।

भारत शब्द हमारी खाटी संस्कृति, देशी रीति-रिवाजों और पुरानी परंपराओं की आत्मा है, तभी उसे भारत माता कहके पुकारते आए हैं। गुजरा वक्त इसी शब्द से गुलजार रहा था। लेकिन जब अंग्रेजों की घुसपैठ हुई, तो उन्होंने अपने मुफादित नया नाम ह्यइंडियाह्न गढ़ दिया जिसे भारतीयों को ना चाहते हुए भी अपनाना पड़ा। 200 सालों तक देश उनका बंधक रहा, इस बीच ये नाम भी प्रचलित होता गया। आजादी से लेकर आजतक यानी 275 वर्षों से भारत की जगह इंडिया शब्द ही बोला और लिखा जाता रहा। समूचा संसार भी इंडिया से ही जानता-पहचानता और पुकारता है। ये सच्चाई वैसे हम सभी जानते हैं कि भारत का अंग्रेजी नाम इंडिया अंग्रेजों की देन है। क्योंकि इंडिया की उत्पत्ति इंडस यानी सिंधु शब्द से है जो यूनानियों द्वारा चौथी सदी ईसा पूर्व से प्रचलन में रही। इंडिया नाम पुरानी अंग्रेजी में 9वीं सदी में और आधुनिक अंग्रेजी में 17वीं सदी से मिलता है।

चाहे प्राचीन भारत की बात हो, या आधुनिक समय की, दोनों के परिसंगम में हमारी परंपराओं और घरेलू संस्कृतियों में इंडिया शब्द का कोई वास्ता नहीं? पर, शायद अब भारत के माथे पर जबरन गोदा गया इंडिया नाम सदैव के लिए लुप्त होने की कगार पर है जिसकी अधिकृत शुरूआत देश की महामहिम द्वारा उस समय हुई, जब उनके कार्यालय से जी-20 कार्यक्रम को लेकर नामचीन हस्तियों को निमंत्रण भेजे गए। निमंत्रण पत्र में उनके पद से ह्यइंडियाह्न शब्द हटा हुआ दिखा। अक्सर, भारत के राष्ट्रपति के पद के आगे ह्यदा प्रेसिडेंट ऑफ इंडियाह्न लिखा होता था। पर, उस स्थान पर ह्यदा प्रेसिडेंट ऑफ भारतह्न शब्द दिखाई दिया। जाहिर है इसके बाद सियासी हंगामा कटता और हंगामा कटते हुए देर नहीं लगी? हिंदुस्तान के तकरीबन सभी सियासी दल केंद्र सरकार विशेषकर प्रधानमंत्री पर हमलावर हो गए हैं। सभी एक सुर में बोलने लगे कि प्रधानमंत्री संविधान से भी छेड़छाड़ करने लगे हैं।

कांग्रेस नेता जयराम की टिप्पणी आई, बोले इंडिया शब्द से आपत्ति क्यों है प्रधानमंत्री को? क्या इसलिए कि जब से विपक्षी दलों ने सामूहिक रूप से अपने संयुक्त गठबंधन का नाम इंडिया रख लिया है। जबकि, इससे पूर्व अपने नौ वर्षों के कार्यकाल में प्रधानमंत्री ने अपनी करीब 150 योजनाओं के नाम इंडिया शब्द से ही रखे। चाहे खेलो इंडिया हो या स्टार्टअप इंडिया? विपक्ष इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बनाने के मूड में है। समूचा विपक्ष विशेष सत्र में इसे मजबूती से उठाएगा। लेकिन, सरकार ने सत्र आने से पहले ही ऐसा धमाका कर दिया जिससे विपक्ष में भगदड़ मच गई। उनमें अभी तक शोर सिर्फ ह्यएक देश, एक चुनावह्न को लेकर था। लेकिन एक और बड़ा बम फोड़ डाला। मोदी-शाह की जोड़ी एक बात ठीक से जानती है कि एक साथ इतने मसले उठा दो, जिससे विपक्ष कन्फ्यूज हो जाए, कि कौन-सा उठाएं, कौन-सा नहीं? बहरहाल, ह्यइंडियाह्न को ह्यभारतह्न कर देना, ये संवैधानिक रूप से सभी सियासी दलों के साथ मंत्रणा करने वाला मुद्दा है। हालांकि अभी भी संदेह के कुछ बादल मंडरा रहे हैं। मात्र राजनीतिक गलियारों में ही चचाएं हैं। स्थिति अभी भी साफ नहीं है कि वास्तव में ऐसा होगा, या संविधान से इंडिया शब्द को हमेशा के लिए हटाया जाएगा। केंद्र सरकार द्वारा बुलाए जा रहे विशेष सत्र में क्या इस मसले पर चर्चा होगी? मसौदा पेश होगा या फिर कोई बिल लाया जाएगा? वैसे, मुद्दा ज्यादा पेचीदा नहीं है कि आसानी से सुलझाया ना जाए? पर, बात वहीं आकर अटक जाती है कि क्या इस बाबत केंद्र सरकार विपक्ष को विश्वास में लेगी, या पूर्व की भांति इस बार भी सबको दरकिनार करके अपने निर्णय पर आगे बढ़ेगी। विपक्षी दल ज्यादातर इसी बात से नाखुश हैं कि सरकार किसी बड़े निर्णय में उन्हें शामिल नहीं करती, अपने मन-मुताबिक फैसले ले लेती है। भारत-इंडिया की लड़ाई के इतर अगर बात करें, तो केंद्र में मोदी सरकार के बीते साढ़े नौ वर्षों के कार्यकाल में बहुत कुछ बदला-उल्टा गया। देखा जाए तो कहीं-कहीं जरूरी भी था। मुगल, शाहजहां व अकबर जैसे तमाम पूर्व शासकों के वक्त के इतिहास को बदला गया। उनके द्वारा रखे गए नामों को हटाने का कार्य बीते कई वर्षों से बदस्तूर जारी है। जैसे, पुरानी इमारतें, रेलवे स्टेशनों आदि का नया नामकरण हुआ। इसके अलावा अंग्रेजों के वक्त से चले आ रहे करीब 1500 सौ पुराने कानूनों को खत्म किया है। अंग्रेजों की बनाई संसद को भी स्वदेशी नए भवन में हस्तांतरित कर दिया गया है। इंडिया नाम पड़ने की थ्योरी से तो सभी वाकिफ हैं, लेकिन भारत कैसे पड़ा। इसकी मुकम्मल जानकारियों का बहुत अभाव रहा है। हालांकि, भारत शब्द के पीछे तर्क कोई एक नहीं, बल्कि बहुतेरे हैं। पर, हिंदुओं के महान पौराणिक ग्रंथ ह्यस्कन्द पुराणह्न के अध्याय संख्या-37 के मुताबिक ऋषभदेव नाभिराज के पुत्र का नाम भारत था, जो बड़े बलशाली और शूरवीर थे, उन्हीं के नाम से हमारे देश का नाम भरत पड़ा। इसका उल्लेख कई जगहों पर मिल जाएगा कि भारतवर्ष का नाम ऋषभदेव के पुत्र भरत के नाम पर हुआ। हिंदुस्तान शब्द की भी अपनी एक अद्भुत कहानी है। ज्यादातर लोग यही समझते हैं कि हिंदुस्तान हिंदुओं की बहुतायत के चलते पड़ा। जबकि, ऐसा है नहीं? हिन्दू और हिन्द दोनों फारसी शब्द हैं जो इंडो-आर्यन संस्कृत सिंधु से आए हैं। आचमेनिड सम्राट डेरियस प्रथम ने लगभग 516 ईसा पूर्व में सिंधु घाटी पर विजय प्राप्त की थी, जिसके बाद ये शब्द सिंधु घाटी के लिए इस्तेमाल किया गया।

इंडिया शब्द को हटाने को लेकर सियासत में सुगबुगाहट ही नहीं, बल्कि गर्माहट भी बढ़ गई है। चचाएं ऐसी हैं कि हो सकता है बुलाए गए संसद के विशेष सत्र में केंद्र सरकार संविधान से ह्यइंडियाह्न शब्द को हटाने कोई बिल आए। प्रस्ताव की तैयारियों की हलचल दिखने भी लगी है। अभी कुछ दिन पहले ही तो आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी कहा था कि सदियों से हमारे देश का नाम भारत रहा है? यही रहना चाहिए। इसके लिए उन्होंने केंद्र सरकार से बाकायदा अपील की है कि इंडिया की जगह भारत शब्द का इस्तेमाल हो। फिलहाल इस मसले को लेकर राजनीति जबरदस्त शुरू हो गई है। पर, ज्यादातर देशवासी इस पक्ष में हैं कि देश को भारत ही बोला जाए। यूरोपीय देशों की भांति अगर इस मसले को लेकर केंद्र सरकार जनमत करवाए, तो परिणाम निश्चित रूप से उनके पक्ष में होंगे। बावजूद इसके मसला भयंकर रूप से पेचीदा है, विपक्ष इतनी आसानी से इंडिया को भारत शायद ही होने दे। आगामी संसद के विशेष सत्र पर बहुत कुछ निर्भर करता है कि उसमें क्या वास्तव में इसको लेकर केंद्र सरकार विधेयक लाएगी। अगर लाएगी तो क्या उन्हें सफलता मिलेगी। फिलहाल ये मुद्दा संसद सत्र तक गर्म रहेगा, ये तय है।

जी-20 शिखर सम्मेलन ने विश्व भर में भारत की प्रतिष्ठा को बढ़ाने का काम किया

भारत के इतिहास का यह पहला अवसर है जब उसने समूची दुनिया की महाशक्तियों को एक साथ एक मंच पर एकत्र कर अपनी उभरती राजनीतिक छवि की धाक एवं धमक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उजागर की है। निश्चित ही हर भारतीय के लिये यह देखना दिलचस्प ही नहीं सुखद बना कि चुनौती बना जी-20 का यह दो दिवसीय शिखर सम्मेलन एक उपलब्धि एवं नये भारत के अभ्युदय में तब्दील हो गया। पहले ही दिन जिस तरह सभी सदस्य देशों के बीच सहमति बनाने और साझा घोषणा पत्र जारी करने में सक्षम हुआ, वह उसके राजनीतिक परिपक्वता एवं कूटनीतिक कौशल का कमाल ही है। साझा घोषणा पत्र पर सहमति कायम होना इसलिए भारतीय नेतृत्व की एक बड़ी जीत है, क्योंकि इसकी आशंका थी कि यूक्रेन युद्ध के कारण साझा घोषणा पत्र तैयार होना कठिन होगा। नि :संदेह महत्वपूर्ण केवल यह नहीं है कि भारत साझा घोषणा पत्र जारी कराने में सफल हुआ, बल्कि यह भी है कि इसके माध्यम से वह बड़े देशों को यह संदेश देने में सक्षम हुआ कि टिकाऊ, संतुलित एवं समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ना समय की मांग है।

ललित गर्ग
लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं

जी-20 के शिखर सम्मेलन की अनेकानेक स्वर्णिम उपलब्धियों में एक बड़ी उपलब्धि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी भी पेश होना है। प्रधानमंत्री ने यह दावेदारी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उसके स्थायी सदस्यों की संख्या वही है, जो इस संस्था के गठन के समय थी।

भारत के इतिहास का यह पहला अवसर है जब उसने समूची दुनिया की महाशक्तियों को एक साथ एक मंच पर एकत्र कर अपनी उभरती राजनीतिक छवि की धाक एवं धमक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उजागर की है। निश्चित ही हर भारतीय के लिये यह देखना दिलचस्प ही नहीं सुखद बना कि चुनौती बना जी-20 का यह दो दिवसीय शिखर सम्मेलन एक उपलब्धि एवं नये भारत के अभ्युदय में तब्दील हो गया। पहले ही दिन जिस तरह सभी सदस्य देशों के बीच सहमति बनाने और साझा घोषणा पत्र जारी करने में सक्षम हुआ, वह उसके राजनीतिक परिपक्वता एवं कूटनीतिक कौशल का कमाल ही है। साझा घोषणा पत्र पर सहमति कायम होना इसलिए भारतीय नेतृत्व की एक बड़ी जीत है, क्योंकि इसकी आशंका थी कि यूक्रेन युद्ध के कारण साझा घोषणा पत्र तैयार होना कठिन होगा। नि:संदेह महत्वपूर्ण केवल यह नहीं है कि भारत साझा घोषणा पत्र जारी कराने में सफल हुआ, बल्कि यह भी है कि इसके माध्यम से वह बड़े देशों को यह संदेश देने में सक्षम हुआ कि टिकाऊ, संतुलित एवं समावेशी विकास की दिशा में आगे बढ़ना समय की मांग है। विश्व स्तर पर उभरती प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख का ही यह परिणाम है। यह शिखर सम्मेलन भारत की विश्व प्रतिष्ठा का एक दुर्लभ अवसर बनकर प्रस्तुत हुआ है। एक अविस्मरणीय, ऐतिहासिक, सफल एवं सार्थक आयोजन के रूप में भारत को समूची दुनिया सुदीर्घ काल तक याद करेंगी एवं भविष्य में ऐसे आयोजनों के लिये भारत का चयन करते हुए एवं जिम्मेदारी देते हुए कोई हिचक नहीं होगी। निश्चित ही इस सम्मेलन की अनेक शिखर उपलब्धियां एवं अमिट आलेख सृजित हुए है, यूं लगता है मोदी विश्व-दर्शन एवं विश्व एकता के पुरोधा बनकर प्रस्तुत हुए, उनका अथ से इति तक का पूरा जी-20 अध्यक्षीय सफर पुरुषार्थ की प्रेरणा बना। विश्व के नव-निर्माण का संकल्प बना।

जी-20 के शिखर सम्मेलन की अनेकानेक स्वर्णिम उपलब्धियों में एक बड़ी उपलब्धि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी भी पेश होना है। प्रधानमंत्री ने यह दावेदारी प्रस्तुत करते हुए कहा कि उसके स्थायी सदस्यों की संख्या वही है, जो इस संस्था के गठन के समय थी। संयुक्त राष्ट्र का गठन 51 देशों के साथ हुआ था। आज उसके सदस्यों की संख्या दो सौ के करीब पहुंच गई है, लेकिन सुरक्षा परिषद में वही के वही पांच सदस्य हैं। भारत की एक और उपलब्धि 55 देशों के संगठन अफ्रीकी संघ को जी-20 की सदस्यता दिलाकर इसे जी-21 में बदल देना भी भावी विकास और अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की दृष्टि से महत्वपूर्ण बना। अफ्रीकी संघ के सदस्य बनने से जी-20 में दक्षिणी देशों का प्रतिनिधित्व बढ़ेगा। अभी तक वहां जी-7 देशों, यूरोपीय संघ के 25 देशों, रूस, चीन और तुर्किए को मिलाकर उत्तर का पलड़ा भारी था। अफ्रीकी देशों की सदस्यता के बाद दक्षिणी देशों की संख्या बढ़ जाएगी। वैसे चीन और रूस दोनों अफ्रीकी देशों को सदस्यता दिलाने का श्रेय लेने की कोशिश कर रहे हैं। चीन ने पिछले दो-तीन दशकों से अफ्रीकी देशों में भारी निवेश किया है और रूस भी निवेश के साथ-साथ राजनीतिक उठापटक कराने में लगा रहता है, पर चीनी निवेश से अफ्रीकी देशों में कर्ज संकट पैदा हुआ है और रूस के भाड़े के सैनिक अफ्रीकी देशों में विद्रोह करा रहे हैं। भारत के अफ्रीका से हजारों साल पुराने व्यापारिक और सामाजिक रिश्ते हैं। भारत का स्वाधीनता आंदोलन अफ्रीकी देशों के स्वाधीनता आंदोलनों का प्रेरणास्रोत बना। गुटनिरपेक्ष आंदोलन का नेतृत्व करते हुए भारत हमेशा दक्षिणी देशों की आवाज बुलंद करता आया है। इसलिए अफ्रीकी संघ को उत्तर और दक्षिण के साझा मंच जी-20 की सदस्यता दिलाने से भारत को स्वाभाविक रूप से दक्षिण की आवाज बनने में मदद मिलेगी। इस कदम से भारत की अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति मजबूत होगी एवं दक्षिणी देशों में भारत के संबंध अधिक प्रगाढ़ हो सकेंगे।

हालांकि भारत ने अगले जी-20 शिखर सम्मेलन की कमान ब्राजील के राष्ट्रपति को सौंप दी है, लेकिन अभी उसके पास नवंबर तक इस संगठन की अध्यक्षता है। नई दिल्ली घोषणा पत्र में जिन विषयों एवं मुद्दों पर सहमति बनी, अब उन पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। क्योंकि आम तौर पर विभिन्न वैश्विक मंचों पर जिन मुद्दों पर सहमति बन जाती है, उन पर अमल नहीं हो पाता। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से बचने के उपायों पर आम राय तो बनी, लेकिन उन पर अपेक्षित ढंग से अमल नहीं हो पा रहा है। यह भी किसी से छिपा नहीं कि संयुक्त राष्ट्र में जिन विषयों पर सहमति कायम हो जाती है, उन पर भी काम नहीं हो पाता। शायद इसी कारण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र में सुधार की मांग पर एक बार फिर बल दिया। इस सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व नेता के रूप में विश्व चुनौतियों एवं समस्याओं को न केवल प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया बल्कि उनके समाधान के रास्ते भी बताये। भारत ने विषम परिस्थितियों में जी-20 के सदस्य देशों के बीच सहमति कायम करने का कठिन माना जाने वाला काम कर दिखाया, इसलिए विश्व में उसकी प्रतिष्ठा भी बढ़ी और दुनिया को यह संदेश भी गया कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मामलों में उसका सहयोग लेना आवश्यक हो गया है। भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन में जैसा कूटनीतिक कौशल दिखाया और विश्व पर अपनी जैसी छाप छोड़ी, उससे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का उसका दावा और मजबूत हो गया है। इस दावे की मजबूती का एक आधार यह भी है कि भारत ने यह प्रदर्शित किया कि वह वसुधैव कुटुंबकम् की अपनी अवधारणा के तहत वास्तव में विश्व कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

रूस-यूक्रेन युद्ध एवं चीन की बढ़ती विस्तारवादी सोच के कारण बदलते वैश्विक समीकरण ने यह सवाल खड़ा कर दिया था कि इस अहम अंतरराष्ट्रीय मंच की प्रासंगिकता आगे उस रूप में बनी रह पाएगी या नहीं, जैसी अब तक रही है। ये सवाल तब और गहरे हो गए, जब पहले रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और फिर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने साफ कर दिया कि वे इस शिखर सम्मेलन में शामिल नहीं हो रहे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की दूरगामी सोच, कूटनीति एवं कौशल के कारण न केवल जी-20 की प्रासंगिकता बढ़ी है बल्कि दुनिया को एक परिवार के रूप में आकार देने के संकल्प को बल मिला है। भारत अंतरराष्ट्रीय हितों का संरक्षक बनने के साथ विश्व को दिशा देने में भी समर्थ हो रहा है। इसका परिचय प्रधानमंत्री मोदी की ओर से स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन बनाने की घोषणा से मिला। इसके पहले भारत अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की शुरूआत कर चुका है। उसने वैश्विक हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और एक बेहतर दुनिया के निर्माण के लिए एक-दूसरे पर भरोसा करने और मिलकर काम करने की महत्ता को प्रभावी ढंग से रेखांकित किया। विरोधी विचारधाराओं को एक मंच पर लाना एवं उनमें सहमति बनाना इस सम्मेलन की खास बात रही है। भारत ने असंभव को संभव कर दिखाया, खेमों में बंटी दुनिया को एक कुटुंब के रूप में जोड़ने में वह सफल रहा। इस मतलबी दुनिया में किसे इतनी फुर्सत है कि वह अपनी तुला पर किसी को तुलने दे? भला कब लगा पाते हैं उजालों में जीने वाले अंधेरों के जख्मों पर मरहम? लेकिन इस सम्मेलन में दो खेमों में बंटे देश मानवीयता की दृष्टि से एक होते हुए नजर आये, यह इस सम्मेलन की निश्चित ही बड़ी उपलब्धि है।

आम चुनाव से पहले 5 लाख गांवों में 1000 साधु संत

सनत जैन

अयोध्या में भव्य राम मंदिर के लोकार्पण और लोकसभा के चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए विश्व हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने एक बड़ी रणनीति तैयार की है। इस रणनीति के अनुसार नवंबर माह के पहले सप्ताह से विश्व हिंदू परिषद द्वारा समर्थित भारतीय संत समिति और अखाड़ा परिषद के 1000 से ज्यादा संत 5 लाख गांवों में जाकर राम मंदिर निर्माण लोकार्पण एवं चुनाव को ध्यान में रखते हुए सियासी धार्मिक ध्रुवीकरण करने का प्रयास करेंगे। इसके लिए 2 नवंबर से विधिवत कार्यक्रम बनाया गया है। जिन साधु-संतों को इस काम में लगाया जा रहा हैं, वह पहले उन राज्यों में जाएंगे, जहां पर विधानसभा चुनाव है। उसके बाद उन राज्यों में ज

उदासीन आश्रम डेरे के बाबा पर लगा बेअदबी का आरोप, गुरु ग्रंथ साहिब को सही तरीके से ना रखने पर 5 लोगों पर केस दर्ज

करनाल, एजेंसी। जिले में उदासीन आश्रम डेरे के बाबा पर बेअदबी के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि उसके डेरे में गुरु ग्रंथ साहिब और उसके अलावा वहां पर कई और स्वरूप हैं, जिनकी देखभाल वो सही तरीके से नहीं करता है। जिसके बाद आज सिख समाज के लोग पहले गुरुद्वारा डेरा कार सेवा में इक्कठे हुए और उसके बाद वहां से निर्णय लेकर सभी मधुबन थाने गए। वहां पर ही बैठकर सिख समाज के लोगों ने फैसला लिया कि एक तो उसके डेरे से उन स्वरूपों को उठाकर गुरुद्वारे में रखा जाए और दूसरा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। वहीं थाने में बैठकर सिख समाज के लोगों ने पाठ शुरू कर दिया। मामले को बढ़ता देख पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और सिख समाज के कुछ लोगों के साथ उस व्यक्ति के डेरे पर जाकर वहां से उन स्वरूपों को सम्मान के साथ उठाया और गुरुद्वारे में रखकर आए। इससे पहले भी बेअदबी के कई मामले अलग-अलग जगह सामने आए हैं। फिलहाल अभी भी सिख समाज के लोग उस व्यक्ति पर कार्रवाई कर गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

चंडीगढ़ डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने मंत्री संदीप सिंह को दी सशर्त जमानत, 10 अक्तूबर को होगी अगली सुनवाई

चंडीगढ़, एजेंसी। जूनियर महिला कोच से छेड़छाड़ मामले में हरियाणा सरकार में खेल मंत्री संदीप सिंह को आद चंडीगढ़ जिला अदालत ने सशर्त जमानत दे दी है। संदीप सिंह आज सुबह 10 बजे चण्डीगढ़ डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पेश हुए। वहां उन्होंने राहुल गर्ग की कोर्ट में अपनी जमानत के बॉन्ड भरे। कोर्ट की ओर से अगली सुनवाई के लिए 10 अक्तूबर की तारीख तय की गई है। वहीं पीड़ित पक्ष की ओर से वकील दीपांशु बंसल मौजूद हुए। उन्होंने ट्रायल कोर्ट से अनुरोध किया कि वह आरोपी की गिरफ्तारी के संबंध में कोर्ट के द्वारा पारित आदेशों में लगाई गई शर्तों पर विचार करें। जिसके बाद कोर्ट ने मंत्री संदीप सिंह को सशर्त जमानत दे दी। मंत्री के वकील रविंद्रा पंडित ने उत्तराखंड हाईकोर्ट के सौभाग्य भगत बनाम उत्तराखंड सरकार के वर्ष 2021 के जमानत याचिका में 24 अगस्त 2023 को आय फैसले को आधार बनाया। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट बनाम सीबीआई के 2023 के फैसले को भी आधार बनाया गया।

पिस्तौल के बल पर की छात्रा से दोस्ती, फिर वीडियो बनाकर कर रहा ब्लैकमेल, मामला दर्ज

हिसार, एजेंसी। उकलाना निवासी एक छात्रा से पिस्तौल के बल पर छेड़खानी का मामला सामने आया है। साथ ही उसके अश्लील वीडियो भी वायरल किए गए। पीड़ित लड़की की मां की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी कक्षा 9 में उकलाना के निजी स्कूल में करीब ढाई साल पहले पढ़ती थी। आरोपित लड़का भी उसकी बेटी के साथ पढ़ता था। आरोपित उसकी बेटी को स्कूल में पिस्तौल लाकर डराता और दोस्ती के लिए कहता था। उसकी बेटी ने डर के कारण दोस्ती कर ली। आरोपित उसकी बेटी के साथ अश्लील हरकत करता रहा, साथ ही फोटो और वीडियो बना ली। बाद में अश्लील फोटो और वीडियो के जरिये ब्लैकमेल करता है। वीडियो वायरल होने के कारण उनकी बेटी तनाव में रहने लगी। बेटी से पूछा तो उसने आप बीती सुनाई। वह आरोपित के घर गई तो उसके परिवार वालों ने उससे ही झगड़ा किया। साथ ही झूठे केस में फंसाने की धमकी दी। इसके कुछ समय बाद आरोपित लड़के ने उनकी बेटी से शादी के लिए दबाव बनाया। उसने परेशान होकर उकलाना छोड़ दिया तथा हिसार शिफ्ट हो गई। आरोपित युवक अब उसके परिवार के सभी सदस्यों को बेटी के अश्लील मैसेज और वीडियो भेजकर परेशान कर रहा है। पुलिस ने शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है।

मतदान के लिए लंबी लाइनों का झंझट खत्म, हरियाणा श्वष्ट ने बनाया क्यू मैनेजमेंट एप

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में मतदान के लिए मतदाताओं को अब घंटों लाइन में खड़े नहीं होना पड़ेगा। निर्वाचन विभाग ने क्यू मैनेजमेंट मोबाइल एप्लीकेशन बनाया है जिससे मतदाताओं को अपनी बारी का पता लग जाएगा। हरियाणा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने बृहस्पतिवार को भारतीय निर्वाचन आयोग के उप निर्वाचन आयुक्त हिरदेश कुमार के साथ बैठक में मोबाइल एप के बारे में अवगत कराया। हरियाणा ऐसा एप बनाने वाला पहला प्रदेश है। लोकसभा चुनावों के मद्देनजर हरियाणा, पंजाब और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों तथा उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक कर रहे हिरदेश कुमार ने बैठक में मतदाता सूचियों के संशोधन पर विस्तार से जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि हरियाणा में एक करोड़ 95 लाख 48 हजार 846 मतदाता हैं, जिनमें एक करोड़ चार लाख 16 हजार 965 पुरुष और 91 लाख 31 हजार 447 और 434 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। राज्य में 19 हजर 863 मतदान केंद्र हैं, जिनमें 5917 शहरों में तथा 13 हजार 946 ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। सभी मतदान केंद्र भू-तल ग्राउंड फ्लोर पर बनाए गए हैं, ताकि दिव्यांग मतदाताओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। एक मतदान केंद्र में मतदाताओं की औसतन संख्या 984 है। अनुराग अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा में मतदाता पंजीकरण की प्रक्रिया जारी है। गुरुग्राम व फरीदाबाद जैसे बड़े शहरों में ग्रुप हाउसिंग सोसायटी में लोगों को मतदाता के रूप में पंजीकृत करने के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं।

आपदा प्रभावितों को निःशुल्क एलपीजी किट एवं राशन प्रदान करेगी प्रदेश सरकारः मुख्यमंत्री

31 मार्च, 2024 तक प्रदान की जाएगी निःशुल्क राशन की सुविधा

शिमला। प्रदेश में हाल ही की बरसात में प्राकृतिक आपदा के कारण प्रभावित परिवारों को त्वरित राहत एवं सहायता के दृष्टिगत मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने प्रदेश सरकार की ओर से विभिन्न राहत उपायों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने प्रभावित परिवारों को राहत शिविरों से स्थानांतरित कर किराये पर उपयुक्त आवासीय सुविधा प्रदान करने का निर्णय लिया है। इसके तहत आवास किराये पर लेने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 5,000 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 10,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है।

उन्होंने कहा कि इन प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, राज्य सरकार ने अब प्रभावित परिवारों के जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क घरेलू रसोई गैस कनेक्शन किट प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस किट में एक एलपीजी सिलेंडर, प्रेशर रेगुलेटर, हॉट प्लेट, सुरक्षा पाइप शामिल होंगे और एलपीजी घरेलू रिफिल और ब्लू बुक की लागत सहित सभी संबंधित खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के इस कदम से आपदा प्रभावित परिवारों को बिना किसी वित्तीय बोझ के खाना पकाने सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन के अलावा निःशुल्क राशन भी उपलब्ध करवाएगी। इस आवश्यक सामग्री के राशन पैकेज में 20 किलोग्राम गेहूं आटा, 15 किलोग्राम चावल, 3 किलोग्राम दाल, एक लीटर सरसों का तेल, एक लीटर सोया रिफाइंड तेल, एक किलोग्राम डबल फोर्टिफाइड नमक और 2 किलोग्राम चीनी शामिल है। उन्होंने कहा कि निःशुल्क राशन की यह सुविधा 31 मार्च, 2024 तक प्रदान की जाएगी, जिससे प्रभावित परिवारों को खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। संबंधित ज़िला नियंत्रक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और खाद्य निरीक्षक इन आवश्यक वस्तुओं का उचित वितरण किराये के आवास में रहने वाले प्रभावित परिवारों तक सुनिश्चित करेंगे। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि यह पहल इस चुनौतीपूर्ण समय में आपदा प्रभावित परिवारों के प्रति सहानुभूति रखते हुए उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान करने की राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

मुख्यमंत्री लघु दुकान कल्याण योजना से छोटे उद्यमियों को मिलेगा प्रोत्साहन

शिमला। लघु उद्योगों को प्रोत्साहन प्रदान करने और कौशल-आधारित श्रमिकों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार मुख्यमंत्री लघु दुकान कल्याण योजना (एम.एम.एल.डी.के.वाई.) योजना शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि इस योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा 50 हजार रुपये तक के ऋण पर 50 प्रतिशत ब्याज़ उपदान प्रदान किया जाएगा। प्रदेश सरकार की यह पहल राज्य के छोटे, मध्यम उद्यमियों के लिए वरदान साबित होगी। छोटे और मध्यम उद्यमी धन के अभाव के कारण अपने व्यवसाय का विस्तार नहीं कर पाते और व्यावसायिक रूप से उनके लिए तरक्की की राहें बंद हो जाती हैं। प्रदेश सरकार ने उनकी इस समस्या का समाधान करने और समाज के इस वर्ग को आर्थिक रूप से मज़बूत करने के उद्देश्य से बिना सुरक्षा ज़मानत के (संपार्श्विक मुक्त) ऋण की एक महत्त्वाकांक्षी योजना तैयार की है। उन्होंने कहा कि एम.एम.एल.डी.के. योजना छोटे उद्यमों और कौशल-आधारित श्रमिकों जैसे मोची, दर्जी, बार्बर, मोबाइल रिपेयरिंग विक्रेता, सब्जी व फल विक्रेता और ग्रामीण क्षेत्रों में अपना व्यवसाय संचालित करने वाले छोटे उद्यमियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

प्रेम-प्रसंग के चलते युवती की हत्या करने का आरोप, युवक भी लापता, मां बाप पर हत्या का मामला दर्ज

कैथल, एजेंसी। शहर के गांव बालू में प्रेम प्रसंग के चलते युवती की हत्या कर शव जलाने के आरोप का मामला सामने आया है। वहीं, युवती से मिलने आया युवक लापता बताया जा रहा है। कलायत थाना के सुरक्षा एजेंट ईएचसी सुरेश कुमार की शिकायत पर गांव बालू निवासी युवती के पिता सुरेश कुमार और मां बाला देवी सहित अन्य लोगों के खिलाफ कलायत थाना में केस दर्ज किया गया है।

पुलिस से की गई शिकायत में बताया गया कि गांव की युवती का हिसार के गांव खेड़ी चौपटा निवासी रोहित के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस मामले में रोहित भी 14 सितंबर से लापता है। बताया जा रहा है कि युवती ने 14 सितंबर को रोहित को अपने घर बुलाया था। दोपहर के समय रोहित अपनी बाइक से गांव पहुंचा। युवती रोहित के साथ जाना चाहती थी, लेकिन स्वजनों ने रोहित के साथ मारपीट शुरू कर दी। मारपीट के बाद से युवक की बाइक गांव में ही पड़ी मिली है और वह लापता है।

आरोप है कि स्वजनों ने उसी दिन युवती की हत्या कर दी। उसके शव का भी अंतिम संस्कार कर दिया। बताया जा रहा है कि शाम के समय संस्कार में सात से आठ लोग ही शामिल थे। शुक्रवार को युवक के लापता होने का केस दर्ज हुआ तो पुलिस ने छानबीन शुरू की। पुलिस को जानकारी मिली कि युवती की हत्या कर दी गई है। युवक की माता डिंपल देवी की शिकायत पर कलायत थाना में युवक के लापता होने का केस दर्ज हुआ है। महिला ने बताया कि उसके बेटे ने वारदात के बाद उसे फोन करके घटना के बारे में अवगत करवाया था। युवक की बाइक भी छीन ली गई थी। उसके बाद से ही रोहित से कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद डीएसपी कलायत सज्जन सिंह, कलायत थाना और सीआईए की टीम ने गांव में डेरा डाल लिया। रात भर पुलिस की टीम ने स्वजनों से पूछताछ की है। मामले को लेकर गंभीरता से जांच की जा रही है।

दगाबाज दुल्हन ने चंगुल में फंसाकर दर्ज कराए दुष्कर्म के झूठे केस, तीन आरोपी कोर्ट से बरी

बादशाहपुर, एजेंसी। युवकों को अपने प्रेम जाल में फंसा कर कभी उनकी दुल्हन बनकर अपने चंगुल में फंसा कर दुष्कर्म के झूठे आरोपों से तीन अलग-अलग मामलों में तीन आरोपितों को अदालत ने बरी कर दिया है। आरोपितों की तरफ से अधिवक्ता सन्नी तंवर, नीलम यादव, सिद्धांत यादव और प्रदीप कुमार ने अलग-अलग पैरवी की।

दगाबाज दुल्हन ने एक साल में ही अलग-अलग थानों में सात लोगों पर दुष्कर्म करने के आठ मामले दर्ज कराए थे। मामला महिला आयोग के संज्ञान में आने के बाद गंभीरता से लिया गया। मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित कर दगाबाज दुल्हन को गिरफ्तार किया गया था। युवती की मां को भी पुलिस ने साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

न्यू कालोनी की रहने वाली 20 वर्षीय एक युवती ने एक साल में ही अलग-अलग पुलिस थानों में आठ लोगों पर दुष्कर्म करने के मामले दर्ज करा दिए। कई लोगों को अपने प्रेम जाल में फंसा कर दुष्कर्म के मामले दर्ज कराए। कई मामलों में युवकों के साथ युवती शादी कर उनकी दुल्हन भी बन गई। बाद में युवती पुलिस थाना पहुंचकर आरोप लगाती कि उसको शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया।

दिसंबर 2021 में मामला महिला आयोग के संज्ञान में आया। महिला आयोग की कार्यकारी चेयरपर्सन प्रीति भारद्वाज ने इस मामले को गंभीरता से लिया। प्रीति भारद्वाज दलाल ने इस गंभीर मामले को गृह मंत्री अनिल विज से चर्चा की। गृहमंत्री ने इस मामले में पुलिस महानिदेशक पीके अग्रवाल को एसआईटी का गठन करने के निर्देश दिए।

तत्कालीन पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) आस्था मोदी के नेतृत्व में एक एसीपी, एक महिला इंस्पेक्टर व गैर सरकारी दो संस्थाओं के सदस्य शामिल कर एसआईटी गठित की गई।

गाय के गोबर से बनी खाद पर सब्सिडी की तैयारी, किसानों को सस्ता मिलेगा प्रोम

चंडीगढ़, एजेंसी। हरियाणा में गाय के गोबर से बनी 'प्रोम' खाद डीएपी का बेहतर विकल्प साबित हो रही है। हरियाणा गोसेवा आयोग द्वारा तैयार खाद आइआइटी दिल्ली और पूसा अनुसंधान केंद्र के मानकों पर भी खरी उतरी है। केंद्रीय स्तर पर नीति आयोग ने अब प्रोम पर सब्सिडी देने की सिफारिश की है। केंद्र सरकार ने सिफारिश मानी तो किसानों को प्रोम खाद और सस्ती मिल सकेगी।

प्रदेश में खरीफ की फसल में 10 हजार एकड़ से ज्यादा में किसानों ने प्रोम का प्रयोग किया और उसके अच्छे परिणाम देखने को मिले हैं। हालांकि गोबर से खाद बनाने का काम छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र व मध्य प्रदेश सहित कई अन्य प्रदेशों की गोशालों में किया जा रहा है, लेकिन हरियाणा गोसेवा आयोग द्वारा तैयार किया गया प्रोम सबसे

प्रभावी साबित हुआ है। प्रदेश में 680 गोशालाएं हैं।

इनमें से रोजाना 50 लाख किलोग्राम गोबर निकलता है। हरियाणा गोसेवा आयोग ने गोबर को डीएपी के विकल्प में बदलने का जो कदम बढ़ाया था, वह सफल साबित हो रहा है। प्रदेश भर में पांच लाख से ज्यादा गोवंश है। गोवंश के गोबर से हर रोज 70 हजार कट्टे खाद के तैयार किए जा सकते हैं। गोबर से तैयार की खाद का फायदा यह होगा कि यह पूरी तरह जैविक होगी, जो बीमारियों से मुक्ति दिलाएगी।

मौजूदा समय में रासायनिक उर्वरकों के चलते धरती की तासीर बिगड़ रही है। उत्पादन को बढ़ाने के लिए अंधाधुंध रासायनिक खादों का छिड़काव किया जा रहा है। हरियाणा गोसेवा आयोग के चेयरमैन श्रवण कुमार गर्ग का कहना है कि आयोग द्वारा तैयार किया गया प्रोम डीएपी का विकल्प बन रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा जो जैविक खेती का संकल्प लिया गया है, उसे पूरा करने में प्रोम काफी कारगर साबित हो रहा है।

नीति आयोग द्वारा केंद्र सरकार को प्रोम पर सबसिडी देने की सिफारिश की गई है, क्योंकि इसकी लागत डीएपी से तीन गुणा कम है। बाक्स ऐसे काम करेगी खाद फसल बुआई के समय डीएपी खाद का प्रयोग किया जाता है। डीएपी खाद में फास्फोरस और नाइट्रोजन का प्रयोग किया जाता है जो पौधे में टानिक का काम करता है।

डीएपी से 45 दिन बाद खेत में रासायनिक लेयर बनती है। मगर गाय के गोबर से तैयार की गई प्रोम खाद से प्राकृतिक तौर पर मिट्टी में परत बनेगी, जिससे केंचुए पैदा होंगे। इस खाद में राक फास्टफेट व कल्चर का प्रयोग किया गया है, ये तत्व जमीन की उर्वरा शक्ति बढ़ाने में मददगार होंगे।

स्वयंभू संत राम पाल की मुश्किलें बढ़ीं, हाईकोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका; की तल्ख टिप्पणी

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने शुक्रवार को स्वयंभू संत राम पाल की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। जिस पर 2014 में सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ने के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था। हाई कोर्ट द्वारा जारी 18 पेज के आदेश में कहा गया है कि केवल लंबी अवधि तक हिरासत में रहने के आधार पर जमानत नहीं दी जा सकती। कथित तौर पर रामपाल ने गिरफ्तारी का विरोध करने के लिए अपने आश्रम के सामने भक्तों की भारी भीड़ इकट्ठा की थी व भक्तों को मानव ढाल के लिए प्रयोग किया।

जस्टिस जीएस संधावालिया और जस्टिस आलोक जैन की पीठ अपने आदेश में कहा कि राम पाल को बड़ी मुश्किल से गिरफ्तार किया गया था और उसकी लंबी हिरासत अकेले उसे जमानत

का हकदार नहीं बनाती है।खंडपीठ ने कहा बड़ी मुश्किल से गिरफ़्तारी वारंटों को क्रियान्वित किया गया, जिसके लिए आश्रम में एकत्रित महिलाओं और एक बच्चे के निर्दोष जीवन की बहुमूल्य कीमत चुकानी पड़ी, जिन्हें मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। ऐसी परिस्थितियों में हम हमारी राय है कि केवल लंबी हिरासत के कारण याचिकाकर्ता नियमित जमानत के लाभ का हकदार नहीं है।

गौरतलब है कि गिरफ्तारी के बाद से राम पाल ने आठ साल, आठ महीने और 25 दिन से अधिक समय जेल में बिताया है।यह 2014 के मामले में नियमित जमानत की मांग करते हुए उनके द्वारा दायर की गई दूसरी जमानत याचिका है। उन पर शस्त्र अधिनियम और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान की रोकथाम अधिनियम के तहत कई धाराओं के तहत आरोप लगाया गया है। 2014 में जब पुलिस अन्य मामले में राम पाल को गिरफ्तार करने गई तो उसने अपनी गिरफ्तारी का विरोध करने के लिए महिलाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में भक्तों को इकट्ठा किया।

इसी गिरफ्तारी के दौरान ही हिंसक झड़प हुई। राम पाल के खिलाफ 2014 में एक और एफआईआर दर्ज की गई। एफआईआर के अनुसार, राम पाल ने लगभग 600-700 महिलाओं और बच्चों को मुख्य द्वार के बाहर बैठा दिया और 1500-2000 युवा लाठी, बम और बंदूकें लेकर आश्रम की छत पर तैनात थे। जब पुलिस ने लाउडस्पीकर पर घोषणा की कि गिरफ्तारी वारंट हैं तो राम पाल के सहयोगियों ने आश्रम के बाहर डीजल और पेट्रोल के केन वाले लोगों को बैठा दिया, जो पुलिस को धमकी दे रहे थे कि वे राम पाल को गिरफ्तार नहीं होने देंगे और पुलिस को ऐसा करने के लिए उनके शवों के ऊपर से गुजरना पड़ेगा।

पीठ ने कहा कि उसे पहले ही दो अलग-अलग आरोपों में हत्या का दोषी ठहराया जा चुका है। कोर्ट ने यह भी कहा कि रामपाल ने कथित तौर पर राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ने का भी प्रयास किया था और महिलाओं और बच्चों की आड़ में पुलिस पार्टी पर हमला करने के आपराधिक इरादे को दिखाने के लिए पेट्रोल बम बरामद किए गए हैं। नतीजतन, जमानत अर्जी खारिज की जाती है।

पुलिस एनकाउंटर में बदमाश की मौत, परिजनों ने की पुलिस पर मुकदमा दर्ज करने की मांग

फरीदाबाद, एजेंसी। पुलिस एनकाउंटर में मध्य रात्रि को लूटपाट के आरोपित एक युवक बबलू उर्फ बलविंदर उर्फ बलराम निवासी पावटा की मौत हो गई। बबलू पर लूटपाट समेत छीना झपटी के चार मामले दर्ज हैं। मृतक के स्वजन का आरोप है कि पुलिस ने बबलू की हत्या की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस की क्राइम ब्रांच को देर रात सूचना मिली कि बबलू अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर किसी वारदात को अंजाम देने जा रहा है, जिसके बाद पुलिस ने उनका पीछा किया और उन्हें रुकने के लिए कहा। पुलिस के मुताबिक जब उन्होंने गाड़ी में सवार तीनों युवकों को रुकने के लिए कहा तो उन्होंने पलट कर क्राइम ब्रांच की टीम पर फायरिंग कर दी जो गाड़ी में लगी।इसके बाद पुलिस ने इनका

पीछा किया और बाद में जब रोकने की कोशिश की तो एनकाउंटर के दौरान युवक बबलू की मौत हो गई । पुलिस के मुताबिक मृतक के पास से एक कट्टा बरामद हुआ है। पुलिस के मुताबिक आरोपित पहले दो मामलों में गिरफ्तार हुआ था जबकि एक अन्य मामले में फरार चल रहा था। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह के अनुसार मृतक बबलू के खिलाफ चार मामले दर्ज हैं जबकि गिरफ्तार आरोपित अनूप उर्फ छलिया पर 302 का मामला दर्ज है जबकि अरविंद पर एक्साइज एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। यह जानकारी मिली है कि बबलू की आठ साल पहले शादी हुई थी और उसके 5 से 7 साल की उम्र के तीन बच्चे हैं।इस घटना के बाद मृतक के स्वजन और गांव पावटा के ग्रामीण जिला नागरिक बादशाह खान अस्पताल में एकत्रित होना शुरू हो गए, जहां मृतक बबलू का शव पोस्टपार्टम के लिए लाया गया है।

पाकिस्तान के यूट्यूबर्स से क्या है संबंध एसआईटी की पूछताछ में सवालों से बचते दिखे मामन खान

नूंह/मेवात, एजेंसी। नूंह हिंसा में आरोपित विधायक मामन खान से एसआइटी (विशेष जांच दल) ने पुलिस लाइन में रिमांड के दौरान पांच घंटे तक पूछताछ की। इस दौरान एसआइटी ने मामन खान से कई सवाल पूछे। पूछताछ के दौरान मामन खान एसआइटी के सवालों से बचते नजर आए। इसके साथ ही एसआइटी विधायक की सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों के बयान भी दर्ज करेगी।

वहीं, सुरक्षा व्यवस्था को लेकर दूसरे दिन भी जिले में इंटरनेट सेवा बंद रही। धारा 144 भी जिले में पूरी तरह से प्रभावी रही। जिले की मुख्य सड़कों व चौराहों पर अतिरिक्त पुलिस तैनात किया गया।

बता दें कि नूंह हिंसा में नाम जुड़ने के बाद एसआइटी टीम ने फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान को गुरुवार देर रात को जयपुर-अजमेर (राजस्थान) के बीच से गिरफ्तार किया था। जिसके बाद

शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच विधायक मामन खान को कोर्ट में पेश कर दो दिन के रिमांड पर लिया गया।

इस दौरान पुन्हाना से कांग्रेस विधायक मोहम्मद इलियास व आफताब अहमद ने भी मामन खान से मिलने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया। रिमांड के दौरान एसआइटी ने मामन खान से पूछा कि वो 28 से 31 जुलाई के बीच कहां थे पाकिस्तान के यूट्यूबर्स से क्या संबंध हैं हिंसा में शामिल तौफीक व अन्य आरोपितों से क्या बात हुई सहित कई सवाल पूछे गए।

इस दौरान मामन खान एसआइटी के सवालों से बचने के अलावा टालमटोल करते रहे। एसआइटी ने विधायक का फोन कब्जे में लेकर उससे भेजे गए संदेशों की जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेज दिया है। लैब में संदेशों के साथ ही हिंसा के आरोपितों के साथ की गई चैट को खंगाला जाएगा। नूंह हिंसा को लेकर गोरक्षक मोनू मानेसर और फिरोजपुर झिरका से कांग्रेस विधायक मामन खान की गिरफ्तारी हो चुकी है। अब सोहना हिंसा में आरोपित आप नेता जावेद अहमद पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। 31 जुलाई की रात को सोहना के बाईपास पर रायपुर के समीप उपद्रवियों ने प्रदीप की हत्या कर दी थी।

प्रदीप के साथ कार से आए एक व्यक्ति ने आप नेता पर भीड़ को उकसाने का आरोप लगाया था। प्रदीप नूंह हिंसा के दौरान देर रात भोंडसी स्थित अपने घर जा रहे थे। सोहना पुलिस ने इस मामले में 23 अगस्त को अजहरुद्दीन उर्फ अज्जू को गिरफ्तार किया था। चार अगस्त को आप नेता के विरुद्ध मामला दर्ज होने के बाद यह मामला सुर्खिया में आ गया था।एसआइटी ने जावेद के सोहना स्थित आवास से लेकर उनके पैतृक गांव तक लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालकर साक्ष्य जुटा लिए हैं। पटौदी पुलिस मोनू मानेसर को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर पटौदी के कोर्ट में पेश करेगी। न्यायालय ने मोनू को मानेसर लाने के लिए प्रोडक्शन वारंट जारी कर दिए हैं। छह फरवरी रात को पटौदी नगर में दो गुटों में संघर्ष हुआ था। एक समुदाय के कुछ लोगों द्वारा दी जा रही धमकी से परेशान दूसरे अनुसूचित समुदाय के लोगों ने इसको लेकर मोनू मानेसर से गुहार लगाई थी।

तमिलनाडु में बंधक बनाए गए बिहार के 6 मजदूर रिहा, पटना का निकला किडनैपिंग गैंग का सरगना

पटना, एजेंसी। तमिलनाडु में अगवा किए गए बिहार के सभी छह मजदूरों को मुक्त करा लिया गया है। ये मजदूर जहानाबाद के नगर थाना के महवदा गांव के निवासी है। एसपी दीपक रंजन ने शनिवार की शाम इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सभी मजदूर सुरक्षित हैं और चेन्नई के सरकारी अस्पताल में सभी का इलाज कराया जा रहा है। मजदूरों को अपहरण करने के मामले में नौ अपराधियों की गिरफ्तारी की गई है जिसमें एक मोतीलाल पटना का निवासी है, जो वर्तमान में तमिलनाडु के इरोड बस स्टैंड के पास रह रहा था। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपितों में तमिलनाडु के रसमपलायम थेनल नगर के तमिलचेलवन, सुभाष (कलानगाइडु), सेथुपथी और शशि कुमार (थेनलनगर), पुगल (टेनटरल नगर), बुबालम , कन्नन (थेनल नगर) शामिल हैं।

मजदूरों से वसूले थे एक लाख 20 हजार : जहानाबाद के महबदा गांव के निवासी मजदूर जितेंद्र कुमार, विनय कुमार, चितरंजन कुमार, अशोक कुमार, वाल्मीकि कुमार और पवन कुमार कमाई करने के लिए 11 सितंबर को तमिलनाडु गए थे। 14 सितंबर को वे लोग वहां पहुंचे थे। एसपी ने बताया कि एक दिन पूर्व उनके संज्ञान में यह मामला आने पर उन्होंने इरोड के एसपी से संपर्क किया। पूरे मामले से उन्हें अवगत कराया गया और

फिर पुलिस की कार्रवाई में सभी मजदूर मुक्त कराए गए।

यह भी जानकारी दी कि तमिलनाडु के एरोड रेलवे स्टेशन से झांसा देकर इरोड उत्तरी थाना अंतर्गत किसी अज्ञात जगह पर मजदूरों को बंधक बनाकर ले जाया गया था। सभी बंधकों से ऑनलाइन एक लाख 20 हजार रुपए अपने खाते में मंगवाकर अपराधियों ने मजदूरों के मोबाइल फोन छीन लिए थे और फिर इरोड से कोयंबटूर लाकर छोड़ दिया गया था, जहां से सभी कामगारों को चेन्नई के सरकारी अस्पताल में इलाज कराया जा रहा है, सभी सुरक्षित हैं।

पटना के मोतीलाल ने कराया था अगवा : इरोड में अपहरणकर्ताओं का एक गिरोह है,जो प्रवासी मजदूरों को नौकरी के नाम पर ले जाकर उन्हें बंधक बनाता है और उनके पास के रुपए भी ले लेता है और उन्हीं बंधकों के माध्यम से उनके परिजनों से रुपए की मांग करता है। इस घटना से उस गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पटना के मोती लाल ने एरोड स्टेशन के पास से ऊक्त छह मजदूरों को ले गया था और फिर सभी को बंधक बना लिया गया था। पुलिस की कार्रबाई में मोतीलाल की निशानदेही पर नौ आरोपित गिरफ्तार किये गए और सभी मजदूरों को मुक्त करा लिया गया है।

अररिया में वाहनों से रंगदारी वूसलने वाले 6 गिरफ्तार

अररिया, एजेंसी। नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत जीरो माइल एनएच 327 ई पर से नगर थाना पुलिस ने वाहनों से रंगदारी वसूल करने वाले 6 युवक को गिरफ्तार किया है। युवकों से गहन पूछताछ जारी है। वहीं नगर थाना से मिली जानकारी अनुसार पकड़े गये सभी व्यक्तियों से गहराई से पूछताछ की जा रही है जिसमें कई सफेदपोश के नाम भी उभर के आ रहे हैं। गिरफ्तार 6 युवकों में नगर थाना क्षेत्र के मिर्जाभाग वार्ड संख्या 3 निवासी तबरेज पिता ताजुउद्दीन, पलासी थाना क्षेत्र के डेहटी वार्ड संख्या 12 निवासी नेटु आलम पिता मंजर आलम, नगर थाना क्षेत्र के मिल्लत नगर वार्ड संख्या 8 निवासी नासिर पिता शौकत, बेलवा वार्ड संख्या 08 निवासी सोयेब पिता जफर, मिर्जाभाग वार्ड संख्या 3 निवासी मुर्शिद आलम पिता जकीरूउद्दीन व मो तारिक पिता बहारूउद्दीन को गिरफ्तार कर नगर थाना लाया गया है। मालवाहक गाड़ी से टोकन देकर रंगदारी व जबरदस्ती में लिया गया हजारों रुपये व खुदरा रुपये बरामद किया गया है। साथ ही कई एंड्रॉयड मोबाइल के साथ अन्य सामग्री को भी बरामद किया गया। नगर थानाध्यक्ष निर्मल कुमार यादवेंदु ने बताया कि सभी 6 युवकों पर प्राथमिकी दर्ज करते हुए कांड संख्या 926/23 में धारा 180 व 386 के तहत सभी को न्यायिक हिरासत के सुपुर्द किया जायेगा।

महज एक धूर जमीन के लिए बड़े भाई ने की मारपीट, दोनों ओर से 6 घायल

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर में शनिवार रात जमीनी विवाद को लेकर बड़े भाई ने घर से लोगों के साथ मारपीट की। इस घटना में चार महिलाएं समेत 6 लोग जख्मी हो गए। सभी जख्मी को समस्तीपुर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मामला जिले के कर्पूरीग्राम थाना क्षेत्र के बागी आधारपुर गांव का है। जख्मी लोगों में एक पक्ष से संजीत दास व उनकी पत्नी शर्मिला देवी, पूजा कुमारी व उर्मिला देवी तथा दूसरे पक्ष से अमरजीत दास व सोनी देवी शामिल है।घटना के संबंध में बताया गया है कि अमरजीत दास और संजीत दास के बीच बास की एक धूर जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है।

गांव में घटना को लेकर कई बार पंचायत का भी आयोजन किया गया है। बावजूद यह मामला नहीं सिलट रहा था शनिवार देर शाम संजीत के घर में कोई नहीं था इसी दौरान अमरजीत दास दारू के नशे में घर पहुंच कर संजीत के परिवार के लोगों के साथ गाली गलोज करना शुरू कर दिया। इस दौरान उसने शराब के नशे में उर्मिला देवी, शर्मिला देवी एवं उनकी गौतनी पूजा कुमारी के साथ मारपीट की। हालांकि इस दौरान दूसरे पक्ष से भी लोगों ने अमरजीत दास एवं उनकी पत्नी पर हमला किया जिसमें वे दोनों दंपत्ति बीच में हो गए थानाध्यक्ष ने क्या कहाकरपुरीग्राम थाना अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने कहा की बागी आधारपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर पाटीदारों के बीच मारपीट की घटना की सूचना मिली है।

शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर को तेज प्रताप की नसीहत- 'धर्म पर किसी को बोलने का अधिकार नहीं

पटना, एजेंसी। बिहार में आरजेडी कोटे से मंत्री और एजूकेशन मिनिस्टर चंद्रशेखर के रामचरितमानस पर दिए गए विवादित बयान पर सियासत जारी है। वहीं इस मामले पर आरजेडी चीफ लालू यादव के बड़े बेटे और पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप ने भी इस मामले पर शिक्षा मंत्री को नसीहत देते हुए कहा कि धर्म पर किसी को बोलने का अधिकार नहीं है। हालांकि उन्होने चंद्रशेखर के बयान को तूल न देने की बात कही। तेज प्रताप ने कहा कि मैं उनके बयान को महत्व नहीं देना चाहता, किसी को भी ऐसा बयान नहीं देना चाहिए। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर क्या बोल रहे हैं और नहीं बोल रहे हैं उनके बयान पर नहीं जाना चाहता हूं, उनके बयान को तूल नहीं देना चाहता हूं। तेज प्रताप ने जोर देते हुए कहा कि धर्म के मामले में किसी को बोलने का अधिकार नहीं है। इंसानियत के धर्म की जो बात करेगा हम उसके साथ हैं। किसी को भी इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए। आपको बता दें शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने रामचरितमानस को पोटेशियम साइनाइड बताया था। वहीं दूसरी तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बिहार दौरे पर तेज प्रताप ने कहा कि अमित शाह बिहार में माहौल को बिगाड़ने और दंगा-फसाद कराने आते हैं। जैसे बिल्ली रास्ता काट जाती है। वैसे ही महागठबंधन के काम में बाधा पहुंचाने आए हैं। उनके आने से बिहार में इंडिया गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। आपको बता दें शनिवार को मधुबनी के झंझारपुर में चुनावी रैली के दौरान लालू-नीतीश पर जमकर हमला बोला। उन्होने कहा कि जैसे तेल-पानी एक नहीं हो सकते, वैसे ही जदयू और आरजेडी कभी एक नहीं हो सकते। प्रधानमंत्री बनने के लिए नीतीश कुमार लालू के साथ गए लेकिन वो भूल गए कि वो उन्हें ही डूबो देंगे। उन्होंने कहा कि लालू-नीतीश का स्वार्थ का गठबंधन है, लालू-नीतीश की सरकार में बिहार में हर दिन अपराधिक घटनाएं हो रही हैं, लालू एक्टिव हो गए हैं, और नीतीश कुमार इनएक्टिव ऐसे में आप अंदाजा लगा सकते हैं कि बिहार एक बार फिर जंगलराज की ओर बढ़ रहा है।

चौहान पब्लिक स्कूल में नशामुक्ति अभियान चलाया

भागलपुर, एजेंसी। चौहान पब्लिक स्कूल टूटा पुल भागलपुर में नशामुक्ति भारत अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी अनिता बहन, चौहान पब्लिक स्कूल के निदेशक संजय चौहान, विद्यालय के सह प्रधानाचार्य एके चौधरी ने मिलकर दीप प्रज्ज्वलित किया। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं व शिक्षक कार्यक्रम में शामिल हुए। निदेशक संजय चौहान मैं छात्र-छात्राओं और शिक्षकों से अपने विचार व्यक्त किए। ब्रह्माकुमारी से आई अनिता बहन, भाई भास्कर द्वारा मेडिटेशन, स्वस्थ दिनचर्या तथा नशामुक्ति से संबंधित अपने विचार व्यक्त किए। अंत में ब्रह्माकुमारी अनिता बहन ने सभी छात्र-छात्राओं तथा शिक्षकों को नशामुक्ति हेतु प्रतिज्ञा दिलाई।

हम गैर भाजपा दलों को एकजुट कर रहे हैं, उसे देख कर वो लोग घबराहट में है : नीतीश कुमार

बख्तियारपुर, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि विपक्षी दलों की एकजुटता देख कर वो लोग घबरा गये हैं. आज कल परेशान हैं. हम गैर भाजपा दलों को एकजुट कर रहे हैं, उसे देख कर वो लोग घबराहट में है. शनिवार को बख्तियारपुर में मंजू सिन्हा प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय के उद्घाटन के बाद संवाददाताओं से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि हम उन लोगों (भाजपा) के किसी भी बातों पर ध्यान नहीं देते हैं.

अंड-बंड बोलते हैं अमित शाह : सीएम नीतीश : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के आगमन को लेकर पूछे गये सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उन सब चीजों पर ध्यान नहीं दीजिए. वे आते हैं, तो अंड-बंड बोलते हैं. उन लोगों को कोई ज्ञान नहीं है. मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार का कितना ज्यादा विकास हुआ, उन लोगों को कोई जानकारी नहीं है. वैसे ही बोलने की आदत है. हम इन चीजों पर ध्यान नहीं देते हैं. सीएम ने कहा कि उन लोगों का कोई वैल्यू नहीं है. ऐसे ही बोलने की आदत है.

केंद्र ने गड़बड़ करने के लिए कुछ लोगों को रखा है : नीतीश कुमार : विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' द्वारा कुछ पत्रकारों के बायकाट करने संबंधी सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इसकी

जानकारी हमें नहीं है. उन्होंने कहा कि हम तो पत्रकारों के पक्ष में हैं. इन पर कोई नियंत्रण नहीं किया जा सकता है. जब पूरी आजादी मिल जायेगी तो जो मन होगा लिखेगा. उनको अधिकार है, कुछ भी करने को, हम नहीं किसी के खिलाफ हैं. केंद्र पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि अभी जो लोग केंद्र में हैं, उन्होंने गड़बड़ करने के लिए कुछ लोगों को रखा है. लेकिन, हम तो पत्रकारों की इज्जत करते हैं. हम किसी के खिलाफ नहीं हैं. हर पत्रकार अपने ढंग से जिसको अच्छा लगेगा लिखेगा. हम लोगों के साथ जो लोग हैं, उन लोगों को लगा होगा कि कुछ लोग गड़बड़ कर रहे हैं. पत्नी के नाम से स्कूल बनने की बात पहले पता चलती, तो हम नहीं आते मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें बाद में पता चला कि इस स्कूल का नामकरण उनकी पत्नी के नाम पर कर दिया गया है. यदि यह बात उन्हें पहले मालूम होता तो वह यहां नहीं आते. उन्होंने स्कूल भवन की तारीफ की और शिक्षकों से कहा कि वे लोग लड़कियों को खूब पढ़ाएं. यदि शिक्षकों की कमी होगी तो और भी उपलब्ध कराये जायेंगे. इसके पहले मुख्यमंत्री ने मंजू सिन्हा प्रोजेक्ट बालिका विद्यालय के उद्घाटन करते हुए लड़कियों से खूब पढ़ने का आह्वान किया. उन्होंने कहा कि शिक्षकों की कमी नहीं होने दी जायेगी. मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से स्कूल भवन के मेंटेनेंस को लेकर सख्त हिदायत भी दिया।

समस्तीपुर में मिड डे मील खाने से 40 बच्चे बीमार, सदर अस्पताल रेफर, परिजनों का स्कूल में हंगामा

समस्तीपुर , एजेंसी। समस्तीपुर जिले के प्रखंड के चांदचौर मथुरापुर कन्या मध्य विद्यालय में मध्याह्न भोजन खाने से 40 बच्चे बीमार हो गए। सभी को उपचार के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। शनिवार को एडीएम में कथित तौर पर संदिग्ध पोटली देखे जाने पर अभिभावकों ने स्कूल पर जमकर बवाल काटा। इस बीच सूचना पर उजियारपुर सीओ अजित कुमार झा व प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी डॉ आरके सिंह सदल बल के अलावा उजियारपुर थाना की पुलिस बल मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गया। छानबीन के बाद घटना की जानकारी देते हुए सीओ ने बताया कि स्कूल में एनजीओ द्वारा आपूर्ति की गई मध्याह्न भोजन में कपड़े की दो संदिग्ध पोटली देखी गई। इसके बाद इसकी ग्रामीणों और अभिभावकों के बीच फैलते ही बड़ी संख्या में स्कूल परिसर में लोग जमा होकर हंगामा करने लगे। हालांकि सीओ ने बताए कि भोजन को रसोइया पूर्व में खा चुकी थी। इसके बावजूद स्कूल पर ही बच्चों का उजियारपुर पीएचसी टीम के द्वारा प्रारम्भिक जांच की गई। जिसमें बताया कि खिचड़ी का नमूना जब्त कर उसका जांच के लिए लेबोरेटरी भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि हालांकि प्रारंभिक जांच में किसी प्रकार का विषैला पदार्थ नही पाया गया। उन्होंने बताया कि इसके बावजूद अभिभावकों की संतुष्टि के लिए सरायरंजन व उजियारपुर के 5 एम्बुलेंस से बच्चों को सदर अस्पताल समस्तीपुर जांच के लिए भेज दिया गया है। इस बीच मौके पर माहौल को नियंत्रित करने में जुटी भाजपा नेता सह जिला परिषद सदस्य पति सुनील कुमार चौधरी ने बताया कि किसी बच्चे ने खिचड़ी के बर्तन में कपड़ा में बंधा पोटली को देख कर विषैला पदार्थ की आशंका जताते हुए शोर गुल करने लगा। इसके बाद अभिभावकों की भीड़ जुट कर हंगामा करने लगा।

किशनगंज में केंद्र सरकार के खिलाफ जदयू ने निकाला जुलूस

किशनगंज। जनता दल यूनाइटेड किशनगंज द्वारा पोल खोल अभियान शनिवार को चलाया गया। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं द्वारा मशाल जुलूस और कैंडल मार्च शनिवार रात को निकाला गया है। जाति आधारित गणना रोकने की साजिश एवं जनविरोधी नीतियों के खिलाफ यह जुलूस निकाला गया।

पोल खोल मशाल जुलूस का आयोजन जदयू प्रखंड अध्यक्ष और टेढ़ागाछ जदयू इकाई द्वारा भाजपा की जाति आधारित गणना रोकने की साजिश करने के विरोध में किया गया है। बता दें कि जेडीयू द्वारा पूरे बिहार में 1 सितंबर से 20 सितंबर तक लगातार जिला मुख्यालय से लेकर प्रखंड मुख्यालयों तक पोल खोल मशाल जुलूस का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को टेढ़ागाछ प्रखंड मुख्यालय में पोल खोल मशाल जुलूस का आयोजन किया गया है। जेडीयू प्रदेश उपाध्यक्ष आलम ने बताया कि 20 सितंबर को जिला मुख्यालय में जदयू कार्यकर्ताओं द्वारा काला दिवस मनाया जाएगा। टेढ़ागाछ थाना परिसर के निकट पोल खोल मशाल जुलूस

समाप्त होकर नुक्कड़ सभा में तब्दील हो गया। नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए जदयू जिलाध्यक्ष सह पूर्व विधायक कोचाधामन मुजाहिद आलम ने सभी पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और आम जनता से आह्वान किया। 2024 में नरेंद्र मोदी की निरंकुश सरकार को केंद्र से उखाड़ फेंकना है। उन्होंने आगे बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार संविधान को बदलना चाहती है। यह इतिहास को बदलने का काम कर रही है। साथ ही आदिवासी, दलित, महा दलित, अत्यंत पिछड़ी और पिछड़ी जातियों के आरक्षण को समाप्त करने का षड्यंत्र रच रही है। अब समय आ गया है कि इस निरंकुश सरकार को केंद्र से विदा कर देना है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पहल पर देश में 26 विपक्षी पार्टियों का आईएनडीआईए गठबंधन बना है। इससे भाजपा पूरी तरह घबराई हुई है। जदयू के सभी कार्यकर्ताओं के साथ-साथ बिहार की जनता चाहती है कि नीतीश कुमार देश के प्रधानमंत्री बने। पोल-खोल मशाल जुलूस में जदयू जिला महासचिव डॉ नजीरूल इस्लाम, मुश्ताक, भागवत सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिहार में डरा रहा डेंगू का डंक, 1700 के पार पहुंची मरीजों की संख्या, पटना में सबसे ज्यादा प्रकोप

पटना । बिहार में डेंगू मरीजों के मिलने का सिलसिला जारी है। राज्य में शनिवार को 240 नए मरीज मिले। इसके साथ ही इस महीने डेंगू मरीजों की संख्या 1760 हो गई। जबकि इस वर्ष कुल डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर 2035 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार पटना में सबसे अधिक 63 मरीज मिले। अन्य जिलों में भागलपुर में 24, बेगूसराय 21, मुंगेर 13 और औरंगाबाद में नौ मरीज मिले। राज्य के 12 मेडिकल कॉलेजों में 204 मरीज भर्ती हैं, जिनका उपचार चल रहा है। सबसे अधिक भागलपुर के जेएलएनएमसीएच में 99 मरीज भर्ती हैं। वहीं एम्स पटना में 24, आईजीआईएमएस पटना में छह, पीएमसीएच में तीन, एनएमसीएच पटना में नौ, एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर में 12, डीएमसीएच में तीन, एएनएमसीएच गया में 14, जीएमसी बेतिया में तीन, जीएमसी पूर्णिया में 10, जेएनकेटीएमसीएच मधेपुरा में तीन और विम्स पावापुरी में 18 मरीज भर्ती हैं।

मोतीपुर में लुटेरों ने की फायरिंग, बाल-बाल बचे बाइक सवार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मोतीपुर थाना क्षेत्र के मोतीपुर सरैया एसएच 86 पर बगही गांव के पास बाइक लुटने में असफल होने पर फायरिंग की। हालांकि, मिसफायर होने के काराण बाइक सवार मीडियाकर्मी के पुत्र व उसके दोस्त की जान बच गई। बाइक छोड़कर पैदल की बगही चौक की ओर भागते हुए दोनों ने पुलिस व स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी दी। पुलिस के पहुंचने के पहले की अपराधी फरार हो चुके थे। अपराधियों की संख्या छह थी। दो बाइक पर सवार अपराधी हथियारों से लैस थे। जानकारी के अनुसार सरैया के रघवा छपरा निवासी एक दैनिक अखबार के पत्रकार शशिभूषण सिंह का पुत्र प्रिंस अपने दोस्त कुंदन सिंह के साथ अपनी दादी के श्राद्धकर्म का कार्ड बांट कर मोतीपुर से घर लौट रहा था। बगही चौक से आगे बढ़ते ही दो बाइक पर सवार छह अपराधियों ने पिस्टल दिखाकर बाइक रोकने का इशारा किया। अपराधियों से घिरते देख प्रिंस बाइक सड़क किनारे नाले में लेकर चला गया। इसी बीच एक अपराधी ने पिस्टल से फायरिंग की।लेकिन गोली नहीं चली। इसके बाद प्रिंस व कुंदन बाइक नाला में छोड़ जान बचाकर वहां से पैदल ही भागे। सूचना के बाद पहुंची मोतीपुर व कथैया थाने के गश्ती दल ने मामले की छानबीन की। थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि मौके पर गश्ती दल को भेजा गया था। इससे पहले ही सभी अपराधी भाग चुके थे। प्रिंस और उसके दोस्त को सरैया थाना क्षेत्र तक सुरक्षित पहुंचा दिया गया। युवक को लिखित शिकायत देने को कहा गया है।

अब भागलपुर में भी रूकेगी राजधानी एक्सप्रेस, बुकिंग शुरू

भागलपुर, एजेंसी। आनंद विहार-अगरतला राजधानी एक्सप्रेस का स्टॉपेज अब भागलपुर में भी होगी। अब राजधानी एक्सप्रेस यहां रूकते हुए जाएगी। भागलपुर के लोगों की मांग आखिरकार पूरी हो गई। भागलपुर होकर चलने वाली अगरतला-आनंद विहार टर्मिनल सप्ताहिक तेजस राजधानी एक्सप्रेस के लिए रविवार से बुकिंग शुरू हो जाएगी। आईआरसीटीसी और रेलवे काउंटर कहीं से भी यात्री आरक्षण करा सकेंगे।

इस ट्रेन की सेवा 15 जनवरी से शुरू होगी। मालदा रेलमंडल के तीन स्टेशनों के लिए इस ट्रेन में रेलवे बोर्ड ने कुल 54 बर्थ का कोटा दिया है। इसमें फर्स्ट एसी में 4, सेकेंड एसी में 20 और थर्ड एसी में 30 बर्थ है। इस तेजस राजधानी एक्सप्रेस में तत्काल और प्रीमियम तत्काल के साथ फ्लेक्सी फेयर स्लैब का भी प्रावधान होगा। सामान्य राजधानी एक्सप्रेस के मुकाबले इस तेजस राजधानी एक्सप्रेस के बेस फेयर में 5 प्रतिशत अधिक किराया चुकाना होगा। मालदा रेलमंडल में यह ट्रेन मालदा के बाद सीधे भागलपुर और इसके बाद जमालपुर स्टेशन पर रुकेगी।

इसलिए तीनों स्टेशनों को मिलाकर कुल 54 बर्थ का कोटा दिया गया है। दिल्ली जाने के लिए मंगलवार को 6.25 बजे होगी राजधानी एक्सप्रेस यह ट्रेन प्रत्येक सोमवार को अगरतला से दिन में 3.45 बजे खुलेगी और मंगलवार को शाम 6.25 बजे भागलपुर पहुंचेगी। भागलपुर से पटना की दूरी राजधानी एक्सप्रेस महज 3.40 घंटे में पूरी करेगी। आनंद विहार से यह ट्रेन प्रत्येक बुधवार को चलेगी और गुरुवार को भागलपुर पहुंचेगी। आनंद विहार टर्मिनल से यह ट्रेन शाम 7.50 बजे चलेगी और अगले दिन दिन में 12.35 बजे भागलपुर पहुंचेगी। पटना, जमालपुर, भागलपुर और मालदा टाउन में इस ट्रेन का कमर्शियल स्टॉपेज रहेगा।

दोपहर में यहां से खुलेगी राजधानी एक्सप्रेस

आनंद विहार-अगरतला राजधानी- आनंद विहार टर्मिनल से 7.50 बजे शाम में बुधवार को खुलेगी। रात 12.35 बजे कानपुर सेंट्रल, 4.42 बजे सुबह पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, दूसरे दिन सुबह 7.55 बजे पटना, 11.35 बजे दिन में जमालपुर, 12.35 बजे दिन में भागलपुर, शाम 4.25 बजे मालदा टाउन, रात 8.05 न्यू जलपाईगुड़ी, रात 1.52 बजे रंगिया, तीसरे दिन 3.40 बजे अगरतला पहुंचेगी। शाम में पहुंचेगी भागलपुर अगरतला से दिन में 3.45 बजे खुलेगी, अंबस्सा शाम 4.39 बजे, धरमनगर शाम 5.54, गुवाहटी सुबह 3.10, न्यू जलपाईगुड़ी सुबह 10.05 बजे, मालदा टाउन दिन में 3 बजे, भागलपुर शाम 6.25 बजे, जमालपुर 7.25 बजे बजे, पटना रात 10.10 बजे, पंडित दीनदयाल उपाध्याय रात 1.25 बजे, कानपुर सेंट्रल शाम 5.30 बजे और आनंद विहार 10.50 बजे पहुंचेगी। मालदा रेलमंडल के सीनियर डीसीएम पवन कुमार ने बताया कि तेजस राजधानी एक्सप्रेस के लिए 17 सितंबर से बुकिंग शुरू हो जाएगी। मालदा रेलमंडल के तीन स्टेशनों के लिए कुल 54 बर्थ का कोटा होगा।

फ्लेक्सी-कैप फंड्स में निवेश दिला सकता है ज्यादा फायदा

नई दिल्ली। कई लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा रिटर्न पाने के लिए शेयर बाजार की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन अगर आपको शेयर बाजार की सीमित जानकारी है तो आप म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। आप म्यूचुअल फंड के फ्लेक्सी-कैप फंड में निवेश करके अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। इस कैटेगरी ने बीते 1 साल में 25त्न तक का रिटर्न दिया है।

आयुष्मान योजना का तीसरा फेज शुरू

नई दिल्ली। आयुष्मान योजना की तीसरा फेज (आयुष्मान 3.0) 17 सितंबर से शुरू हो चुका है। तीसरे फेज में कार्ड बनवाने की प्रोसेस को आसान बनाया गया है। इस बार आप खुद ही ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करके आयुष्मान कार्ड बनवा सकेंगे। इस बार सेल्फ रजिस्ट्रेशन मोड में लाभार्थियों के पास वेरीफिकेशन के लिए ओटीपी, आइरिस और फिंगरप्रिंट और फेस-आधारित वेरीफिकेशन ऑप्शन होंगे।

एफपीआई ने सितंबर में अब तक शेयरों से 4,768 करोड़ रुपए निकाले

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने, मजबूत डॉलर और आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने सितंबर के पहले पखवाड़े में भारतीय शेयर बाजारों से करीब 4,800 करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले एफपीआई मार्च से अगस्त तक लगातार छह माह भारतीय शेयरों में शुद्ध लिवाल रहे थे। इस दौरान उन्होंने 1.74 लाख करोड़ रुपए के शेयर खरीदे थे।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, आने वाले दिनों में एफपीआई बिकवाल रह सकते हैं क्योंकि मूल्यांकन रिकॉर्ड उच्चस्तर पर है। उन्होंने कहा, ''अमेरिका में बॉन्ड प्रतिफल (10 साल के लिए 4.28 प्रतिशत) ऊंचे स्तर पर है और डॉलर सूचकांक भी 105 के ऊपर है। ऐसे में एफपीआई अभी और बिकवाली कर सकते हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने अबतक (15 सितंबर तक) शेयरों से शुद्ध रूप से 4,768 करोड़ रुपए निकाले हैं। इससे पहले अगस्त में शेयरों में एफपीआई का प्रवाह चार माह के निचले स्तर 12,262 करोड़ रुपए पर आ गया था।

मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक - प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ''वैश्विक स्तर, विशेषरूप से अमेरिका में ब्याज दर परिदृश्य को लेकर अनिश्चितता और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को लेकर चिंता की वजह से एफपीआई सितंबर में शुद्ध बिकवाल रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार में 2,000 करोड़ रुपए डाले हैं। इस तरह चालू कैलेंडर साल में अबतक शेयरों में एफपीआई का निवेश 1.3 लाख करोड़ रुपए रहा है। वहीं बॉन्ड बाजार में उन्होंने 30,200 करोड़ रुपए से ज्यादा डाले हैं।

सितंबर के पहले 15 दिनों में घटी डीजल की बिक्री, पेट्रोल की मांग बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में डीजल की बिक्री सितंबर के पहले 15 दिनों में घटी है। बारिश के कारण मांग घटने और देश के कुछ हिस्सों में इंडस्ट्रियल एक्टिविटी धीमी होने से इस सबसे ज्यादा इस्तेमाल वाले ईंधन की मांग में लगातार दूसरे माह गिरावट आई है। पब्लिक सेक्टर की पेट्रोलियम कंपनियों के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। पब्लिक सेक्टर की तीन पेट्रोलियम कंपनियों की डीजल बिक्री में सितंबर के पहले 15 दिनों में सालाना आधार पर गिरावट आई, जबकि पेट्रोल की मांग में मामूली बढ़ोतरी हुई है। देश में सबसे अधिक इस्तेमाल वाले ईंधन डीजल की खपत सालाना आधार पर एक से 15 सितंबर के बीच 5.8 प्रतिशत गिरकर 27.2 लाख टन रह गई। अगस्त के पहले पखवाड़े में भी खपत में इसी अनुपात में गिरावट आई थी।

हालांकि, मासिक आधार पर डीजल की बिक्री 0.9 प्रतिशत बढ़ी है। अगस्त के पहले 15 दिनों में डीजल की बिक्री 27 लाख टन रही थी। डीजल की बिक्री आमतौर पर मानसून के महीनों में गिर जाती है क्योंकि बारिश के कारण एग्रीकल्चर सेक्टर में मांग कम हो जाती है। सिंचाई, कटाई और परिवहन के लिए

इस ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा बारिश के कारण वाहनों की आवाजाही भी कम होती है।

अप्रैल और मई में बढ़ी थी खपत

अप्रैल और मई में डीजल की खपत क्रमशः 6.7 फीसदी और 9.3 फीसदी बढ़ी थी। इसकी वजह यह है कि उस समय खेती के लिए डीजल की मांग में उछाल आया था। इसके अलावा गर्मी से बचाव के लिए वाहनों में एयर कंडीशनर का इस्तेमाल बढ़ा था। हालांकि, मानसून के आगमन के बाद जून के दूसरे पखवाड़े से डीजल की मांग घटने लगी थी। जुलाई के पहले पखवाड़े में इसमें गिरावट आई थी, लेकिन उस महीने के दूसरे पखवाड़े में इसमें तेजी रही थी।

पेट्रोल की मांग में मामूली बढ़त

पेट्रोल की मांग भी सितंबर के पहले पखवाड़े में पिछले साल की समान अवधि से 1.2 प्रतिशत बढ़कर 13 लाख टन रही। अगस्त के पहले पखवाड़े में इसमें 8 फीसदी की गिरावट आई थी। जुलाई के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की खपत में 10.5 फीसदी की गिरावट आई थी लेकिन दूसरे पखवाड़े में बिक्री में सुधार आया था। आंकड़ों के अनुसार, मासिक आधार पर सितंबर में पेट्रोल की बिक्री 8.8 फीसदी बढ़ी है।

देश की अर्थव्यवस्था का बेहतर प्रदर्शन

भारत की अर्थव्यवस्था ने जुझारू क्षमता का प्रदर्शन किया है और 2023 की पहली छमाही में इसके ज्यादातर प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से बेहतर प्रदर्शन करने की उम्मीद है। इससे ईंधन की मांग बढ़ रही है। सितंबर के पहले पखवाड़े में पेट्रोल की खपत कोविड महामारी से प्रभावित अवधि यानी 1-15 सितंबर 2021 की तुलना में 29.2 फीसदी अधिक रही है। वहीं महामारी से पहले की अवधि यानी सितंबर 2019 की तुलना में 20.8 फीसदी अधिक है। डीजल की खपत 1-15 सितंबर 2021 की तुलना में 26 फीसदी और 1-15 सितंबर, 2019 की तुलना में 36.4 प्रतिशत अधिक रही है।

हवाई यात्रियों की संख्या में उछाल

हवाई यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। इससे विमान ईंधन यानी एटीएफ की मांग सितंबर के पहले 15 दिनों में 6.8 प्रतिशत बढ़कर 2,92,500 टन पर पहुंच गई है। सितंबर 2021 के पहले पखवाड़े की तुलना में यह 53.9 फीसदी अधिक रही है। हालांकि, सितंबर 2109 से यह पांच फीसदी कम है। मासिक आधार पर जेट ईंधन की बिक्री 1.8 प्रतिशत घटी है। एक से 15 अगस्त 2023 के दौरान एटीएफ की बिक्री 2,98,000 टन रही थी।

रसोई गैस की बिक्री में 10.2% का उछाल

रसोई गैस या एलपीजी की बिक्री समीक्षाधीन अवधि में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत बढ़कर 13.6 लाख टन पर पहुंच गई। सितंबर 2021 के पहले पखवाड़े की तुलना में यह 15.5 फीसदी और कोविड-पूर्व की सितंबर 2019 की समान अवधि की तुलना में यह 35 फीसदी अधिक है। मासिक आधार पर एलपीजी की मांग 12 फीसदी बढ़ी है। अगस्त के पहले पखवाड़े में एलपीजी की बिक्री 12.1 लाख टन रही थी।

ब्रिटेन की नई कंपनी ने सोलर पैनल बनाने की नई तकनीक विकसित की, भारत से मिला बड़ा ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। ब्रिटेन की एक छोटी और नई कंपनी को भारत में सौर ऊर्जा की तकनीक सप्लाई का बड़ा ऑर्डर मिला है। बता दें कि इस ऑर्डर के तहत कंपनी गुजरात के मुंद्रा में 2.0 गीगावाट के सौर पैनल लगाने के लिए तकनीक की सप्लाई करेगी, जिसके लिए कंपनी को 40 लाख पाउंड (जीबीपी) मिलेंगे। कंपनी इसे लेकर उत्साहित है। खबर के अनुसार, ब्रिटेन के सरे में स्थित मध्यम वर्ग की कंपनी गैर रिकवरी एंड रिसाइकिल लिमिटेड को यह ऑर्डर मिला है।

ब्रिटेन सरकार ने की ऑर्डर पाने में मदद

दरअसल इस कंपनी का दावा है कि उसने एक नई तकनीक विकसित की है, जिसकी मदद से सौर पैनल्स में

ऊर्जा की खपत, कार्बन फुटप्रिंट और उत्पादन के खर्च में कमी आएगी। भारत के इस ऑर्डर को पाने में ब्रिटेन सरकार की निर्यात क्रेडिट एजेंसी यूके एक्सपोर्ट फाइनेंस ने मदद की और कंपनी के बॉन्ड के बदले 4,75,000 पाउंड की गारंटी जारी की। इसकी मदद से कंपनी को भारत का यह ऑर्डर मिला। बता दें कि कंपनी की इस तकनीक में सौलर पैनल बनाने में एरगोन गैस का इस्तेमाल कर सिलिकॉन क्रिस्टिल्स साफ किए जाते हैं, जिन्हें बाद में सोलर सेल्स में इस्तेमाल किया जाता है। इस प्रक्रिया में बड़ी मात्रा में एरगोन गैस की जरूरत होती है।

जानिए क्या होगा नई तकनीक का फायदा

जीआर2एल कंपनी का दावा है कि उनके द्वारा विकसित की गई तकनीक में एरगोन मशीनरी सोलर सेल्स का उत्पादन भी करती है और साथ ही माइक्रोइलेक्ट्रोनिक प्रोडक्शन, 3डी मेटल प्रिंटिंग और एयरोस्पेस हीट ट्रीटमेंट भी करती हैं। इससे एरगोन गैस का 95 प्रतिशत तक रिसाइकिल होती है। अब कंपनी अपनी इसी तकनीक को मुंद्रा सोलर टेक्नोलॉजी लिमिटेड को सप्लाई करेगी, जो गुजरात के मुंद्रा में बहुत बड़ा सौलर प्लांट लगाने जा रही है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा कि लॉयड बैंक और ब्रिटिश सरकार के यूके एक्सपोर्ट फाइनेंस विभाग ने इस ऑर्डर को पाने में उनकी मदद की।

6 के शेयर ने 9 महीने में एक लाख को बना दिया 24 लाख, निवेशक मालामाल

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में लिस्टेड कई कंपनियों के शेयर रिटर्न के मामले में अपने निवेशकों को चौंकाया है। आज हम आपको एक ऐसे शेयर के बारे में बता रहे हैं जिसमें पैसे लगाने वाले महज 9 महीने में मालामाल हो गए। यह शेयर प्राइम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (पीआईएल) का है। कंपनी के शेयरों ने पिछले 9 महीने में बीएसई पर 2,300 प्रतिशत का तगड़ा रिटर्न दिया है। इस दौरान इसकी कीमत 6 रुपये (2 जनवरी 2023 का बंद भाव) से बढ़कर 146.40 रुपये (15 सितंबर 2023 का बंद भाव) तक पहुंच गई। यानी निवेशकों का एक लाख नौ महीने में ही 24 लाख रुपये हो जाती। पीआइएल शेयर हिस्ट्री के मुताबिक, पिछले छह महीने में इसने 1,584.70 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

अभी दुनिया में खत्म नहीं हुआ है ग्लोबलाइजेशन, बस बदल गया है इसका रूप

नई दिल्ली, एजेंसी। पूरी दुनिया में इस समय डी-ग्लोबलाइजेशन की खबरें चल रही हैं। दुनिया ऐसी रिपोर्टों से भरी पड़ी है कि वर्ल्ड का डी-वैश्वीकरण हो रहा है। लेकिन दुनिया में अभी ग्लोबलाइजेशन खत्म नहीं हुआ है। इसने बस एक नया आकार ले लिया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप शुरुआती डी-ग्लोबलाइज़र थे। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप से पीछे हटते हुए संरक्षणवादी शुल्क लगाकर और चीन के साथ व्यापार को कम करके ग्लोबलाइजेशन को नुकसान पहुंचाया। इससे चीन के साथ कारोबार पर अंकुश लगा। इसके बाद में अमेरिका के मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन ने चीन के हाई-टेक सामानों की बिक्री पर कड़े प्रतिबंध लगाए। जो बाइडन ने ग्रीन टेक्नोलॉजी और माइक्रोचिप्स में अमेरिकी निवेश को शुरू करने के लिए 624 बिलियन डॉलर का अब तक का सबसे बड़ा सब्सिडी कानून बनाया।

एकीकरण को नुकसान पहुंचा

इससे अंतरराष्ट्रीय एकीकरण को नुकसान पहुंचा है। इसे कुछ लोग हाइपर-ग्लोबलाइजेशन कहते हैं, वह ठप हो गया है। हालांकि फिर भी स्कॉट लिन्सी ने काटो संस्थान मेंग्लोबलाइजेशन इज़ नॉट गोइंग एनीवेयर÷ के शीर्षक से एक नया पेपर निकाला है। इसमें यह तर्क दिया गया है कि ग्लोबलाइजेशन के ठप होने की खबरें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई हैं। ऐसा नहीं है। ग्लोबलाइजेशन अभी चल रहा है, खासकर डिजिटल एकीकरण में। जिसे कम आंका जाता है।

लॉन्च होने से पहले चौंका रहा मसाला कंपनी का आईपीओ, ग्रे मार्केट में 85 प्रतिशत प्रीमियम के संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। मसाला कंपनी मधुसूदन मसाला के प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) पर दांव लगाने का मौका सोमवार, 18 सितंबर से मिलने वाला है। यह एसएमई आईपीओ गुरुवार, 21 सितंबर को बंद हो जाएगा। मधुसूदन मसाला आईपीओ के लिए अलॉटमेंट की तारीख मंगलवार, 26 सितंबर है। वहीं, इसकी अस्थाई लिस्टिंग तिथि मंगलवार, 3 अक्टूबर तय की गई है।

क्या है इश्यू प्राइस- घरेलू मसाला निर्माता कंपनी ने प्राइस बैंड 66 से 70 प्रति शेयर निर्धारित किया है। आईपीओ इश्यू में 34 लाख नए

इक्विटी शेयरों की बिक्री शामिल है, प्रत्येक का फेस वैल्यू 10 रुपये है। आईपीओ के लॉट का साइज 2,000 इक्विटी शेयरों पर निर्धारित किया गया है। मतलब ये हुआ कि कम से कम 1,40,000 लगाने होंगे।

खुदरा निवेशक एक लॉट के लिए आवेदन करने के पात्र हैं, जबकि गैर-संस्थागत निवेशकों के पास न्यूनतम दो लॉट के लिए बोली लगाने का विकल्प है।

ग्रे मार्केट की बात करें तो इस आईपीओ की लिस्टिंग 129 तक पर हो सकती है। इस आईपीओ में 85 प्रतिशत का प्रीमियम दिखाता है। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड मधुसूदन मसाला आईपीओ का बुक रनिंग लीड मैनेजर है, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है। बता दें कि मधुसूदन मसाला अपने ब्रांड नाम डबल हाथी और महाराजा के तहत 32 से अधिक प्रकार के मसालों के निर्माण और प्रोसेसिंग में लगा हुआ है। कंपनी अपने ब्रांड नाम डबल हाथी के तहत खुदरा और थोक मात्रा में साबुत मसालों के साथ-साथ पापड़, सोया उत्पाद, हींग, काला नमक, सेंधा नमक का भी कारोबार करती है। मधुसूदन मसाला का मैन्युफैक्चरिंग प्लांट गुजरात के जामनगर के पास औद्योगिक क्षेत्र हापा में स्थित है। कंपनी के पास गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में 2,100 थोक विक्रेताओं और 3,700 खुदरा विक्रताओं का नेटवर्क है।

अशोक लेलैंड उत्तर प्रदेश में बस बनाने का कारखाना लगाएगी, 1,000 करोड़ रुपए का होगा निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड उत्तर प्रदेश में 1,000 करोड़ रुपए के निवेश से बस बनाने का कारखाना लगाएगी। इस कारखाने में पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था पर विशेष जोर होगा। वाणिज्यिक वाहन बनाने कंपनी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश में अपने पहले विनिर्माण संयंत्र के लिए कंपनी ने राज्य सरकार के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

बयान के अनुसार, कंपनी लखनऊ के पास बस विनिर्माण के लिए एकीकृत संयंत्र स्थापित करेगी। इसमें पर्यावरण अनुकूल परिवहन व्यवस्था पर जोर होगा। अशोक लेलैंड के प्रबंध निदेशक

और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेनू अग्रवाल ने कहा, राज्य में वैकल्पिक ईंधन वाहनों की बाजार स्वीकार्यता और मांग के आधार पर अशोक लेलैंड अगले कुछ साल में इस नई इकाई में 1,000 करोड़ रुपये तक का निवेश करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि 2048 तक कार्बन उत्सर्जन को शुद्ध रूप से शून्य स्तर पर लाने का लक्ष्य भी उत्तर प्रदेश में संयंत्र स्थापित करने का एक प्रमुख कारण है। कंपनी ने कहा परिचालन शुरू होने के बाद विनिर्माण इकाई से शुरुआत में 2,500 बसों का सालाना उत्पादन होगा। धीरे-धीरे क्षमता बढ़ाते हुए एक दशक में इसे सालाना 5,000 बसों तक ले जाने की योजना है। अशोक लेलैंड का भारत में यह सातवां वाहन संयंत्र होगा। देश में वाणिज्यिक वाहन विनिर्माण में अशोक लेलैंड टाटा मोटर्स के बाद दूसरे स्थान पर है।

रूस से आयात अप्रैल-अगस्त में दोगुना होकर 25.69 अरब डॉलर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में रूस से आयात अप्रैल से अगस्त के बीच लगभग दोगुना होकर 25.69 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसका कारण कच्चे तेल और उर्वरक का आयात बढ़ना है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इसके साथ, रूस इस वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों के दौरान भारत का दूसरा सबसे बड़ा आयात स्रोत बन गया है। रूस से आयात अप्रैल-अगस्त 2022 के दौरान 13.77 अरब डॉलर था। रूस की भारत में कच्चे तेल के आयात बाजार में हिस्सेदारी यूक्रेन युद्ध से पहले एक प्रतिशत से भी कम थी, जो अब बढ़कर लगभग 40 प्रतिशत हो चुकी है। चीन

और अमेरिका के बाद भारत कच्चे तेल का सबसे बड़ा आयातक है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम के कुछ देशों ने दंडस्वरूप रूस से कच्चे तेल के आयात पर रोक लगाने के साथ अधिकतम मूल्य सीमा लगायी हुई है।

फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, वैश्विक रुझानों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी केंद्रीय बैंक के ब्याज दर पर निर्णय, वैश्विक बाजारों के रुझान और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। 'गणेश चतुर्थी के उपलक्ष्य में मंगलवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। वैश्विक मोर्चे पर बैंक ऑफ इंग्लैंड और बैंक ऑफ जापान के ब्याज दर पर निर्णय से भी बाजार को दिशा मिलेगा। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौर ने कहा, ''यह सप्ताह मौद्रिक नीति वाला होगा। फेडरल रिजर्व के नीति-निर्माताओं ने फेडरल ओपन मार्केट कमेटी (एफओएमसी) की बैठक बुलाई है और ब्याज दर पर निर्णय की घोषणा बुधवार यानी 20 सितंबर को होगी।

गौर ने कहा, ''डॉलर के मुकाबले रुपए की चाल, अमेरिकी में बॉन्ड प्रतिफल और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेंगी। पिछले

सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,239.72 अंक या 1.86 प्रतिशत के लाभ में रहा। नेशनल स्टॉक का निफ्टी 372.4 अंक या 1.87 प्रतिशत चढ़ गया। शुक्रवार को लगातार 11वें कारोबारी सत्र में सेंसेक्स लाभ में रहा और 319.63 अंक या 0.47 प्रतिशत की छलांग के साथ 67,838.63 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

फिटजी का एडमिशन कम स्कॉलरशिप टेस्ट बिग बैंग एज 22 और 29 अक्टूबर 2023 को

नर्मदापुरम । आज की अत्यधिक प्रतिस्पर्धी दुनिया मेंए माता.पिता अपने बच्चों की शैक्षणिक क्षमता और संभावनाओं को जानने के लिए संघर्ष करते हैं। फिटजीए प्रसिद्ध प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को सशक्त बनाने में एक प्रमुख नाम हैए जो उनकी खोज को पूरा करता है। फिटजी छात्रों को अकादमिक उत्कृष्टता के लिए तैयार करने की विरासत रखता है। इस प्रशंसनीय उद्देश्य के साथ इसने बिग बैंग एज टेस्ट का अनावरण किया है। बिग बैंग एज टेस्ट सबसे वैज्ञानिक उपकरण है जो छात्रों को उनकी क्षमता में गहरी अंतर्दृष्टि प्रदान करने और उन्हें अधिक जानकारी पूर्ण और सही करियर निर्णय लेने में मदद करने के लिए तैयार किया गया है। जबकि अन्य शिक्षा खिलाड़ियों ने इसी तरह के परीक्षणों का अनावरण किया है कोई भी फिटजी की उत्कृष्टता के स्तर की बराबरी करने में सक्षम नहीं है। बिग बैंग एज टेस्ट लक्ष्यवार परीक्षण पैटर्न अवधि परीक्षण पत्रों की गुणवत्ता और विश्लेषणात्मक रिपोर्ट के साथ अपने व्यापक और वैज्ञानिक डिजाइन के लिए जाना जाता है।

सलमान खान संग रोमांस करती नजर आएंगी सामंथा? इस निर्देशक की फिल्म में जमेगी जोड़ी

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा के ऊं अंटावा गाने से फैंस का दिल जीतने वाली सामंथा रुथ प्रभु को बॉलीवुड के कई निर्देशक अपनी फिल्मों में लेना चाहते हैं। सामंथा रुथ प्रभु साउथ सिनेमा की चर्चित अदाकारा हैं। हालांकि, बॉलीवुड में भी उनकी लोकप्रियता काफी ज्यादा है। द फैमिली मैन 2 में अपने किरदार से सबका दिल जीतने के बाद एक्ट्रेस अब वेब सीरीज सिटाडेल में वरुण धवन संग नजर आएंगी। इस बीच एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सामंथा रुथ प्रभु अगली फिल्म में सलमान खान संग रोमांस करती नजर आ सकती हैं।

करण जौहर की फिल्म में आएंगी नजर?

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा के ऊं अंटावा गाने से फैंस का दिल जीतने वाली सामंथा रुथ प्रभु को बॉलीवुड के कई निर्देशक अपनी फिल्मों में लेना चाहते हैं। अब खबर आ रही है कि जल्द ही अभिनेत्री बॉलीवुड के भाईजान सलमान के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आ सकती हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को करण जौहर अपने धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाने वाले हैं।

इन एक्ट्रेस के नाम की भी हो रही चर्चा

रिपोर्ट्स के मुताबिक सामंथा फिलहाल इस फिल्म के लिए निर्देशक विष्णुवर्धन के साथ बातचीत कर रही हैं। रिपोर्ट्स में यह दावा भी किया जा रहा है कि सामंथा के अलावा फिल्म में तृषा और अनुष्का शेट्टी से भी बातचीत जारी है। हालांकि, फिलहाल आधिकारिक रूप से इस बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

ब्रेक पर चल रहीं सामंथा

बता दें कि फिलहाल सामंथा सिल्वर स्क्रीन से ब्रेक पर हैं। सामंथा ने अपनी बीमारी के चलते ब्रेक का एलान किया था और बताया था कि वह मायोसिटिस नाम की बीमारी से जूझ रही हैं। हालांकि, एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर लगातार एक्टिव हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की। व्हाइट और पिंक ड्रेस में सामंथा पाउट बनाकर पोज देती नजर आ रही हैं।

अनुराग कश्यप हंसल मेहता की तारीफ पर कंगना रणौत ने दी प्रतिक्रिया

अनुराग कश्यप और हंसल मेहता ने हाल ही में कंगना रणौत की जमकर तारीफ की थी। अब अभिनेत्री ने दोनों फिल्मकारों की तारीफ पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इन दिग्गजों से अपने लिए प्रंशसा सुनकर वह काफी खुश नजर आईं। सोशल मीडिया उन्होंने दोनों निर्देशकों को धन्यवाद देते हुए खुद को बैटमैन बताया है। कंगना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ वीडियो शेयर किए हैं, जिनमें दोनों डायरेक्टर उनकी तारीफ करते हुए दिख रहे हैं। एक वीडियो में अनुराग कश्यप ने कंगना की प्रशंसा की और कहा, वह बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। जब काम की बात आती है तो वह बहुत ईमानदार होती है, उसके साथ अन्य समस्याएं भी होती हैं। हालांकि, जब उनकी प्रतिभा की बात आती है, तो कोई भी उनसे यह नहीं छीन सकता। एक अभिनेता के रूप में, एक ईमानदार रचनात्मक व्यक्ति के रूप में भी, उनके अंदर जो कुछ है, उसे कोई उनसे छीन नहीं सकता। वहीं दूसरे वीडियो में हंसल मेहता उन्हें कमाल की अदाकारा कहते हुए दिख रहे हैं। इन दोनों वीडियो के बाद कंगना ने अगली स्टोरी में अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, ये बात पर सब सहमत होते हैं लेफ्ट राइट दोनों विंग। 1- एक तो मैं बहुत बद्तमीज हूं। 2-हिंसक और अतिवादी भी हूं, मुझे हिंसा पसंद है और हिंसा को भी मैं पसंद हूं.। 3-थोड़ी बिगाड़ी हूं और बहुत जिद्दी हूं। 4- भयंकर वाली टैलेंटेड। इसको कहते हैं बैटमैन..वही हूं मैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कंगना राघव लॉरेंस के साथ जल्द ही चंद्रमुखी 2 में नजर आने वाली हैं। वहीं, उनके पास तेजस भी है जो 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसके अलावा वह इमरजेंसी में भी लीड रोल में दिखेंगी। इसका निर्देशन भी उन्होंने खुद ही किया है। फिल्म में उनके साथ अनुपम खेर, मिलिंद सोमन और सतीश कौशिक जैसे अन्य कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह 24 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। दर्शकों को इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार है।

शिल्पा शेट्टी ने बताया कम फिल्में करने के पीछे की वजह

बॉलिवुड में शिल्पा शेट्टी ने कई फिल्मों में काम किया। लेकिन उनके करियर का ग्राफ कुछ खास नहीं रहा। कोरोना महामारी के दौरान भी उन्होंने लंबे समय बाद पर्दे पर भाग्यश्री के बेटे अभिमन्यु दसानी के साथ कमबैक किया था। लेकिन बात नहीं बनीं। देखा जाए तो उनको इंडस्ट्री में 30 साल हो गए हैं। लेकिन बीते सालों में उनकी लोकप्रियता कम होने के बजाय बढ़ती ही चली गई है। वह मूवीज नहीं कर रहीं, लेकिन टीवी करके भी दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना चुकी हैं। इन दिनों वे चर्चा में हैं, अपनी नई फिल्म सुखी से, जिसमें वे एक हाउसवाइफ की भूमिका निभा रही हैं। इस खास बातचीत में वे कई मुद्दों पर साफगोई से बातें करती हैं।

शिल्पा आपके चाहने वालों को शिकायत है कि आप चुनिंदा काम क्यों करती हैं?

मेरे करियर को तीस साल होने आए हैं। मेरी प्राथमिकता अब मेरे बच्चे हैं। दर्शकों के साथ मेरा काफी गहरा रिश्ता हो गया है, इतने सालों में, तो मुझे लगता है कि मैं उनके प्रति उत्तरदायी हूं। अब फिल्मों को लेकर मेरा अप्रोच अलग है, दर्शक भी काफी बदल गया है। वे भी काफी चूजी हो गए हैं कि थिएटर में जाकर कौन-सी फिल्म देखेंगे। अब जिम्मेदारी ज्यादा हो गई है। दर्शकों में मेरे बच्चे भी शामिल हैं, तो मैं चाहती हूं कि वे मुझे आर्टिस्ट के रूप में देखें, क्योंकि जब मैं मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब ओटीटी था नहीं कि वे मेरी फिल्म स्विच ऑन करके देखें, तो अब मैं उन्हें एक नई शिल्पा शेट्टी से मिलवाना चाहती हूं, इसलिए सोच-समझकर काम सिलेक्ट करती हूं।

लोग आपको सशक्त महिला मानते हैं। आपने एक महिला होने के नाते खुद को सशक्त कब महसूस किया?

मैं नहीं जानती लोग मुझे सशक्त क्यों मानते हैं? मगर मैं इसे तारीफ के रूप में लेती हूं। मैं अपनी जिंदगी में जो भी करती हूं, दिखाने के लिए नहीं करती, हां फिटनेस को लेकर मैं जरूर लोगों को जागरूक करती रहती हूं। मुझे मीडिया ने, लोगों ने बहुत ऊंचा दर्जा दिया है। जब भी मुझे लोगों से प्यार और इज्जत मिलती है, मैं सशक्त महसूस करती हूं। सत्रह साल की उम्र से मैंने काम करना शुरू किया था। मगर जब आप अपने जीवन में किसी के लिए परिवर्तनकारी बनते हैं, तो सशक्त महसूस होता है। मैंने जब अपनी किताब लिखी, तब मैंने खुद को बहुत मजबूत पाया। जब अपनी किताब के जरिए मैंने लोगों से कहा कि बच्चे की पैदाइश के बाद थोड़ा मोटा हो जाना स्वाभाविक है और उसे घटाना भी आसान होता है, तो ट्रैवल करने के दौरान कई महिलाएं मुझे एयरपोर्ट पर मिलीं और उन्होंने मुझे थैंक्स कहा, उस वक्त मैंने खुद को काफी स्ट्रांग पाया। योग के जरिए मैं युवा पीढ़ी तक पहुंची, वो भी काफी एम्पावरिंग था। बिग ब्रदर में जीतना भी बहुत सशक्तिकरण वाला पहलू रहा है।

महिलाओं को कई बार ह्युमिलिएशन का सामना करना पड़ता है, आपको महिला होने के नाते हीनता का अहसास कब हुआ?

मणिपुर की घटना एक औरत होने के नाते मेरे लिए काफी ह्युमिलिएटिंग थी। ऐसा लगा, आज के दौर में भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं और उसके बारे में कोई बात नहीं करता। सोशल मीडिया के कारण एक महीने बाद वो शर्मनाक घटना हम तक पहुंची। बहुत ही आक्रोशित करना वाला मामला था।

साई पल्लवी के साथ नजर आएंगे आमिर के बेटे जुनैद

आमिर खान के बेटे जुनैद खान जल्द ही बॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं। खबरों की मानें तो जुनैद की फिल्म महाराज नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर पोस्ट शेयर करते हुए हिंट दिया है कि वह जल्द ही नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर कुछ नया लाने वाले हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि मेकर्स जल्द ही कोई बड़ी अनाउंसमेंट करने वाले हैं।

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी जुनैद की डेब्यू फिल्म

रिपोर्ट्स के मुताबिक जुनैद खान की फिल्म महाराज नेटफ्लिक्स पर रिलीज की जाएगी। यशराज फिल्म्स के डिजिटल प्रोडक्शन बैनर ङ्क्रक्ष्न एंटरटेनमेंट ने इस फिल्म के लिए नेटफ्लिक्स इंडिया के साथ कोलैबोरेट किया है। जुनैद की इस फिल्म में जयदीप अहलावत, शारवरी वाघ और शालिनी पांडे भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इससे पहले दोनों कंपनियों ने 'द रोमांटिक्स' पर एक साथ काम किया था, जो कि एक डॉक्यूमेंट सीरीज थी।

पत्रकार का किरदार निभाएंगे जुनैद

जुनैद की इस डेब्यू फिल्म का डायरेक्शन सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने किया है। यह फिल्म एक रियल लाइफ स्टोरीज से इंस्पायर्ड है। फिल्म एक पत्रकार की कहानी है, जिसे लोग मसीहा के तौर पर जानते हैं। फिल्म में जुनैद पत्रकार का किरदार निभा रहे हैं। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से फिल्म को लेकर कोई ऑफिशियल अपडेट नहीं आया है, ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि मेकर्स जल्द ही महाराज की ऑफिशियल अनाउंसमेंट करेंगे।

डेब्यू से पहले जुनैद के हाथ लगी दूसरी फिल्म

जुनैद की पहली फिल्म की रिलीज से पहले ही उन्होंने अपना दूसरा प्रोजेक्ट साइन कर लिया है, जिसमें उनके साथ साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी नजर आएंगी। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक जुनैद खान जल्द ही अपनी दूसरी फिल्म की शूटिंग शूर करेंगे। हालांकि, अभी तक मेकर्स ने फिल्म का नाम डिसाइड नहीं किया है। इस फिल्म का डायरेक्शन सुनील पांडे करेंगे।

टाइगर श्रॉफ के साथ हीरो नंबर वन में दिखेंगी पश्मीना रोशन

ऋतिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन जल्द ही बॉलीवुड में एंट्री करने वाली है। वह रोहित सराफ, जिब्रान खान और नैला ग्रेवाल के साथ इश्क विश्क रिबाउंड से डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पहली फिल्म के बीच अब ऐसी खबरें आई हैं कि पश्मीना को अपना दूसरा प्रोजेक्ट भी मिल गया है। कहा जा रहा है कि वह हीरो नंबर 1 नाम की फिल्म में टाइगर श्रॉफ की पहली प्रेमिका की भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में सारा अली खान भी होंगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर श्रॉफ एक नई फिल्म के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हीरो नंबर 1 नाम की इस फिल्म में सारा अली खान होंगी। रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया, प्रोजेक्ट में सारा और पश्मीना टाइगर के साथ प्रमुख महिलाओं के रूप में हैं और पश्मीना उनकी प्रेमिका की भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन जगन शक्ति करने वाले हैं। इससे पहले वह मिशन मंगल का निर्देशन कर चुके हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म के अगले साल की शुरुआत में फ्लोर पर जाने की उम्मीद है। उसी सूत्र ने रिपोर्ट में कहा, हालांकि. शूटिंग जनवरी 2024 में लंदन में शुरू होगी, लेकिन टाइगर ने पहले ही एक एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग कर ली है। वहीं, सारा और पश्मीना अगले साल ही उनके साथ जुड़ेंगी। टाइगर ने भगनानी के प्रोडक्शन के साथ तीन फिल्मों का करार किया था और गणपत और बड़े मियां छोटे मियां के बाद, हीरो नंबर 1 उनकी तीसरी फिल्म है। वर्क फ्रंट की बात करें तो टाइगर को आखिरी बार हीरोपंती 2 में देखा गया था। इस फिल्म से उन्हें काफी ज्यादा उम्मीदें थीं, लेकिन दर्शकों को यह फिल्म बिल्कुल भी पसंद नहीं आई। अभिनेता जल्द ही अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में दिखने वाले हैं। इस एक्शन फिल्म का फैंस को लंबे समय से इंतजार है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी।

डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने की विक्की कौशल की तारीफ

डायरेक्टर अनुराग कश्यप ने विक्की कौशल की तारीफ है। उन्होंने कहा है कि अब तक किसी ने भी विक्की कौशल के रियल टैलेंट को नहीं पहचाना है। जिस्ट को दिए एक इंटरव्यू में अनुराग कश्यप ने कहा है कि कामयाबी हासिल करने के बाद भी विक्की जरा भी नहीं बदले हैं।

उन्होंने ये भी कहा कि अब तक कोई भी फिल्ममेकर विक्की से वैसा काम नहीं करवा सका है जो वो आसानी से अपनी काबिलियत के दम पर डिलीवर कर सकते हैं।

एक्शन फिल्मों में विक्की कौशल की कोई बराबरी नहीं

अनुराग कश्यप ने आगे कहा- वो आज भी वैसे ही हैं, सीधे-साधे और काम के प्रति ईमानदार। वो हमेशा से मेहनती रहे हैं। कभी-कभी शूटिंग के बीच में हम उन्हें कह देते थे कि विक्की डांस करके दिखा। वो डांस करके दिखाते भी थे और हम सबका मनोरंजन करते थे। आज उन्हें डांस करने के पैसे मिल रहे हैं। लेकिन, अब तक कोई उनका टैलेंट पहचान नहीं सका। किसी ने अब तक उन्हें प्रॉपर एक्शन रोल के लिए कास्ट नहीं किया है। मुझे नहीं लगता कि एक्शन फिल्म के लिए उनसे बेहतर कोई भी है। वो स्टंट मैन शाम कौशल के बेटे हैं, वो तो बचपन से एक्शन करते आ रहे हैं। दरअसल, विक्की कौशल ने अनुराग कश्यप के साथ फिल्म गैंग्स ऑफ वासेपुर में असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम किया था। मजेदार बात ये है कि फिल्म की शूटिंग के दौरान विक्की कौशल को पुलिस ने अरेस्ट भी किया था। दरअसल, टीम ने फिल्म के लिए बिना परमिशन कुछ सीन्स की शूटिंग की थी। इसी दौरान गैरकानूनी तौर पर चल रही सैंड-माइनिंग की शूटिंग करने की वजह से विक्की कौशल को पुलिस ने अरेस्ट किया था और उन्हें जेल भी जाना पड़ा। इसके बाद भी विक्की कौशल ने अनुराग कश्यप की फिल्मों- रमन राघव 2.0 और मनमर्जियां में काम किया था।

संक्षिप्त समाचार

दिग्विजय सिंह ने सनातन धर्म विवाद पर कांग्रेस को किया सतर्क, कहा- भाजपा को होगा लाभ

भोपाल, एजेंसी। सनातन धर्म को लेकर द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेताओं की टिप्पणियों से बढ़ते विवाद के बीच कांग्रेस सतर्क हो गई है। पार्टी के कुछ नेताओं ने शनिवार को इस विषय पर सावधानी भरा रुख अपनाने और पार्टी से भाजपा के एजेंडे में नहीं फंसने की अपील की। सूत्रों ने कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित कुछ नेताओं ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में कहा कि पार्टी को ऐसे मुद्दों से दूर रहना चाहिए और इसमें नहीं फंसना चाहिए। सूत्रों ने बताया कि कि राहुल गांधी ने कहा कि नेताओं को सनातन धर्म विवाद में पड़ने के बजाय गरीबों और उनके मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए क्योंकि वे पार्टी के पारंपरिक वोट बैंक रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने कहा कि पार्टी को गरीबों के मुद्दे उठाने चाहिए, चाहे वे किसी भी जाति के हों। सूत्रों ने बताया कि सीडब्ल्यूसी की बैठक के दौरान, बघेल और दिग्विजय सिंह दोनों ने कहा कि सनातन धर्म विवाद पर बोलने से पार्टी को नुकसान होगा और भाजपा को मदद मिलेगी। पार्टी की एक ब्रीफिंग में इस विषय पर पूछे जाने पर वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कहा कि भाजपा असल मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रही है और कांग्रेस इस विवाद में नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस 'सर्वधर्म समभाव' में विश्वास करती है।

केसीआर की अगुवाई में बनेगा तीसरा मोर्चा! इंडिया गठबंधन में न्योता न मिलने पर ओवैसी ने दिए संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी इंडिया गठबंधन में शामिल नहीं हुए। जब उनसे इसपर सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, मुझे आमंत्रित नहीं किए जाने की कोई परवाह नहीं है। बसपा प्रमुख मायावती, तेलंगाना के सीएम के चंद्रशेखर राव और पूर्वोत्तर और महाराष्ट्र की कई पार्टियां भी इस गठबंधन की सदस्य नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा, ...हमने तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर से आगे बढ़ने और तीसरा मोर्चा बनाने और इसमें कई दलों को शामिल करने के लिए कहा है। एक राजनीतिक शून्य है इस गठबंधन में जो केसीआर के नेतृत्व करने पर भर जाएगा। भारतीय गठबंधन इस शून्य को भरने में सक्षम नहीं है। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी पर एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन औवेसी ने न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान कहा, वे मुख्यमंत्री थे, वे इतना परेशान क्यों हो रहे हैं उन्होंने जगन मोहन रेड्डी को जेल में डाला था, तब वे मुख्यमंत्री भी नहीं थे लेकिन आप तो मुख्यमंत्री थे तो आपको जवाब देना होगा। आप इसका सामना कीजिए और जवाब दीजिए। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने नए संसद भवन पर कहा, देश को नए संसद भवन की ज़रूरत थी लेकिन नया संसद भवन बनाने से लोकतंत्र मजबूत होगा या संसद चलने से होगा। संसद भवन की खूबसूरती उसके इमारत में नहीं बल्कि संसद चलने में हैं।

नूंह हिंसा केस में मामन खान के गले की फांस बनीं सोशल मीडिया पोस्ट, कुछ और लोगों की गिरफ्तारी संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। नूंह हिंसा मामले में पुलिस रिमांड पर चल रहे फिरोजपुर झिरका के कांग्रेस विधायक मामन खान से पुलिस जुनैद-नासिर हत्याकांड के साथ नूंह हिंसा को लेकर सवाल करके घेरने में जुटी हुई है। हालांकि, विधायक ने हिंसा भड़काने के आरोपों को नकार दिया है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि विधायक से पूछताछ के बाद कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। रविवार को पुलिस रिमांड खत्म होने पर उन्हें अदालत में पेश करेगी। एसआईटी ने विधायक को मोबाइल की लोकेशन और कॉल डिटेल दिखाकर सवाल दागे। वह पुलिस के सवालों का स्पष्ट जवाब नहीं दे पा रहे हैं। नूंह हिंसा शुरू होने से पहले विधायक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की थीं। ये पोस्ट ही विधायक के गले की फांस बन गई हैं। विधायक के सोशल मीडिया अकाउंट पर अब ये पोस्ट नजर नहीं आ रही हैं। पुलिस आरोपी से रिमांड के दौरान इन पोस्ट को बरामद करने में जुटी हुई है। समर्थकों के बयानों से विधायक पल्ला झाड़ रहे हैं। नूंह हिंसा मामले में पुलिस अब तक 330 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। सूत्रों का कहना है कि विधायक के मोबाइल फोन की जांच के आधार पर कुछ और लोगों की गिरफ्तारी हो सकती है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इसमें किसी को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की साइबर टीम विधायक मामन खान के मोबाइल और लैपटॉप को खंगालने में जुटी हुई है। वहीं, विधायक के सोशल मीडिया अकाउंट को भी खंगाला जा रहा है। पुलिस डीग (राजस्थान) के घाटमिका गांव निवासी नासिर-जुनैद से संबंधों और उनके परिवार की आर्थिक मदद करने के बारे में पूछताछ करने में जुटी हुई है। पुलिस विधायक से 26 जुलाई से 31 जुलाई तक मिलने वाले लोगों की जानकारी भी जुटा रही है। पुलिस ने विधायक को शुक्रवार को अदालत में पेश कर दो दिन के लिए रिमांड पर लिया था। रविवार को रिमांड खत्म हो जाएगी।

जब नरेंद्र मोदी ने अहमद पटेल के इलाज की कराई व्यवस्था, बेटा फैसल भी रह गया हैरान

नईदिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। पीएम मोदी का जन्म गुजरात के वडनगर जिले में 17 सितंबर, 1950 को हुआ था। पीएम मोदी के जन्मदिन पर उनकी तमाम कहानियां सामने आती हैं। आइए इस बार आपको सुनाते हैं उनके जीवन का एक बेहद दिलचस्प और प्रेरक किस्सा। इस किस्से को सुनकर आप भी पीएम मोदी की भलमनसाहत और दरियादिली के मुरीद हो जाएंगे। यह किस्सा पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शेयर किया है कि कैसे पीएम मोदी ने अपने विरोधी माने जाने वाले कांग्रेस नेता अहमद पटेल की मदद की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा लोगों के मददगार रहे हैं।

हिमाचल में आपदा प्रभावितों को मुफ्त में मिलेगा एलपीजी गैस कनेक्शन और राशनः मुख्यमंत्री सुक्खू

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में बीते दिनों भारी तबाही मची थी। भारी बरसात के चलते चार सौ से अधिक लोगों की मौत हो गई थी। दरकते पहाड़ और भूस्खलन के कई दहलाने वाले वीडियो वायरल हुए थे। ऐसे में अब राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एक और बड़ी घोषणा की है। सीएम सुक्खू ने आपदा प्रभावित परिवारों को अगले साल 31 मार्च तक मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन और राशन प्रदान करने का ऐलान किया है।

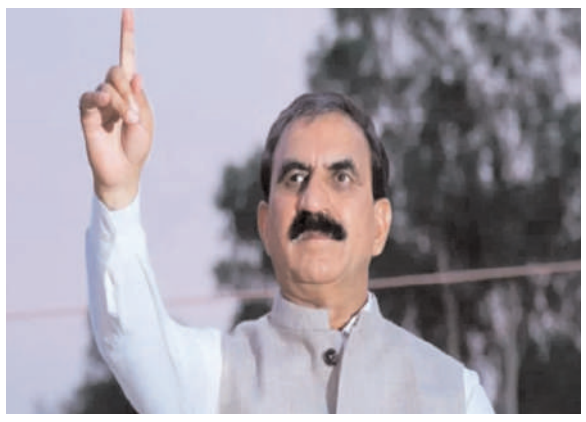

सीएम सुक्खू ने शनिवार को कहा कि राज्य सरकार ने अब प्रभावित परिवारों के जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क घरेलू रसोई गैस कनेक्शन किट प्रदान करने का निर्णय लिया है। इस किट में एक एलपीजी सिलेंडर, प्रेशर रेगुलेटर, हॉट प्लेट, सुरक्षा पाइप शामिल होंगे और एलपीजी घरेलू रिफिल और ब्लू बुक की लागत सहित सभी संबंधित खर्च सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को एलपीजी गैस कनेक्शन के अलावा निःशुल्क राशन भी उपलब्ध करवाएगी। इस आवश्यक सामग्री के राशन पैकेज में 20 किलोग्राम गेहूं आटा, 15 किलोग्राम चावल, 3 किलोग्राम दाल, एक लीटर सरसों का तेल, एक लीटर सोया रिफाइंड तेल, एक किलोग्राम डबल फोर्टिफाइड नमक और 2 किलोग्राम चीनी शामिल है। उन्होंने कहा कि निःशुल्क राशन की यह सुविधा 31 मार्च, 2024 तक प्रदान की जाएगी, जिससे प्रभावित परिवारों को खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। संबंधित ज़िला नियंत्रक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति और खाद्य निरीक्षक इन आवश्यक वस्तुओं का उचित वितरण किराये के आवास में रहने वाले प्रभावित परिवारों तक सुनिश्चित करेंगे।

सीएम सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार के इस कदम से आपदा प्रभावित परिवारों को बिना किसी वित्तीय बोझ के खाना पकाने सहित अन्य सुविधाएं सुनिश्चित हो सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों को राहत शिविरों से स्थानांतरित कर किराये पर उपयुक्त आवासीय सुविधा प्रदान करने का पहले ही निर्णय ले चुकी है। इसके तहत आवास किराये पर लेने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 5,000 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 10,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है।

हिमाचल में आपदा से 13 हजार मकानों को नुकसान, 428 लोग मरेः सुक्खू

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश में आई आपदा से भारी तबाही हुई है। उन्होंने शनिवार को कहा कि अब तक इस आपदा में 428 लोग काल का ग्रास बने हैं। राज्य में 13,000 से अधिक मकान और भवन पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। शिमला से परवाणू राष्ट्रीय राजमार्ग और मण्डी-मनाली राजमार्ग के बड़े-बड़े हिस्से पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गये हैं। राज्य की अनेक सड़कों, पेयजल आपूर्ति योजनाओं एवं विद्युत व्यवस्था को भी भारी क्षति पहुंची है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में इस आपदा के कारण अभी तक लगभग 12 से 15 हजार करोड़ रुपये का नुकसान आंका गया है।

कावेरी नदी विवाद को लेकर तमिलनाडु के सांसद करेंगे गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के जल संसाधन मंत्री एस. दुरईमुरुगन के नेतृत्व में सांसदों का एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली पहुंचेगा। यहां सभी केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात करेंगे। बता दें कि ये बैठक कावेरी नदी मुद्दे को लेकर होगी। हालांकि, बैठक की तारीख अभी तय नहीं हुई है। तमिलनाडु जल कार्य विभाग के सूत्रों ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि यह बैठक जल्द ही आयोजित की जाएगी।

बता दें कि कर्नाटक ने घोषणा की है कि वह अब तमिलनाडु को कावेरी का और पानी नहीं छोड़ेगा। इस घोषणा के बाद ही तमिलनाडु ने इस बैठक को बुलाने का एलान किया है।

प्रतिनिधिमंडल इस बैठक के जरिए केंद्रीय मंत्री को कावेरी जल की आवश्यकता से अवगत कराएगी और उन्हें तमिलनाडु के डेल्टा जिलों में कुरुवई फसलों को बचाने के लिए जारी पानी की जानकारी भी देगी। बता दें कि कावेरी जल को लेकर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच विवाद पर सुप्रीम कोर्ट 21 सितंबर को सुनवाई करेगा।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने एक बयान में कहा है कि कर्नाटक ने बेबुनियाद आरोप लगाया है कि तमिलनाडु की अधिक कावेरी जल की मांग अनुचित है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कर्नाटक ने यह भी आरोप लगाया है कि तमिलनाडु ने अपने अयाकट क्षेत्रों को बढ़ाया है जो एक निराधार आरोप है। स्टालिन ने कहा कि कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, कावेरी बेसिन में तटवर्ती राज्यों को संकट वर्ष में आनुपातिक आधार पर उपलब्ध पानी को साझा करना चाहिए।उन्होंने कहा कि इस फैसले के अनुसार, कर्नाटक को 14 सितंबर तक 103.5 टीएमसीएफटी जारी करना चाहिए था लेकिन राज्य ने केवल 38.4 टीएमसीएफटी जारी किया। इससे 65.1 टीएमसीएफटी की कमी हो गई है।

पुलवामा वाला गुस्सा अब क्यों नहीं दिखा रहे पीएम मोदीः ओवैसी

नईदिल्ली, एजेंसी। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को अनंतनाग मुठभेड़ को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की। पाकिस्तान समर्थित आतंकी हमलों के बीच अहमदाबाद में भारत-पाक क्रिकेट मैच के लिए दी गई अनुमति पर भी उनका गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने पूछा, मेरा पीएम से सवाल है कि पुलवामा हमले के समय उन्होंने जो गुस्सा दिखाया था वह कहां है। उन्होंने आगे कहा, आतंकी भारतीय सैनिकों के जीवन के साथ खेल खेल रहे हैं। हमारे बीच गोलियों का क्रिकेट मैच चल रहा है। शहीद हो रहे हैं। क्रिकेट मैच खेलने से पहले इस खेल को खत्म करने की जरूरत है। भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर अनंतनाग जिले के कोकेरनाग इलाके में गडोले के वन क्षेत्र में छिपे हुए आतंकवादियों के खिलाफ आज अभियान फिर से शुरू किया। ऑपरेशन लगातार चौथे दिन भी जारी है। अधिकारियों के अनुसार, माना जाता है कि 2-3 आतंकवादी अनंतनाग जिले के पहाड़ी इलाके में छिपे हुए हैं। अनंतनाग मुठभेड़ पर ओवैसी ने कहा, मेरा पीएम से सवाल है कि पुलवामा हमले के समय उन्होंने जो गुस्सा दिखाया था वह कहां है... हमारे जवानों की जान चली गई और हम अहमदाबाद में क्रिकेट खेल रहे हैं... यह सरकार की विफलता है। आपने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने से सब कुछ हल हो गया।

वहीं, हैदराबाद में हुई कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक पर ओवैसी ने कहा, कोई भी राजनीतिक दल जो चाहे, वह कर सकता है। केसीआर साढ़े 9 साल तक तेलंगाना के मुख्यमंत्री रहे हैं। तेलंगाना में कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ है। विकास हुआ है और इसकी जीडीपी सबसे ज्यादा है... इसका

सामाजिक कल्याण बजट सबसे ज्यादा है... मुझे एक कांग्रेस शासित राज्य दिखाओ जहां मुस्लिम छात्रों को कक्षा 6 से 12 तक मुफ्त शिक्षा मिलती है।बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष ने सीडब्ल्यूसी की पहली बैठक में कहा, कांग्रेस पिछले साढ़े नौ वर्षों से आम लोगों की चिंताओं और शिकायतों के निवारण में प्रतिबद्ध दृढ़ संकल्प के साथ केंद्र में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। देश आज कई आंतरिक चुनौतियों का सामना कर रहा है।

मोदी सरकार सभी महत्वपूर्ण मोर्चों पर पूरी तरह विफल रही है, चाहे वह मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, मणिपुर में बढ़ती हिंसा, बढ़ती असमानता और किसानों और मजदूरों की गिरती स्थिति को नियंत्रित करना हो। वहीं, एनकाउंटर के बीच सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में मुठभेड़ स्थल के पास परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। यह मुठभेड़ चार दिनों से जारी है। सैन्य अधिकारियों ने लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी को उच्च प्राथमिकता वाले अभियानों के बारे में जानकारी दी। , जिसमें बलों द्वारा उच्च प्रौद्योगिकी वाले उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। सेना की उत्तरी कमान ने च्एक्सज पर एक पोस्ट में कहा, उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने अनंतनाग के कोकेरनाग वन क्षेत्र में जारी अभियान की समीक्षा की। अनंतनाग में हुई मुठभेड़ में सुरक्षा बल के तीन अधिकारी और एक जवान शहीद हुआ है।

ट्रेड शो और बाइक रेसिंग के लिए रास्तों में बदलाव, ग्रेटर नोएडा से आगरा तक रूट रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो और बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में मोटो जीपी बाइक रेसिंग के दौरान वाहन बदले हुए मार्ग से चलेंगे। भारी वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। बाइक रेस 22 से 24 सितंबर तक बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर होनी है। दिल्ली बॉर्डर से जिले में भारी और मध्यम वाहनों का प्रवेश 21 सितंबर को सुबह छह बजे से 25 सितंबर की रात 12 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। चिल्ला, डीएनडी, कालिंदी कुंज, न्यू अशोक नगर, कोंडली, झुण्डपुरा बॉर्डर, परी चौक, नॉलेज पार्क, नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे और यमुना एक्सप्रेसवे पर आवागमन पर रोक रहेगी। एंबुलेंस, दूध, फल, सब्जी आदि के वाहन आ-जा सकेंगे। आपात स्थिति में लोग यातायात हेल्पलाइन नंबर 9971009001, 9355057381 और 9355057380 पर कॉल कर सकते हैं। दिल्ली से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर रोक रहेगी। ग्रेटर नोएडा, मथुरा, आगरा, लखनऊ की ओर जाने के लिए गैर व्यावसायिक वाहन एनएच-9, 24, 91 से जा सकेंगे।

घर के वास्तु दोष निवारण के नाम पर महिला से कई बार रेप, पति के दोस्त निकले दरिंदे

पालघर, एजेंसी। महाराष्ट्र के पालघर में महिला से दरिंदगी का मामला सामने आया है। 35 वर्षीय महिला के साथ उसके घर में वास्तु दोष निवारण और काले जादू के नाम कई बार रेप किया गया। इस आरोप में पुलिस ने महिला के पति के पांच दोस्तों को गिरफ्तार किया है। ऐसी जानकारी मिली है कि महिला और उसके पति को बरगलाया गया कि वास्तु दोष और काले जादू के निवारण के लिए कुछ अनुष्ठान करने होंगे। पंचामृत के नाम पर महिला को नशीला पदार्थ पिलाया जाता और फिर बलात्कार किया जाता था। अधिकारी ने कहा, जिन पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, वे सभी पीड़िता के पति के दोस्त हैं। उन्होंने महिला को बताया कि उसके पति पर कोई बुरा जादू किया गया है और शांति पाने के लिए उसे कुछ अनुष्ठानों का हिस्सा बनना होगा। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने अप्रैल 2018 से पीड़िता के घर आना-जाना शुरू कर दिया और जब पीड़िता अकेली होती तो अनुष्ठान करते थे। वे उसे च्पंचामृतज कहकर नशीला पेय पिलाते थे और उसके साथ बलात्कार करते थे। उन्होंने कहा कि आरोपी ने यह दावा करते हुए उससे सोना और पैसा भी लिया कि यह विभिन्न अनुष्ठानों के लिए था जो शांति और समृद्धि और उसके पति के लिए एक स्थिर सरकारी नौकरी सुनिश्चित करेगा।

ठाणे और पालघर में अलग-अलग ठिकानों पर रेप

उन्होंने कहा, 2019 में ठाणे के येऊर जंगल में, फिर कांदिवली में मुख्य आरोपी के मठ में, लोनावाला के एक रिसॉर्ट में उसके साथ बलात्कार किया गया।

पीटीआई ने खटखटाया कोर्ट का दरवाजा, 90 दिनों के भीतर चुनाव की मांग वाली याचिका पर आपत्तियों को दी चुनौती

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने शनिवार को देश में 90 दिनों के भीतर राष्ट्रव्यापी चुनाव की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट (एससी) रजिस्ट्रार द्वारा उठाई गई आपत्तियों को चुनौती दी। स्थानीय मीडिया एआरवाई न्यूज ने यह जानकारी दी है। मिली जानकारी के अनुसार, पीटीआई ने 90 दिनों में आम चुनाव की मांग वाली याचिका पर शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार द्वारा उठाई गई आपत्तियों के खिलाफ अपील दायर की।

एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, अपील में पीटीआई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार कार्यालय द्वारा उठाई गई आपत्तियां न्यायिक प्रकृति की हैं और वह ऐसी आपत्तियां नहीं उठा सकता है।

एआरवाई न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, पीटीआई की यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार द्वारा गुरुवार को 90 दिनों में आम चुनाव की मांग करने वाली पीटीआई की याचिका लौटाने के बाद आई है। पीटीआई ने कहा, रजिस्ट्रार कार्यालय को आपत्तियों को दूर करना चाहिए और सुनवाई के लिए आवेदन निर्धारित करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका वापस कर दी गई क्योंकि पूर्व सत्तारूढ़ गठबंधन ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने से पहले संबंधित मंचों पर संपर्क नहीं किया था। याचिका में पीटीआई ने प्रतिवादी के रूप में पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी को भी शामिल किया था। हालांकि, रजिस्ट्रार ने कहा कि राज्य के प्रमुख को अनुच्छेद 248 के तहत याचिका का हिस्सा नहीं बनाया जा सकता है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के रजिस्ट्रार ने आगे कहा, याचिका में यह उल्लेख नहीं किया गया है कि याचिकाकर्ता के किस मौलिक अधिकार का उल्लंघन किया गया है।

पाकिस्तान के 29वें मुख्य न्यायाधीश बने न्यायमूर्ति काजी फैज ईसा, आसान नहीं होगा आगे का सफर

इस्लामाबाद, एजेंसी। न्यायमूर्ति काजी फैज ईसा ने रविवार को पाकिस्तान के 29वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के तौर पर उनका कार्यकाल 13 महीने का होगा, जो 25 अक्टूबर, 2024 को समाप्त हो जाएगा। 63 वर्षीय न्यायमूर्ति ईसा को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने इस्लामाबाद के ऐवान-ए-सद्र में आयोजित एक समारोह में पद की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम में कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवारुल हक काकर, सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर, मंत्रियों और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति रहे। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान न्यायमूर्ति ईसा के साथ उनकी पत्नी सरीना ईसा भी वहां मौजूद थीं। दरअसल, एक प्रथा के मुताबिक, आमतौर पर ऐसे शपथ ग्रहण समारोहों के दौरान पति-पत्नी सहित परिवार के करीबी सदस्यों को आगे की पंक्ति में बैठाया जाता है। सरीना,

2019 में सुर्खियों में आई, जब टीवी चैनलों ने उन्हें 2019 में दायर एक मामले में कर अधिकारियों की जांच का सामना करते हुए दिखाया था। मामले में आरोप लगाया गया कि उनके पति ने लंदन में संपत्ति बनाई, जिसकी मालिक वह थीं। बाद में, न्यायमूर्ति ईसा और उनकी पत्नी दोनों को दोषमुक्त कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने इमरान खान के नेतृत्व वाली तत्कालीन पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) सरकार पर कुछ मामलों में प्रतिष्ठान के खिलाफ फैसले देने के लिए न्यायाधीश को निशाना बनाने का आरोप लगाया था। समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, न्यायमूर्ति ईसा को स्वतंत्र विचारों वाला माना जाता है। उनके 2019 के फैसले ने फैजाबाद में एक धार्मिक पार्टी के धरने पर शक्तिशाली प्रतिष्ठान को निशाना बनाया, जिससे पूरे शहर में हलचल मच गई थी और वह मुसीबत में पड़ गए। उनके खिलाफ कथित भ्रष्टाचार का मामला दायर किया गया था, लेकिन बाद में इसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब पाकिस्तान गंभीर संवैधानिक, कानूनी और राजनीतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उनके कार्यकाल की सबसे बड़ी चुनौती 9 अगस्त को संसद भंग होने के 90 दिनों के भीतर आम चुनाव कराना होगा। एक अन्य चुनौती सैन्य अदालतों द्वारा नागरिकों के मुकदमे को चुनौती देने वाले मामले से संबंधित हालांकि, इसके अलावा, मुख्य न्यायाधीश के लिए सबसे बड़ा काम शीर्ष अदालत की प्रतिष्ठा और तटस्थता को बहाल करना हो सकता है। बंदियाल पर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के प्रति नरम रुख रखने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, जस्टिस ईसा को सुप्रीम कोर्ट में 56,000 से अधिक लंबित मामलों को देखना पड़ सकता है।

सफदरजंग अस्पताल में 25 सितंबर से शुरू होगी शाम की ओपीडी

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए एक बड़ी राहत भरी खबर है। अस्पताल प्रशासन मरीजों के लिए जल्द ही शाम की ओपीडी यानि स्क्रीनिंग ओपीडी शुरू करने जा रहा है। नियमित ओपीडी और इमरजेंसी में मरीजों के बढ़ते बोझ के मद्देनजर यह कदम उठाया गया है। इसके अलावा भविष्य में अस्पताल में डॉग बाइट क्लीनिक का भी विस्तार किया जाएगा। साथ ही मरीजों के लिए ब्लड जांच कराने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने की योजना है। अस्पताल की भविष्य की कार्ययोजना को लेकर शनिवार को चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार ने मीडिया को जानकारी दी। डॉ. वंदना तलवार ने बताया कि 25 सितंबर को स्क्रीनिंग ओपीडी का उद्घाटन किया जाएगा। इसके बाद 1 अक्टूबर से मरीज शाम को भी ओपीडी में अपना चेकअप करा सकेंगे। परिसर में स्थित मेक शिफ्ट अस्पताल में इस ओपीडी को तैयार किया जा रहा है, जिसके लिए मरीज सुबह साढ़े 11 बजे से लेकर शाम साढ़े 5 बजे तक रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे।

भगत सिंह की फांसी के 92 साल बाद पाकिस्तान में फिर हलचल, हाई कोर्ट से केस खोलने की हो रही मांग?

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान की एक अदालत ने स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह को 1931 में सजा मिलने के मामले को दोबारा खोले जाने संबंधी याचिका पर शनिवार को आपत्ति जताई। याचिका में भगत सिंह को मरणोपरांत राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किए जाने की भी अपील की गई है। सिंह को ब्रिटिश शासन के खिलाफ साजिश रचने के आरोप में मुकदमा चलाने के बाद 23 मार्च, 1931 को उनके साथियों राजगुरु और सुखदेव के साथ फांसी दे दी गई थी। सिंह को शुरू में आजीवन कारावास की सजा दी गई थी, लेकिन बाद में एक अन्य मनगढ़ंत मामले में मौत की सजा सुनाई गई। लाहौर हाई कोर्ट ने शनिवार को लगभग एक दशक पहले दायर मामले को फिर से खोलने और उस याचिका पर सुनवाई के लिए बड़ी पीठ के गठन पर आपत्ति जताई। इसमें समीक्षा के सिद्धांतों का पालन करते हुए भगत सिंह की सजा को रद्द करने का अनुरोध किया गया है। भगत सिंह मेमोरियल फाउंडेशन के अध्यक्ष और याचिकाकर्ता वकील इम्तियाज राशिद कुरैशी ने कहा, लाहौर उच्च न्यायालय ने शनिवार को भगत सिंह मामले को फिर से खोलने और इसकी शीघ्र सुनवाई के लिए बड़ी पीठ के गठन पर आपत्ति जताई। अदालत ने

आपत्ति जताई कि याचिका वृहद पीठ द्वारा सुनवाई योग्य नहीं है। सीनियर वकीलों की एक समिति की यह याचिका एक दशक से हाई कोर्ट में लंबित है। उन्होंने कहा, जस्टिस शुजात अली खान ने 2013 में बड़ी पीठ के गठन के लिए मामले को मुख्य न्यायाधीश के पास भेजा था, तब से यह लंबित है। याचिका में कहा गया कि भगत सिंह ने उपमहाद्वीप की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी। इसमें कहा गया कि सिंह का उपमहाद्वीप में न केवल सिखों और हिंदुओं बल्कि मुसलमानों की ओर से भी सम्मान किया जाता है। पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना ने सेंट्रल असेंबली में अपने भाषण के दौरान 2 बार सिंह को श्रद्धांजलि दी थी। कुरैशी ने दलील दी, यह राष्ट्रीय महत्व का मामला है और इसे पूर्ण पीठ के समक्ष तय किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश पुलिस अधिकारी जॉन पी. सैंडर्स की हत्या की प्राथमिकी में सिंह का नाम नहीं था, जिसके लिए उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी। करीब एक दशक पहले अदालत के आदेश पर लाहौर पुलिस ने अनारकली थाने के रिकॉर्ड खंगाले थे और सैंडर्स की हत्या की प्राथमिकी ढूंढने में कामयाबी हासिल की थी। उर्दू में लिखी यह प्राथमिकी 17 दिसंबर, 1928 को शाम साढ़े चार बजे 2 अज्ञात बंदूकधारियों के खिलाफ अनारकली पुलिस थाने में दर्ज की गई थी। कुरैशी ने कहा कि भगत सिंह का मामला देख रहे विशेष न्यायाधीशों ने मामले में 450 गवाहों को सुने बिना ही उन्हें मौत की सजा सुना दी। उन्होंने कहा कि सिंह के वकीलों को जिरह करने का मौका तक नहीं दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129